फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 75 संख्याः 86 प्रभात जयपुर, शनिवार 26 अक्टूबर, 2024 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

ARBiT

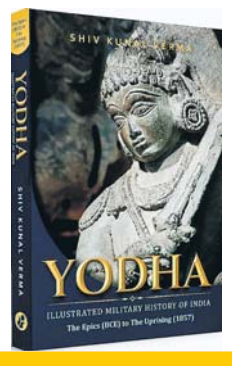

BRINGING INDIA'S RICH MILITARY HISTORY ALIVE

The Dogras under Maharaja Gulab Singh and the conquest of Ladakh by General Zorawar Singh make for excellent reading.

Tradition Meets Empowerment

This Diwali fair brings together the rich heritage of Rajasthan through handcrafted creations by rural women.

गहलोत सरकार के जाने के ग्यारह महीने बाद अभी भी उस सरकार की बात करने की इतनी उत्कंठा क्यों?

राजेश शर्मा
प्रधान सम्पादक
राष्ट्रदूत

सरकारी तंत्र, सरकारी प्रशासन ''लाइन ऑफ कमाण्ड'' (आदेशों की श्रृंखला) के मार्फत काम करता है। जिला स्तर पर, उदाहरण के लिए पुलिस तंत्र में एस.पी., एडिशनल एस.पी., थानाधिकारी आदि की श्रृंखला होती है। गहलोत ने विधायक को प्रशासन की धुरी बनाकर यह ''लाइन ऑफ कमाण्ड'' तोड़ दिया था और, सभी स्तर के कर्मचारी केवल विधायक की ओर देखने लगे अगले आदेश की प्रतीक्षा में। वरिष्ठता केवल ''अलंकार'' बनकर रह गयी, उसका प्रशासनिक महत्व लगभग खत्म हो गया। इस प्रशासनिक अराजकता से बचने के लिए, पुराने मुख्यमंत्री, कम से कम भैरोंसिंह शेखावत तक, विधायकों की, अफसर की ट्रांसफर-पोस्टिंग की मांग पर दो टूक जवाब देते थे, ''तुम्हारे कहने पर अफसर तो हटा देता हूँ, पर उसकी जगह किसे लगाऊं यह मैं ही निर्णय लूंगा।'' मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने ट्रांसफर पोस्टिंग का पूरा अधिकार विधायक को ही दे दिया था, इससे प्रशासनिक अराजकता तो फैलनी ही थी। पुराने मुख्यमंत्रियों ने तो प्रशासनिक अराजकता को फैलने से रोकने के लिए कुछ नीतियां-रीतियां बनाईं, लेकिन, गहलोत ने इस अराजकता को सींचने के लिए, पनपाने के लिए, बांध के सब गेट खोल दिये थे। नारा था, प्रशासनिक अराजकता जाए भाड़ में, लेकिन, मेरी सल्तनत सुरक्षित बनी रहे। सरकारी व प्रशासनिक संस्थानों की तोड़-मरोड़ की गूंज ग्यारह महीने बाद भी सुनी जा सकती है। और भ्रष्टाचार के इस पहिए को थमने और पलटने में ना जाने कितने वर्ष लगेंगे।

पुरानी लोकोक्ति थी, ''बर्बाद गुलिस्तां करने को एक ही उल्लू काफी है'', पर गहलोत ने तो हर डाल पर चुन-चुन कर हर स्तर पर ''उल्लू'' बिठा दिया, और साथ में ''फ्रीडम'' दे दी कि ''कमाओ और खाओ'' का सिद्धान्त पूर्णतया स्वीकार्य है।

रॉ के पूर्व चीफ दुलत साहब की किताब पर पुलिस के उच्चतम क्षेत्र में ''अनईज़िनैस'' थी, कि उन्होंने वो सब लिख दिया जो लोगों को मालूम तो था पर विश्वसनीयता संदिग्ध थी। किताब ने सब बातों को सत्यापित कर दिया। यही बात ''करप्शन'' को लेकर है। सब जानते थे कि थोड़ा करप्शन तो होता ही है, पर गहलोत ने विधायक को कॉन्स्टिट्युएंसी का मुख्यमंत्री बताकर करप्शन को सरकारी मान्यता दे दी। करप्शन इतना बेधड़क, खुल्लम-खुला होने लगा कि सचिवालय में सरकारी अलमारी में ''रिश्वत'' का सोना व रुपये पकड़े गये, पर जाँच की औपचारिकता ही पूरी हुई।

गहलोत के मन में कहीं भी कुछ ग्लानि तक नहीं आती कि उन्होंने राज्य में प्रजातंत्र की जड़ें उखाड़कर फेंक दीं। वे मन से विश्वास करते हैं कि राजा को बनाये रखना ही राजधर्म है। करप्शन को राजधर्म बनाने के मूल सिद्धान्त को वे कतई बुरा नहीं मानते। उनकी सरकार जाने के ग्यारह माह बाद गहलोत के बारे में बात करने की उत्कंठा क्यों है? इस संदर्भ में रामायण का प्रसंग याद आता है। जब मूर्छित रावण को उनका सारथी लंका वापस ले जा रहा था, लक्ष्मण घायल रावण को खत्म करने के लिए तत्पर थे। राम ने उन्हें रोका और कहा कि रावण को सबके सामने युद्ध में पराजित करके मारना जरूरी है, ताकि यह साबित हो जाए कि अधर्म के रास्ते चल कर, फरेब से, छल से चाहे कोई सोने की लंका बना ले, उसका अन्त अशुभ व विध्वंसकारी होता है।

जिस बेशर्मी से, निर्दयता से, भ्रष्टाचार पनपाया गया, इतनी बेशर्मी, क्रूरता पहले कभी नहीं देखी गई। जायज़-नाजायज़ काम की कुंजी पैसा हो गयी। सरकारी महकमे ''कलैक्शन केन्द्र'' बन गये और हर सक्षम अधिकारी व जनप्रतिनिधि ''कलैक्शन एजेन्ट''।

लगभग साल भर पहले, राष्ट्रदूत ने रॉ के पुराने चीफ, ए.एस. दुलत साहब की नई किताब ''लाइफ इन द शैडोज़'' पर एक ''बुक इवैंट'' (पुस्तक पर गहन चर्चा) आयोजित किया था। दुलत साहब राजस्थान कैडर के आई.पी.एस. अफसर थे, पर अधिकतर दिल्ली में केन्द्रीय सरकार की विभिन्न एजेन्सियों, जैसे आई.बी., रॉ आदि में ''पोस्टेड'' रहे, अतः उनके लिए आयोजित ''इवैंट'' काफी रोचक व ''पॉपुलर'' रहा, विशेषकर, राजस्थान पुलिस उच्चाधिकारियों में। ''वर्ड ऑफ माउथ'' से इवैंट दिल्ली के ''इन्टैलिजैन्स सर्किल'' में भी काफी चर्चित रहा। दिल्ली के जिमखाना क्लब में मेरी जब भी ''इन्टैलिजैन्स ऑफिसरों'' से मुलाकात व चर्चा हुई, तो उनके सभी पुराने साथियों ने ''दुलत साहब'' की किताब को ''हाइ लाइट'' करने को सतही तौर पर काफी सराहा पर मुझे महसूस हुआ, कि, इस सर्किल में दुलत साहब की किताब को लेकर थोड़ी सी ''अनईज़ीनैस'' (बेचैनी सी) भी है।

रॉ के एक रिटायर्ड वरिष्ठतम अधिकारी से, जिसे कालान्तर में थोड़ा मैं गहराई से जानने लगा, एक शाम को अपनी इस ''अनईज़ीनैस'' के अहसास को मैंने शेयर किया और इस अनईज़ीनैस का कारण जानने की कोशिश की, क्योंकि ''बुक इवैंट'' के बाद मैंने दुलत साहब से बातचीत में पूछा था ''आपने किताब तो बहुत पठनीय व रोचक लिखी, पर कहीं पुस्तक के कारण आप दिक्कत में नहीं आ जाओ, ''ऑफिशियल सीक्रेट्स'' आदि में। दुलत साहब ने एक तरह से ताल ठोकते हुए कहा, मेरे खिलाफ ''ऑफिशियल सीक्रेट्स'' का कोई मामला नहीं बन सकता, क्योंकि मैंने तो किताब में केवल उन जानकारियों का उल्लेख किया, जो ''पब्लिक डोमेन'' में हैं, (सार्वजनिक तौर पर ''फ्रिली'' उपलब्ध हैं)।

''रॉ'' के अधिकारी ने सकुचाते हुए कहा कि दुलत साहब सही कह रहे हैं, जानकारियां ''फ्रीली'' उपलब्ध तो हैं, पर कहीं भी पुस्तक के रूप में नहीं छपीं। अतः ये जानकारियां, ''संदिग्ध'' सी भी हैं, आम जनता के लिए, कुछ कोहरे से में हैं। पर, दुलत साहब ने, जो हमारे पूर्व चीफ थे, इन्हें पुस्तक के रूप में, छापकर, इन जानकारियों को ''ऑथैन्टिकेट'' कर दिया (सत्यापित कर दिया) सारे कोहरे हटा दिए। यह बात थोड़ी सी ''अनईज़ीनैस'' पैदा करती है।

यही स्थिति ''करप्शन'' के बारे में भी है। शायद अनादिकाल से प्रशासन में, सरकारों में, थोड़ा बहुत करप्शन रहा है। पर सरकार व समाज उस पर ''कम बेसी'' नियंत्रण रखता आया है। पर, समाज को प्रशासन को भ्रष्टाचार मुक्त नहीं कर पाया। इसीलिए अक्सर कहा जाता है, भ्रष्टाचार को डाइबीटीज़ की भांति ''परमिसेबल लिमिट्स में'' (अहानिकारक परिधि में) तो सीमित रखा जा सकता है, पर प्रशासन को भ्रष्टाचार मुक्त नहीं किया जा सकता।

गहलोत के शासन ने इस ''करप्शन'' को सरकारी मान्यता दी, प्रतिष्ठित किया, व्यवस्थित किया, सिस्टम का हिस्सा बना दिया। अफसरों को और सरकारी मशीनरी को यह नारा देकर, कि स्थानीय विधायक ही अपनी ''कॉन्स्टिट्युएंसी'' (चुनाव क्षेत्र) का मुख्यमंत्री है। उसकी ही चलेगी, और सरकारी मशीनरी उस को समर्थन/सहयोग दे। इस नई व्यवस्था में सरकारी ''इन्स्टीट्यूशन'', (प्रशासन) की परम्पराएं शून्य, प्रभावहीन तो होनी ही थीं और यहीं से खाओ और खाने दो की ही नहीं, बल्कि खाना जायज़ है, की व्यवस्था बैठाई गई। यह सिस्टम कैसे बना इसकी डीटेल चर्चा आगे करेंगे, किंतु ''करप्शन'' इतना, बेधड़क, खुल्लम-खुल्ला होने लगा, कि सचिवालय में सरकारी अलमारी में ''रिश्वत'' का सोना व रुपये पकड़े गये, पर जांच की औपचारिकता ही पूरी की गई। ''नैट रिज़ल्ट'', यह विश्वास बन गया, कि इसी व्यवस्था का हिस्सा बनें अन्यथा कर्मचारी का भविष्य नहीं है। । प्रशासनिक ''इन्स्टिट्यूशन्स'' को इतना दीमक लगा कि अब शायद कई दशक लगेंगे, करप्शन को ''परमिसेबल लिमिट्स'' में लाने के लिए। यह ''परमानैन्ट देन'' है गहलोत के प्रशासन की। और, यह ''गिफ्ट'' गहलोत बार-बार देना चाहेंगे। क्योंकि उनके मन में कहीं भी कुछ ग्लानि नज़र नहीं आती कि, उन्होंने राज्य में प्रजातंत्र की जड़ें उखाड़ कर फैंक दी हैं। वे मन से विश्वास करते हैं, कि राजा ही तो राज्य है, अतः किसी भी तरह, राजा को बनाये रखना, सुरक्षित रखना ही ''राजधर्म'' है। उनके मन में शायद एक ही अफसोस है, कि पुनः मुख्यमंत्री नहीं बन पाये। वे इसके लिए, रणनीति के क्रियान्वन में कमी को ही हार का कारण मानते हैं। ''करप्शन'' को राज धर्म बनाने के मूल सिद्धांत को कतई बुरा नहीं मानते।

पर, इस विवरण के बाद में भी यह प्रश्न अनुत्तरित सा ही रह गया है, कि अब इस समय उनकी सरकार के जाने के ग्यारह महीने बाद भी निवर्तमान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बारे में बात करने की उत्कण्ठा क्यों है? इस संदर्भ में रामायण का वह प्रसंग स्मरण हो आता है, जब युद्ध के दौरान राम के बाणों की बारिश से घायल होकर रावण मूर्छित हो गया था और उनके सारथी ने उनके रथ को लंका में ले जाने के लिए मोड़ा था, उस समय लक्ष्मण, घायल लंकेश को खत्म करने के लिए तत्पर और तैयार थे। राम ने लक्ष्मण को रोका और कहा, रावण कोई साधारण शत्रु नहीं है, जिसे जैसे-तैसे भागते हुए घायल तथा मूर्छित अवस्था में मार कर, विजय हासिल करना पर्याप्त है। इसी संदर्भ में राम ने आगे कहा कि यह युद्ध धर्म को स्थापित करने के लिए लड़ा गया है, राज्य पाने के लिए नहीं। रावण अधर्म का प्रतीक है, उसे सबके सामने युद्ध करके और पराजित करके मारना जरुरी है। जिससे यह सदा के लिये साबित हो जाये कि अधर्म के रास्ते पर चलकर फरेब से, छल से, चाहे कोई सोने की लंका तो बना ले, पर इसका अन्त अशुभ और विध्वंसकारी ही होता है। राम के कहने का आशय था कि रावण कोई चिन्दी चोर नहीं था, जिसे रात के अंधेरे में गिरफ्तार कर दण्ड देना पर्याप्त है।

किसी भी मायने में गहलोत भी कोई चिन्दी चोर नहीं थे। अतः उन्हें भी चुनाव में हरा देना काफी नहीं है। उनकी हार पर चर्चा करना जरुरी है, क्योंकि, कई मायनों में तो वह ''युग पुरुष'' थे, जिसने सरकार की, प्रशासन की परिभाषा ही बदल दी, अपने कार्यकाल में।

अशोक गहलोत ने अपने कार्यकाल में भ्रष्टाचार और रिश्वत खोरी को ''इन्स्टिट्यूश्नलाइज़'' कर दिया। यानी सरकारी सिस्टम का ''जायज़'' हिस्सा बना दिया, यह नारा देकर कि विधायक ही अपने क्षेत्र का मुख्यमंत्री है। ऑन द ग्राउण्ड यह प्रतिलक्षित हुआ, और उसका एक मूल उदाहरण जयपुर के नज़दीक कस्बा-ए-कोटपुतली में देखने को मिला। जहां नैशनल हाई-वे से जुड़ी रोड को ''तथाकथित'' सरकारी मापदण्ड के अनुसार चौड़ा करने और अस्थायी अतिक्रमण को हटाने के लिए लगभग 150 घरों और दुकानों की भारी तोड़-फोड़ की गई। कइयों के पास खेतड़ी राज के पट्टे मौजूद थे, अन्य के पास निगम द्वारा स्वीकृत व पास किये गये नक्शे थे। पर, न्याय के लिए कहाँ गुहार की जाये, क्योंकि स्थानीय प्रशासन के लिए तो विधायक उस क्षेत्र का ''घोषित मुख्यमंत्री'' था। पीड़ित जनता ने न्यायालय से आदेश प्राप्त किये पर जनता यह भूल गई कि न्यायालय के आदेश भी अंततोगत्वा प्रशासन ही लागू कराता है।

गहलोत के राज के जाने की वजह उनकी सोच, ''फिलॉसफी'' का सुनियोजित, सटीक क्रियान्वन था। अभाव था या कमी थी तो नैतिक मूल्यों की, स्वस्थ प्रजातंत्रीय फिलॉसफी की, जिसमें शासन की धुरी होती है जनता, न कि राजा, क्योंकि, राजा की बेलगाम महत्वाकांक्षा का खामियाज़ा जनता उठाती है और जनता में आक्रोश फैलता है, और इसी आक्रोश की वजह से गहलोत की हार हुई, उनकी सत्ता गई।

गहलोत जन आक्रोश की आंधी के कारण हार गये, यह तथ्य महत्वपूर्ण है, पर इससे भी ज्यादा जरूरी है, कि जनता गहलोत द्वारा प्रतिपादित शासन प्रणाली को जाने व पहचाने जिसने हमारे प्रजातंत्र को इतना विकृत बनाया।

रावण की भांति, केवल गहलोत को हराना ही पर्याप्त नहीं, क्योंकि हार-जीत तो राजनीति का अंग है। गहलोत की हार उस ''फिलॉसफी'' की हार है, जिसमें जनता केवल एक आंकड़ा होती है, और वो ही जीतता है, जो आकड़ों की गणित का सही ''कॉम्बिनेशन'' (संतुलन) बिठा लेता है। गहलोत की इस ''फिलॉसफी'' की अपूर्णता पर चर्चा करना और असार्थकता बताना जरूरी है। यह ही उस उत्कण्ठा के मूल में है, कि गहलोत के सत्ताच्युत होने के ग्यारह महीने बाद भी गहलोत के बारे में बात करने के लिए बेचैनी रहती है, क्योंकि गहलोत शासन प्रणाली की ''फिलॉसफी'' की दुर्बलता, निर्बलता और कुरूपता को समझे और समझाये बिना गहलोत को केवल चुनाव में हरा देना वैसा ही है, जैसे कि घायल मूर्छित रावण को रात के अंधेरे में मार देना, जिसे राम ने वर्जित किया था। उस वध में, राजा की मृत्यु से जनित अवसाद में, रोने-धोने आर.टी.डी.सी. के होटल घूमर में ठहरा था। अशोक गहलोत का मैसेज आया, जोधपुर के उद्योगपति घेवर चन्द कानूनगो ने शहर के बड़े-बड़े व्यापारियों को नाश्ते पर बुलाया है, गहलोत भी रहेंगे, आप भी आईये, अच्छी ''न्यूज़'' मिलेगी। नाश्ते के बाद कानूनगो ने 150-200 बड़े आमंत्रित

एक उदाहरण जयपुर के नज़दीक कोटपूतली कस्बे का है। वहाँ ''तथाकथित'' सरकारी मापदण्ड के अनुसार रोड चौड़ी करने के लिए 150 घरों व दुकानों में भारी तोड़फोड़ की गई। कइयों के पास खेतड़ी राज्य के पट्टे मौजूद थे, अन्य के पास नगर पालिका द्वारा स्वीकृत नक्शे थे। पर स्थानीय प्रशासन के लिये विधायक क्षेत्र का ''घोषित मुख्यमंत्री'' था। पीड़ित जनता ने न्यायालय से भी आदेश प्राप्त किये, पर न्यायालय के आदेश भी तो अंततोगत्वा प्रशासन ही लागू करता है।

सन् 1989 के लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान जोधपुर वासी जिस भी काम के लिए कहते, उनका जवाब होता था, ''यह स्थानीय मामला है, कोई दिल्ली का काम हो तो बताओ'' तंग आकर एक आदमी ने हज़ार रुपये का नोट निकाल कर दिया और कहा, ''दिल्ली के चांदनी चौक में बाबा छाप ज़र्दे का तम्बाकू मिलता है, अगली बार दिल्ली से आयें तो दो डिब्बे लेते आइयेगा।''

सन् 1989 के लोकसभा चुनाव में गहलोत की जोधपुर से हार, इतिहास में एक मनोरंजक ''फुट नोट'' बनी। पर ग्यारह महीने पहले गहलोत के नेतृत्व में लड़े गये विधानसभा चुनाव में हुई हार ''फुट नोट'' नहीं, बल्कि देश के प्रजांतत्रीय इतिहास में एक ''काले युग'' के अंत के रूप में उल्लिखित रहेगी।

गहलोत के तीसरे कार्यकाल में, भ्रष्टाचार की चरम सीमा की पृष्ठभूमि में अतिरिक्त मुख्य सचिव स्तर के एक कार्यरत अफसर ने मित्रतापूर्ण ढंग से मुस्कुराते हुए इन हालात के सन्दर्भ में कहा, ''आप सरकार से गलत समय लड़ लिये, यह लड़ने का नहीं कमाने का समय था। कोई सा भी प्रोजेक्ट ले जाइये मुख्यमंत्री के पास, प्रोजेक्ट पर चिन्तन, उससे लाभ की चर्चा नहीं होती, केवल यह पूछा जाता है, तुम्हें कितना लाभ होगा और उसमें ''हमारी'' क्या हिस्सेदारी होगी।''

में, उस समय की मान्यता व सभ्य समाज के तौर तरीकों से परिभाषित अधर्म, पाप-फरेब आदि की अवांछनीयता दब जाती, उभर कर सामने नहीं आती और राम के वनवास का अघोषित उद्देश्य अपूर्ण रहता।

गहलोत जन आक्रोश की आंधी के कारण हार गये, यह तथ्य महत्वपूर्ण है, पर इससे भी ज्यादा जरूरी है, जनता गहलोत द्वारा प्रतिपादित शासन प्रणाली को जाने व पहचाने, जिसने हमारे प्रजातंत्र को इतना विकृत बनाया। इतना भयावह व डरावना बनाया।

जिस बेशर्मी से, निर्दयता से, भ्रष्टाचार पनपाया गया, इतनी बेशर्मी, क्रूरता पहले कभी नहीं देखी गई। जायज़-नाजायज़ काम की कुंजी पैसा हो गयी। सरकारी महकमे ''कलैक्शन केन्द्र'' बन गये और हर सक्षम अधिकारी व जनप्रतिनिधि ''कलैक्शन एजेन्ट''। पुरानी लोकोक्ति थी, ''बर्बाद गुलिस्तां करने को एक ही उल्लू काफी है'', पर गहलोत ने तो हर डाल पर चुन-चुन कर हर स्तर पर ''उल्लू'' बिठा दिया, और साथ में ''फ्रीडम'' दे दी कि ''कमाओ और खाओ'' का सिद्धान्त पूर्णतया स्वीकार्य है। डर, इस बात का है, कि हर स्तर पर ''उल्लुओं'' को खून मुंह लग गया है, पांच साल में। अब यह ''सिस्टम'' ठीक होने में कई दशक लगेंगे, और जनता ही इसे ठीक कर सकती है, ''बुद्धिमानों'' का भाषण नहीं। मन में उत्कण्ठा गहलोत के बारे में बात करने की इसलिए रहती है कि, जनता पूरी तरह समझ ले कि ''सिस्टम'' को क्या हानि हुई। क्योंकि गहलोत के सोच व कार्य प्रणाली का एक और अनुभव शायद राजस्थान का प्रजातंत्र नहीं झेल पायेगा।

सन् 1989 की बात है, अशोक गहलोत जोधपुर से लोकसभा चुनाव लड़ रहे थे उनके आग्रह पर मैं चुनाव कवर करने जोधपुर गया था।

........इतनी उत्कंठा क्यों?

गहलोत ने अपने कार्यकाल में सरकार और मीडिया के संबंध को भी अपने फायदे अनुसार तोड़ने-मरोड़ने के लिए हर तरह के हथकंडे अपनाए। ज्यादातर स्थानीय मीडिया को विज्ञापनों का प्रलोभन दिया, वहीं अन्य मीडिया को स्पष्ट कह दिया गया कि ''हमारी न्यूज़ छापो, तभी विज्ञापन मिलेंगे।'' विरोधात्मक सोच रखने वाले 42 पत्रकारों के खिलाफ गंभीर आरोप लगाते हुए एफ.आई.आर. भी दर्ज की गई थी। जो मीडिया गहलोत से कृतार्थ थी उसने बेधड़क और बिना सूझ-बूझ के वॉट्सएप पर प्रसारित की जा रही फोन-टैपिंग की रिकॉर्डिंग प्रकाशित की, और जाने अनजाने में स्वयं को भी इस राजनैतिक षड्यंत्र का भागीदार बना लिया। क्योंकि गहलोत के मित्र और पार्टी व्हिप महेश जोशी ने इन प्रकाशनों की बिसात पर ही पायलट व उनके गुट के खिलाफ देशद्रोह जैसे गंभीर आरोप लगाते हुए एफ.आई.आर. दर्ज कराई थी।

तो आज गहलोत के पदच्युत् होने के ग्यारह महीने बाद क्यों गहलोत के व्यक्तित्व पर लिखने की उत्कण्ठा हुई। उत्कण्ठा का कारण था, कि अगर जनता समय से नहीं जागती और गहलोत की शासन प्रणाली को समय की पुकार मानते हुए स्वीकार कर लिया जाता, तो यह स्थापित हो जाता कि जनता तो बेमायने है, हार जीत नारों की विविधता पर निर्भर करती है, नारों के क्रियान्वन पर नहीं।

मुख्यमंत्री गहलोत में मॉरल (नैतिक) वैल्यू सिस्टम का अभाव, सुप्त अन्तरात्मा, असहाय व मजबूर-सी अफसर शाही, नारे गढ़ने में मास्टरी, आदि, आदि, कारणों ने एक साथ मिलकर पूरे सरकारी ढांचे, प्रशासनिक तंत्र को छकझोर दिया, इतना कि अब उसे पटरी पर आने में कई दशक लगेंगे।

व्यापारियों को सम्बोधित करते हुए कहा, अपने अशोक जी एक बार फिर एम.पी. का चुनाव लड़ रहे हैं, अपनी ड्यूटी बनती है, कि तन, मन, धन से पूरा सहयोग करें।

पर उल्लेखनीय बात यह है, कि इस भारी (तन,मन, धन के) समर्थन के बावजूद गहलोत वह चुनाव हार गये थे, जसवन्त सिंह के सामने।

गहलोत यह चुनाव हारेंगे, इसका आभास उस वाकये से हो गया था, जो जोधपुर में लोग-बाग चटकारे ले ले कर आज भी सुनाया करते हैं। वाकये के अनुसार, चुनाव व जन सम्पर्क अभियान के दौरान गहलोत शहर के मोहल्लों व कॉलोनियों में जा रहे थे, जनता के शिकवे, शिकायत सुनने के लिए। एक जगह एकत्रित लोगों ने शिकवे सुनाते हुए कहा, ''सड़क बहुत खराब है, चलना मुश्किल हो रहा है।'' गहलोत ने जवाब में कहा, ''यह स्थानीय प्रशासन का मामला है, कोई दिल्ली का काम हो तो बतायें।'' लोगों ने बिजली की कम वोल्टेज और बहुत कम समय के लिए बिजली आने का रोना रोया, तो फिर गहलोत ने वो ही जवाब दिया, ''यह तो आर.एस.ई.बी. का काम है, कोई दिल्ली का काम हो तो बतायें।'' किसी ने लॉ एण्ड ऑर्डर, बढ़ती हुई चोरी-चकारी व गुण्डागर्दी की शिकायत की, पुनः गहलोत की ओर से जवाब मिला, ''यह स्थानीय पुलिस के ''डील'' करने का मामला है, कोई दिल्ली का काम हो तो बतायें।'' तंग आकर एक आदमी ने हज़ार रुपये का नोट निकाल कर दिया और कहा, ''दिल्ली के चांदनी चौक में बाबा छाप जर्दे का तम्बाकू मिलता है, अगली बार दिल्ली से आयें तो दो डिब्बे लेते आइयेगा।'' व्यंगात्मक टिप्पणी में जनता की कुंठा साफ झलक रही थी। गहलोत का वह चुनाव हारना कोई आश्चर्य की बात नहीं थी।

सन् 1989 के लोकसभा चुनाव में गहलोत की जोधपुर से हार, इतिहास में एक मनोरंजक ''फुट नोट'' बनी, जिसे पुराने लोग आज भी तत्कालीन युवा गहलोत के राजनीतिक गुरूर व अपरिपक्वता का प्रतीक मानकर, चटकारे लेते हुए याद करते हैं। पर ग्यारह महीने पहले गहलोत के नेतृत्व में लड़े गये विधानसभा चुनाव में हुई हार ''फुट नोट'' नहीं, बल्कि देश के प्रजांतत्रीय इतिहास में एक ''काले युग'' के अंत के रूप में उल्लिखित रहेगी।

यह हार किसी भी तरह एक युवा मंत्री की नादानी, नासमझी, मासूमियत के उदाहरण के रूप में प्रस्तुत नहीं की जा सकती। क्योंकि, उस सरकार का नेतृत्व एक ऐसा मुख्यमंत्री कर रहा था, जिसकी, सबसे बड़ी ''क्वालिटी'' (गुण) उसकी राजनीतिक कुटिलता व प्रशासनिक अनुभव थे। जिसका मुख्य ध्येय था, गहलोत को मुख्यमंत्री बनाए रखना। जो भी इस ध्येय को प्राप्त करने में मददगार था उसके सौ खून (भ्रष्टाचार के कारनामे) आदि माफ थे, चाहे वो कितना भी भ्रष्ट हो। इस नीति को जायज़ ठहराने के लिए तर्क दिया गया कि, पैसे दिल्ली पहुंचाने पड़ते हैं, तो ''कलैक्शन'' तो करना ही पड़ेगा। आश्चर्य तो यह है कि दिल्ली ने इस स्थिति को कैसे स्वीकार कर लिया। क्योंकि, इस रणनीति से हाईकमान को नुकसान ही नुकसान था।

पहला मैसेज यह गया कि, दिल्ली इतनी कमज़ोर है कि क्षेत्रीय क्षत्रप, मनमर्जी से बिना लगाम राज चला रहे हैं। दूसरा निष्कर्ष यह निकला कि हाई कमान को भी इस भ्रष्टाचार की कमाई से कोई परहेज नहीं है। परंतु गहलोत को लाभ ही लाभ था इस व्यवस्था से। एक तो उनका भ्रष्टाचार ''जायज़'' हो गया, दूसरा विधायकों की निष्ठा व वफादारी सौ प्रतिशत गहलोत के प्रति हो गई और गहलोत ही क्यों मुख्यमंत्री रहें, इसे ''जस्टिफाई'' करने के लिए (जायज़ ठहराने के लिए) एक और तर्क दिया गया कि मुख्यमंत्री पद के लिए उनके प्रतिद्धंदी, तत्कालीन उप मुख्यमंत्री व प्रदेशाध्यक्ष सचिन पायलट ''राजद्रोही'' हैं और उनके खिलाफ ''सैडिशन'' (देशद्रोह) का मुकदमा ठोक दिया गया। ''सैडिशन'' के पक्ष में ''सबूत'' दिये गये कि पायलट अपने समर्थक विधायकों के साथ मिलकर भाजपा से हाथ मिलाने वाले थे, गहलोत को मुख्यमंत्री पद से हटाने और कांग्रेस की सरकार गिराने के लिए।

कहानी पुरानी है तथा इससे सब भली-भांति परिचित हैं, तो आज, गहलोत सरकार गिरने के ग्यारह महीने बाद इस घटनाक्रम की चर्चा क्यों चली है, क्योंकि बड़ी मुश्किल से प्रजातंत्र बचा हैं।

प्रेस को रौब से दबाने की, या प्यार से सुलाने की नैसर्गिक फितरत होती है हर सरकार की, बहुत कम प्रशासन इस प्रवृत्ति से बच पाते हैं। इस प्रवृत्ति के बारे में स्वर्गीय उपराष्ट्रपति कृष्ण कान्त ने ऐसे ही प्रकरण के बारे में राज्यसभा में बड़े सटीक ढंग से कहा था, ''जब आप खबरों के प्रवाह को जनता तक पहुंचने का मार्ग अवरूद्ध करते हैं, तब आप, अपने तक जानकारियां पहुंचने का रास्ता भी ब्लॉक करते हैं।''

गहलोत तीन बार मुख्यमंत्री बने, अतः वे अच्छी तरह जानते थे, समझते थे, जनता अपना मन किस तरह और कैसे बनाती है। इस ''प्रक्रिया'' में क्या-क्या ''फैक्टर्स'' काम करते हैं। उनके पास यह जानकारी भी इकट्ठी हो गई थी कि, राजस्थान में कौन-कौन सी जाति/जात कहां-कहां बसती हैं और जाति/जात का राजनीति की दृष्टि से चुनाव में क्या महत्व है। साथ ही लम्बे काल तक दिल्ली में सक्रिय रहने के कारण, पूर्ण आभास था, कि दिल्ली कैसे निर्णय लेती है, प्रदेशों में पार्टी के नेताओं के बारे में। दिल्ली में किसकी चल रही है, माखनलाल फोतेदार की, सीताराम केसरी की, अहमद पटेल की, गुलाम नबी आजाद की या किसी अन्य की। उन्होंने अपने सेक्रेटरी टु. सी.एम., ललित पंवार को, इस पद से हटा दिया था, क्योंकि देर रात को माखन लाल फोतेदार की मां की मृत्यु हो जाने पर पंवार ने उन्हें तुरंत उठाकर यह जानकारी नहीं दी, और सुबह गहलोत को मृत्यु की खबर बताई। गहलोत ने इस घटनाक्रम से उत्पन्न पीड़ा व व्यथा उस समय मेरे साथ शेयर की, जब वे घर आये थे, और नये सेक्रेटरी टु सी.एम. के चयन के बारे बात कर रहे थे। उन्होंने पंवार को हटाने का निर्णय ले तो लिया था, पर उनकी पीड़ा यह थी कि, उन्होंने एक योग्य व लायक एस.सी. अफसर को इतने महत्वपूर्ण पद से हटा तो दिया था, और उन्हें इसका भारी राजनीतिक खामियाजा भुगतना पड़ेगा।

पर, उन्हीं के शब्दों में, वे राजनीतिक दृष्टि से ऐसे ''अपरिपक्व'' अफसर को संवेदनशील पद (सेक्रेटरी टु सी.एम.) पर कैसे रख सकते हैं, जिसे कांग्रेस की राजनीति में माखन लाल फोतेदार का महत्व मालूम नहीं, और जिसने उन्हें यह खबर देने में इतना विलम्ब कर दिया कि वो संवेदना व्यक्त करने के लिए पहुंचने वाला पहला व्यक्ति होने से वंचित रह गये।

प्रेस को रौब से दबाने की, या प्यार से सुलाने की नैसर्गिक फितरत होती है हर सरकार की। इस प्रवृत्ति के बारे में स्वर्गीय उपराष्ट्रपति कृष्ण कान्त ने ऐसे ही प्रकरण के बारे में राज्यसभा में बड़े सटीक ढंग से कहा था, ''जब आप खबरों के प्रवाह को जनता तक पहुंचने का मार्ग अवरूद्ध करते हैं, तब आप, अपने तक जानकारियां पहुंचने का रास्ता भी ब्लॉक करते हैं।''

गहलोत की राजनीतिक सूझबूझ में कोई कमी नहीं थी, पर इस ज्ञान का वे ''सलैक्टिव'', अपनी सुविधा व व्यक्तिगत हित को देखते हुए प्रयोग करते थे और सुविधानुसार, पार्टी का हित, गौण हो जाता था। जब उन्होंने अपने पुत्र को जालौर से टिकट देने का मन बना लिया, उसे राजनीति में स्थापित करने के लिए तो, कलबियों की संख्या का तर्क गौण हो गया। पर जातियां उनके मन के अनुसार गौण या महत्वपूर्ण नहीं हो जातीं, और उनके पुत्र की डेढ़ लाख वोटों से करारी हार हुई।

एक बार राजस्थान के विधानसभा चुनाव के बारे में बातचीत करते हुए बार-बार वे जालौर से किसी ''कलबी'' को टिकट देने पर जोर दे रहे थे। अन्त में मैंने, जो उस समय तक जालौर जिले के जातिगत विश्लेषण से ज्यादा परिचित नहीं था, पूछा कि ''कलबी'' कौन होते हैं और उनको जालौर से टिकट देने पर, इतना जोर क्यों दे रहे हैं वे। उन्होंने समझाया, कलबी, जाटों जैसी मजबूत खेतहर कम्युनिटी है, जालौर में। पर इस कम्युनिटी को अभी तक किसी पार्टी ने टिकट नहीं दिया है। अतः किसी ''कलबी'' को इस बार यदि कांग्रेस टिकट देती है, तो पश्चिमी राजस्थान के इस क्षेत्र में कई सीटों पर फायदा होगा। उनकी राजनीतिक सूझबूझ में कोई कमी नहीं थी, पर इस ज्ञान का वे ''सलैक्टिव'', अपनी सुविधा व व्यक्तिगत हित को देखते हुए प्रयोग करते थे और सुविधानुसार, पार्टी का हित, गौण हो जाता था। जब उन्होंने अपने पुत्र को जालौर से टिकट देने का मन बना लिया, उसे राजनीति में स्थापित करने के लिए तो, कलबियों की संख्या का तर्क गौण हो गया। पर जातियां उनके मन के अनुसार गौण या महत्वपूर्ण नहीं हो जातीं, और उनके पुत्र की डेढ़ लाख वोटों से करारी हार हुई, जालौर की सीट पर। कलबी ''कम्युनिटी'' को काफी सख्त नाराज़गी थी, ''कलबी'', जो कांग्रेस के परम्परागत वफादार समर्थक रहे हैं, को ''कलबी'' बाहुल्य सीट से, ''कलबी'' का टिकट काट कर, एक बाहरी को, अपने पुत्र को, टिकट देने से।

मेदांता हॉस्पिटल में हुए मेरे छोटे भाई के कैंसर के ''ट्रीटमैंट'' के दौरान एक बात समझ आई। बत्तीस राउण्ड हुए थे रेडिएशन के। एक रेडिएशन के राउण्ड में तीन अलग-अलग पावरफुल रेडिएशन की किरणें, कैंसर ग्रसित गांठ पर एक साथ पहुंचती थीं, तथा ये तीन किरणें एक साथ मिल कर इतनी पावरफुल बन जाती थीं कि कैंसर की गांठ बत्तीस राउण्ड के बाद ''डिज़ॉल्व'' हो गई थी। राजस्थान में सरकारी कामकाज में थोड़ा बहुत भ्रष्टाचार तथा जातिवाद/जातवाद सम्भवतया शुरू से ही रहा है। पर, कुछ परम्पराओं का दबाव, लोक लाज की शर्म, अन्तरात्मा की आवाज़, सरकारी कामकाज की प्रक्रिया से पूर्ण परिचय ना होना, कुछ अफसरों की पढ़ाई व एक्सपोज़र राजनीतिज्ञों से ज्यादा व बेहतर होना, ने एक अंकुश का काम किया। राजनीतिज्ञों और नेताओं को मनमानी करने से रोका। प्रारंभिक दिनों में अधिकतर सरकारी अफसर राजस्थान के रहने वाले नहीं थे, अतः स्थानीय परिस्थितियों से ज्यादा परिचित होने का, जनता की नब्ज़ समझने का नारा दिया नेताओं ने, और धीरे-धीरे अफसरों पर हावी हो गये।

तीन बार मुख्यमंत्री रहने के कारण वे सरकारी प्रक्रिया से काफी सुपरिचित हो गये थे। सिस्टम को कैसे और कितना तोड़ा-मरोड़ा जा सकता है, अपने राजनीतिक हित व स्वार्थ की पूर्ति के लिए, यह खूब समझ गये थे, और किस अफसर को दबाव से, किसको प्रलोभन से, किसको व्यक्तिगत सम्बन्धों से फुसलाकर अपने राजनीतिक स्वार्थ को पूरा करने के लिए उपयोग में लाया जा सकता है, और यह भी कि यदि अफसर फिर भी काबू नहीं आता तो, उसे कहाँ और किस टांड पर रखा जा सकता है, उसके रिटायरमेंट तक। दूसरी ओर दिल्ली पर ''नियंत्रण'' पा लिया, दिल्ली व दिल्ली की ''आवश्यकता'' की पूर्ति करके।

नतीज़ा वो ही हुआ, रेडिएशन से कैंसर के ट्रीटमैंट जैसा। तत्कालीन मुख्यमंत्री गहलोत में मॉरल (नैतिक) वैल्यू सिस्टम का अभाव, सुप्त अन्तरात्मा, असहाय व मजबूर-सी अफसर शाही, नारे गढ़ने में मास्टरी, आदि, आदि, कारणों ने एक साथ मिलकर पूरे सरकारी ढांचे, प्रशासनिक तंत्र को छकझोर दिया, इतना कि अब उसे पटरी पर आने में कई दशक लगेंगे। उदाहरण के लिए, ''फोन टैपिंग'' का प्रकरण एक और महत्वपूर्ण मामला है, जिसे बारीकी से देखा जाना चाहिए। पहले तो ऐसा ''फुलप्रूफ'' सिस्टम तैयार किया गया कि कोई सबूत न रहे कि कोई टैपिंग हुई है। प्रशासनिक व्यवस्था के अनुसार, किसी व्यक्ति का फोन ''टैप'' किया जा सकता है, और अगर टैपिंग की अवधि एक सप्ताह से कम है, तो इस टैपिंग की स्वीकृति के लिए कोई फाइल चलाने की कोई जरूरत नहीं होती। अतः प्रक्रिया यह अपनायी गयी कि पांच-छः दिनों के लिए फोन ''टैप'' किया गया और फिर एक दो-दिन के लिए फोन को ''टैपिंग' की लिस्ट से निकाल दिया गया, और फिर दो दिन बाद पुनः पांच-छः दिन की ''टैपिंग लिस्ट'' में डाल दिया गया।

गृह विभाग के सभी वरिष्ठ अधिकारी इस टैपिंग को सात दिन से ज्यादा जारी करने की स्वीकृति नहीं देते, तीन महीने के बाद इस टैपिंग का सारा रिकॉर्ड नष्ट कर दिया जाता था।

पर प्रदेश में फोन टैपिंग कांड सिर्फ गैर-कानूनी तरीके से की गई जासूसी का ही एक उदाहरण नहीं है, बल्कि राजनैतिक लाभ के लिए कुटिलता से रचित एक ऐसा प्रकरण है जिससे अपने राजनैतिक प्रतिद्वंदियों की विश्वसनीयता को धूमिल करने का एक षड्यंत्र किया गया। गहलोत सरकार के इशारों पर, पायलट और पायलट गुट की छवि धूमिल करने के लिए दो नेताओं की फोन टैपिंग का कुछ अंश पहले ''वॉट्सएप'' पर सरक्युलेट करवाया गया और फिर अखबारों में छपवाया गया। हैरानी की बात है, इन फोन टैपिंग की रिकॉर्डिंग को प्रसारित करने से पहले किसी भी स्थानीय बड़े अखबार या मीडिया हाउस ने फोन टैपिंग की ''जैन्विननैस'' व उद्देश्य पर सवाल नहीं उठाए। पंद्रह दिन के पश्चात् जब यह शोर गुल बिल्कुल ही ठंडा हो गया कि ''पायलट भाजपा में जा रहे हैं'', तब मान-हानि के मुकदमों से डर कर, अखबारों ने यह छाप दिया कि उन्हें फोन टैपिंग की रिकॉर्डिंग मुख्यमंत्री के ओ.एस.डी. ने दी थी। गहलोत का व्यक्तित्व इस बात से उजागर होता है कि एक तरफ उन्होंने फोन टैपिंग का प्रचार-प्रसार करवाया और फिर इस प्रकरण से दूरी बनाए रखने के लिए अपने ही ओ.एस.डी. को निष्कासित किया और पुलिस की जांच झेलने में झोंक दिया।

पाठकों को याद दिला दें कि जब फोन टैपिंग के आरोप कर्नाटक सरकार पर लगे थे, तब तत्कालीन मुख्यमंत्री रामकृष्ण हेगड़े को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था। परंतु गहलोत ने अपने पिछले कार्यकाल में पुलिस और गृह विभाग को जैसे तोड़ा और मरोड़ा उससे ''सत्ता के दुरुपयोग'' की परिभाषा ही बदल जाती है।

''ट्रांज़ैक्शनरी एप्रोच'' (लेन-देन, खरीद-फरोख्त के व्यवहार) के कारण लोग जुड़े तो सही, आखिर सबका सरकार से कुछ न कुछ काम तो रहता है। पर, उनके लम्बे राजनीतिक जीवन में, दिल से कोई साथ नहीं जुड़ा। अतः जब तक पद बना रहा, आस-पास मंडराते रहे, पर, मुख्यमंत्री का पद जाते ही भीड़ छंट गई, और राजनीतिक अस्तित्व, रोगी-शैय्या से वक्तव्य देने तक सीमित रह गया।

प्रशासनिक व्यवस्था के अनुसार, किसी व्यक्ति का फोन ''टैप'' किया जा सकता है, और अगर टैपिंग की अवधि एक सप्ताह से कम है, तो इस टैपिंग की स्वीकृति के लिए कोई फाइल चलाने की कोई जरूरत नहीं होती। अतः प्रक्रिया यह अपनायी गयी कि पांच-छः दिनों के लिए फोन ''टैप'' किया गया और फिर एक दो-दिन के लिए फोन को ''टैपिंग' की लिस्ट से निकाल दिया गया, और फिर दो दिन बाद पुनः पांच-छः दिन की ''टैपिंग लिस्ट'' में डाल दिया गया। गृह विभाग के सभी वरिष्ठ अधिकारी इस टैपिंग को सात दिन से ज्यादा जारी करने की स्वीकृति नहीं देते, इसलिए तीन महीने के बाद इस टैपिंग का सारा रिकॉर्ड नष्ट कर दिया जाता था।

गहलोत ने किस तरह से फोन टैपिंग का प्रचार-प्रसार करवाया और फिर इस प्रकरण से दूरी बनाए रखने के लिए अपने ही ओ.एस.डी. को निष्कासित किया और पुलिस की जांच झेलने में झोंक दिया।

सरकारी काम-काज में थोड़ा बहुत भ्रष्टाचार तो शायद शुरू से ही रहा होगा, गहलोत ने इस ''भ्रष्टाचार'' में सबको पार्टनर बना दिया, अफसरशाही, राजनीतिज्ञ आदि। इसकी धुरी बना दिया स्थानीय विधायक को। उदाहरण के लिए, बजरी का अवैध काम, स्थानीय नाके के कर्मचारी, छोटे-मोटे पंच-सरपंच स्तर के नेता, छोटे बीट कॉन्स्टेबल से लेकर उच्चतम स्थानीय नेता (विधायक, मंत्री) शीर्षस्थ स्थानीय पुलिस अधिकारी (थानेदार, डी.वाय.एस.पी., एस.पी.) तथा स्थानीय उच्चतम प्रशासनिक अधिकारी, सभी की इस ''धंधे'' में हिस्सेदारी तय कर दी गई और धड़ल्ले से ''धंधा'' चला। यह ''इन्स्टिट्यूशनलाइज़ेशन'' सभी विभागों में प्रचलित हो गया, पर स्थानीय स्तर पर धुरी विधायक/मंत्री को ही रखा गया। क्योंकि, अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत से ही, जब पहली बार, ''इमरजैन्सी'' के बाद वे जोधपुर से एम.पी. बने थे, तथा प्रायः दिल्ली ही रहने लगे थे, तब गहलोत ने निष्कर्ष निकाल लिया था, कि कांग्रेस के किसी राजनीतिज्ञ को सफल होने के लिए सबसे ज्यादा जरूरी है, कि दिल्ली के पास, उस मुख्यमंत्री की शिकायतें नहीं पहुंचें और ये शिकायतें पहुंचाने का काम विधायक करते हैं। अतः विधायकों को ''खुश'' रखना प्रथम जिम्मेवारी है, किसी भी मुख्यमंत्री के लिए। अतः अपने प्रथम काल में उन्होंने ''डिज़ायर'' कल्चर शुरू किया, किसी भी ''ट्रांसफर, पोस्टिंग'' के चले आ रहे विषय के लिए जिले में विधायक की ''डिज़ायर'' को ही महत्व दिया जायेगा, पार्टी के किसी अन्य नेता को नहीं, चाहे वो कितना भी वरिष्ठ, व कद में राष्ट्रीय स्तर का माना जाता हो।

तीन बार मुख्यमंत्री रहने के कारण वे सरकारी प्रक्रिया से काफी सुपरिचित हो गये थे। सिस्टम को कैसे और कितना तोड़ा-मरोड़ा जा सकता है, अपने राजनीतिक हित व स्वार्थ की पूर्ति के लिए किस अफसर को दबाव से, किसको प्रलोभन से, किसको व्यक्तिगत सम्बन्धों से फुसलाकर उपयोग में लाया जा सकता है, और यह भी कि यदि अफसर फिर भी काबू नहीं आता तो, उसे कहाँ और किस टांड पर रखा जा सकता है।

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष, गिरिराज प्रसाद तिवाड़ी, पूर्व केन्द्रीय पेट्रोलियम मंत्री, प्रदेशाध्यक्ष व ए.आई.सी.सी. के महासचिव नवल किशोर शर्मा व नरसिम्हाराव सरकार में प्रधानमंत्री कार्यालय (पी.एम.ओ.) के मंत्री भुवनेश चतुर्वेदी ने इस ''डिज़ायर'' कल्चर के अपने अनुभव शेयर किये। कोटा के भुवनेश चतुर्वेदी, आजीवन अविवाहित रहे पर अपने वृहत् परिवार के मुखिया के रूप में जिम्मेवारी निभाते रहे। उनका एक भतीजा, जो सरकार की मेडिकल सर्विसेज़ विंग में डॉक्टर था, डेपुटेशन पर एस.एम.एस. मेडिकल कॉलेज में ''पोस्टेड'' था। यह कोई खास बड़ी बात नहीं थी। यह सुविधा, जरा सा भी जो ''कनैक्टेड'' व्यक्ति था उसके रिश्तेदारों को सदा से मिलती आई है। पर अचानक, भुवनेश चतुर्वेदी के भतीजे का एस.एम.एस. से ट्रांसफर हो गया। रामलुभाया उस समय स्वास्थ्य सचिव थे तथा कोटा में कलैक्टर रह चुके थे और भुवनेश चतुर्वेदी के ''महत्व'' से अच्छी तरह परिचित थे। तीन चार बार भुवनेश चतुर्वेदी ने अपने भतीजे के एस.एम.एस. अस्पताल से ट्रांसफर को रद्द करने को कहा, रामलुभाया ने आखिर रद्द कर दिया। तब यह प्रशासनिक प्रथा थी, कि हर महत्वपूर्ण ट्रांसफर, चाहे किसी की भी डिजायर आये, सी.एम.ओ. की स्वीकृति से ही होता था। मुख्यमंत्री ने रामलुभाया को तलब किया और पूछा, ''ये ट्रांसफर रद्द करने के आदेश कैसे निकले, सी.एम.ओ. ने ऐसी कोई ''डिज़ायर'' नहीं भेजी थी।'' सकुचाते हुए रामलुभाया ने जवाब दिया, ''भुवनेश जी कांग्रेस के पुराने वरिष्ठ व प्रतिष्ठित नेता हैं, उनका कई बार फोन आया, अतः...।'' दो टूक जवाब मिला रामलुभाया को, ''कांग्रेस में कौन वरिष्ठ है और उनकी ''रिक्वैस्ट'' के बारे में क्या निर्णय लेना है, यह सी.एम.ओ. का कार्य क्षेत्र है, आपका नहीं, आगे से ध्यान रखें।''

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गिरिराज किशोर तिवाड़ी के दामाद का भी कुछ ऐसा ही मामला था। घरेलू परिस्थितियों की वजह से (किसी रिश्तेदार की बीमारी के कारण) दामाद की जयपुर पोस्टिंग चाहते थे। तत्कालीन स्वास्थ्यमंत्री, तिवाड़ी जी से काफी जूनियर थे पार्टी में, अतः तिवाड़ी जी ने पोस्टिंग के लिए बातचीत की तो मालूम पड़ा स्वास्थ्य मंत्री से मिलना होगा। वो बेहिचक मंत्री महोदय से मिलने, मंत्री जी के दफ्तर पहुंचे। मंत्री ने बहुत आवभगत की, सम्मान दिया, ''आप जब नेता थे, तब मैं दरी उठाने वाला साधारण कार्यकर्ता था। आपके आदेश की तुरन्त पालना होगी।'' पर काफी समय बाद भी काम नहीं हुआ तो तिवाड़ी जी ने तहकीकात की, मालूम पड़ा काम तो तभी होगा, जब स्थानीय विधायक अपनी ''डिज़ायर'' स्वीकृति लिख कर भेज देगा।

प्रथम कार्यकाल में उन्होंने ''डिज़ायर'' कल्चर शुरू किया, कि, किसी भी ''ट्रांसफर, पोस्टिंग'' के चले आ रहे विषय के लिए जिले में विधायक की ''डिज़ायर'' को ही महत्व दिया जायेगा, पार्टी के किसी अन्य नेता को नहीं, चाहे वो कितना भी वरिष्ठ, व कद में राष्ट्रीय स्तर का माना जाता हो। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष, गिरिराज प्रसाद तिवाड़ी, पूर्व केन्द्रीय पेट्रोलियम मंत्री, प्रदेशाध्यक्ष व ए.आई.सी.सी. के महासचिव नवल किशोर शर्मा व नरसिम्हाराव सरकार में प्रधानमंत्री कार्यालय (पी.एम.ओ.) के मंत्री भुवनेश चतुर्वेदी ने इस ''डिज़ायर'' कल्चर के अपने अनुभव शेयर किये।

पण्डित नवल किशोर शर्मा का भी कटु अनुभव कुछ ऐसा ही था। वे विधायक थे, आमेर से, तथा जयपुर के उनके वफादार कार्यकर्ता का विधायकपुरी थाने में कुछ जायज़ काम था। अतः उन्होंने सीधे थानेदार को फोन किया पर काम नहीं हुआ। हर बार कार्यकर्ता नवलजी के पास जाकर पुनः फोन करने का दबाव बनाता रहा। थानेदार का भाई, पी.सी.सी. में विधि सैल का उच्चाधिकारी था, अतः पी.सी.सी. में नवल किशोर शर्मा की वरिष्ठता से खूब परिचित था। पर, थानाधिकारी नवलजी की अवहेलना करता रहा। नवलजी ने अन्त में फोन पर गुस्से में काफी जोरों से डांट-डपट की। एक कार्यकर्ता/नेता ने दबी जुबान में कहा, ''थानेदार तब तक कुछ नहीं करेगा, बाबूजी, जब तक महेश जोशी उसे निर्देश नहीं देता, क्योंकि मुख्यमंत्री गहलोत ने जयपुर का चार्ज उसे दे रखा है।''

गहलोत जब दूसरी बार मुख्यमंत्री बने तो उनकी इस पकड़ में और ''निखार'' आया और तीसरी बार मुख्यमंत्री बनने पर तो उन्हें इस धारणा पर स्वयं भी पूर्ण विश्वास हो गया, कि राजस्थान में उनका कोई विकल्प नहीं हो सकता, क्योंकि हाई कमान उन्हें कुछ कहने की स्थिति में नहीं है और अधिकांश विधायक अब उनके पार्टनर बन चुके थे। अतिरिक्त मुख्य सचिव स्तर के एक कार्यरत अफसर ने मित्रतापूर्ण ढंग से मुस्कुराते हुए इन हालात के सन्दर्भ में कहा, ''आप सरकार से गलत समय लड़ लिये, यह लड़ने का नहीं कमाने का समय था। कोई सा भी प्रोजेक्ट ले जाइये मुख्यमंत्री के पास, प्रोजेक्ट पर चिन्तन, उससे लाभ की चर्चा नहीं होती, केवल यह पूछा जाता है, तुम्हें कितना लाभ होगा और उसमें ''हमारी'' क्या हिस्सेदारी होगी।'' भगवान करे, यह टिप्पणी, केवल मजाक के रुप में कही गयी हो। उसी अफसर ने आगे इसी टोन (लय) में कहा, ऐसा लग रहा है, कि सारे सरकारी तंत्र का एक ध्येय व उद्देश्य था, कि मुख्यमंत्री की कुर्सी बचाई जाये।

पाठकों को याद दिला दें कि जब फोन टैपिंग के आरोप कर्नाटक सरकार पर लगे थे, तब तत्कालीन मुख्यमंत्री रामकृष्ण हेगड़े को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था। परंतु गहलोत ने अपने पिछले कार्यकाल में पुलिस और गृह विभाग को जैसे तोड़ा और मरोड़ा उससे ''सत्ता के दुरुपयोग'' की परिभाषा ही बदल जाती है। सरकारी काम-काज में थोड़ा बहुत भ्रष्टाचार तो शायद शुरू से रहा होगा, गहलोत ने इस ''भ्रष्टाचार'' में सबको पार्टनर बना दिया, अफसरशाही, राजनीतिज्ञ आदि। इसकी धुरी बना दिया स्थानीय विधायक को।

उदाहरण के लिए, जब ''नीट'' का पेपर लीक हुआ और बाज़ार में उपलब्ध होने लगा और पेपर ''लीक'' होने की चर्चा आम होने लगी, तो पहले तो मुख्यमंत्री स्तर पर इन चर्चाओं की, इन खबरों की अनदेखी की गई। शायद आशा थी, ये खबरें अपने आप जनता भूल जायेगी। पर, जब पानी नाक तक आ गया तो एक वक्तव्य आया, कि यह केवल राजस्थान में ही नहीं हो रहा, बल्कि देश के सभी राज्यों में हो रहा है। इस अनदेखी और सतही चेपा-चापी के ''एटिट्यूड'' से पेपर लीक करने का कारोबार धड़ल्ले से चला और नई-नई ''टैक्नीक'' विकसित हुईं। नकली उम्मीदवार बैठने लगे परीक्षा में, सही कागजातों से सुसज्जित हो कर। दायरा भी बढ़ता गया। ''नीट'' का सफल मॉडल, एस.आई. की परीक्षा में लागू कर दिया गया और फिर हर सरकारी परीक्षा में, जो सरकारी नौकरी के लिए ली जाती हैं। नौकरी उन्मुख सरकारी परीक्षाओं में थोड़ी बहुत चीटिंग व सिफारिशें, शायद पहले भी चलती होंगी। पर, गहलोत ने इसे सुसंगठित किया, व्यवस्थित किया और सरकार का प्रश्रय दिया। क्योंकि, मन में यह ''विश्वास'' था, उनसे अधिक योग्य कोई नहीं, और उनका कोई विकल्प नहीं है। क्योंकि उन्होंने सब देवता प्रसन्न कर रखे हैं, चाहे दिल्ली का हाईकमान हो, या राजस्थान के विधायक, चाहे विपक्ष के नेता और बड़े से बड़े अफसर।

''करप्शन'' (भ्रष्टाचार) में भागीदारी, ''ऑफिशियल'' हिस्सेदारी देकर, राजनीतिज्ञों, विधायकों की वफादारी खरीद तो ली गहलोत ने, पर विधायक व स्वयं मुख्यमंत्री यह अच्छी तरह जानते थे, अनभिज्ञ नहीं थे, कि इस हिस्सेदारी व भागीदारी की गारंटी तब तक ही है, जब तक गहलोत मुख्यमंत्री हैं। जब वे पद से हट गये तो, भ्रष्टाचार करने के लिए दिया गया उनका अभयदान बेअसर हो जायेगा। गहलोत ने बखूबी यह समझाया विधायकों को कि, अगर अभयदान बरकरार रखना है और भ्रष्टाचार करने की खुली छूट बरकरार रखनी है, तो गहलोत को दोबारा मुख्यमंत्री बनाना जरूरी है। पर, समझाइश के बावजूद गहलोत व राजनीति की उनकी पद्धति हारी, क्योंकि आम जनता, जिससे भ्रष्टाचार के मार्फत उगाही की जा रही थी, वह भी देख रही थी, ''क्या खेला हो रहा है।'' ममता जी का यह खेला, बंगाल में चल गया, क्योंकि वहां उन्हें 30 प्रतिशत जनता (मुसलमानों) का पूर्ण समर्थन एक मुश्त प्राप्त था, पर यह स्थिति राजस्थान में नहीं थी, किसी जात/जाति का एक मुश्त समर्थन प्राप्त नहीं था गहलोत को।

ममता बनर्जी को भ्रष्टाचार में भागीदारी का नुस्खा मुख्य रूप से मुसलमानों या उनके कुछ सहयोगियों तक ही सीमित रखना था, पर गहलोत को यह स्कीम पूरे राजस्थान में, सभी चयनित जनप्रतिनिधियों व उनकी दृष्टि में प्रभावशाली वर्गों पर लागू करनी पड़ी, क्योंकि प्रारम्भ से उनका खुद का कोई अपना ''पर्सनल'' वोट बैंक नहीं है और ना ही तीन बार मुख्यमंत्री रहने के बाद बना पाये।

''ट्रांज़ैक्शनरी एप्रोच'' (लेन-देन, खरीद-फरोख्त के व्यवहार) के कारण लोग जुड़े तो सही, आखिर सबका सरकार से कुछ न कुछ काम तो रहता है। पर, उनके लम्बे राजनीतिक जीवन में, दिल से कोई साथ नहीं जुड़ा। अतः जब तक पद बना रहा, आस-पास मंडराते रहे, पर, मुख्यमंत्री का पद जाते ही भीड़ छंट गई, और राजनीतिक अस्तित्व, रोगी-शैय्या से वक्तव्य देने तक सीमित रह गया।

''नीट'' का पेपर लीक हुआ और बाज़ार में उपलब्ध होने लगा और पेपर ''लीक'' होने की चर्चा आम होने लगी, तो पहले तो मुख्यमंत्री स्तर पर इन चर्चाओं की, इन खबरों की अनदेखी की गई। जब पानी नाक तक आ गया तो एक वक्तव्य आया, कि यह केवल राजस्थान में ही नहीं हो रहा, बल्कि देश के सभी राज्यों में हो रहा है। इस अनदेखी और सतही चेपा-चापी के ''एटिट्यूड'' से पेपर लीक करने का कारोबार धड़ल्ले से चला और नई-नई ''टैक्नीक'' विकसित हुईं। नकली उम्मीदवार बैठने लगे परीक्षा में।

तो आज गहलोत के पदच्युत होने के ग्यारह महीने बाद क्यों गहलोत के व्यक्तित्व पर लिखने की उत्कण्ठा हुई। उत्कण्ठा का कारण था, कि अगर जनता समय से नहीं जागती और गहलोत की शासन प्रणाली को समय की पुकार मानते हुए स्वीकार कर लिया जाता, तो यह स्थापित हो जाता कि जनता तो बेमायने है, हार जीत नारों की विविधता पर निर्भर करती है, नारों के क्रियान्वन पर नहीं।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, शनिवार 26 अक्टूबर, 2024

KEDIA सेजस्थान

महा दिवाली

FIXED PRICE GUARANTEED

NO MIDDLE-MEN

15 लाख

15 लाख

15 लाख

दिवाली पर 15 लाख रेट बढ़ेगी !

दिवाली बाद करोड़ों में मिलेगी कोठी !

SPORTS AMENITIES

- BASKET BALL COURT
- BADMINTON COURT
- SKATING RINK
- LAWN TENNIS COURT
- MINI GOLF
- CRICKET PRACTICE NET
- BOX CRICKET
- JOGGING LOOP
- CYCLING TRACK

OUTDOOR AMENITIES

- RASHI GARDEN
- OPEN AIR THEATRE
- WETLAND PARK
- KID'S PLAY AREA
- SANDPIT
- OPEN GYM
- LAP POOL
- KID'S POOL
- ROOF TOP WALK
- MULTI PURPOSE LAWN
- MEDITATION ZONE
- VOCATIONAL WORKSHOP SPACE
- SENSORY WALK
- NATURE TRAIL
- SAVANNA ELEVATED TRAIL
- PICNIC POINTS
- ADVENTURE PLAY AREA

INDOOR AMENITIES

- TUITION ROOM
- LIBRARY
- ART AREA
- KID'S WORKSHOP AND PLAY AREA
- DISNEY THEME GAME ROOM
- CONFERENCE ROOM
- GYMNASIUM
- YOGA AREA
- CARD AREA
- CHESS AREA
- CARROM AREA
- TABLE TENNIS
- BILLIARDS

वॉक-अप अपार्टमेंट्स

63.45 लाख से शुरु

कोठी

84.60 लाख से शुरु

गिनती की कुछ ही कोठी बची हैं।

KEDIA सेजस्थान

KOTHI & WALK-UP APARTMENT

अजमेर रोड़, जयपुर

POSSESSION: DEC. 2025

बड़ी-बड़ी कोठी, बड़े-बड़े फ्लैट

KEDIA®

1800-120-2323

78770-72737

info@kedia.com

www.kedia.com

www.rera.rajasthan.gov.in

RERA No. RAJ/P/2023/2387

SCAN QR FOR

- LOCATION
- ROUTE MAP
- SITE 360 TOUR
- E-BROCHURE
- WALKTHROUGH

*T&C Apply

विचार बिन्दु

शास्त्र पढ़कर भी लोग मूर्ख होते हैं, किन्तु जो उसके अनुसार आचरण करता है वो ही वस्तुतः विद्वान है। -अज्ञात

त्योहारी सीज़न में ऑनलाइन धोखाधड़ी से सावधान रहें

हमारे देश में घर-घर में डिजिटल क्रांति प्रवेश कर चुकी है। अब हमारे खरीद फरोख्त के लगभग सभी काम डिजिटली होने लगे हैं। बच्चे से बुजुर्ग तक के हाथों में स्मार्ट फोन आने से अब शायद ही कुछ ऐसी चीज बची हो जिसके लिए आप डिजिटल पेमेंट ना करते हो। लोग कैश रखने के बजाय डिजिटली पेमेंट देना ज्यादा पसंद करते हैं। इस समय देश में त्योहारी सीज़न चल रहा है जो नवंबर के प्रथम पखवाड़े तक चलेगा। इस दौरान लोग जमकर खरीदारी कर रहे हैं। ऑनलाइन खरीदारी का जबरदस्त क्रेज बना हुआ है। प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में अमेजन और फ्लिपकार्ट जैसे दर्जनों प्लेटफॉर्म पर जोरदार सेल का धमाका देखने को मिल रहा है। लोग धड़ाधड़ खरीदारी में जुटे है। प्रतिदिन लाखों-करोड़ों रुपयों की खरीदारी हो रही है। लेकिन इसके साथ ही त्योहारी सीजन में खरीदारी के दौरान डिजिटल पेमेंट फ्रॉड का जोखिम भी बढ़ गया है। लोग आकर्षक लुभाने वाले ऑफर्स और डिस्काउंट्स के चलते लोग भारी खरीदारी त्योहारी सीजन में करते हैं। एक-दूसरे से आगे निकलने की होड़ में कई बार उपभोक्ता प्लेटफॉर्म की वैधता की जांच को नजरअंदाज कर देते हैं। फ्रॉड होने का खतरा भी उतना ही बढ़ गया है। डिजिटल पेमेंट्स के जरिए लोगों को धोखा देकर फंसाना भी आसान हो गया है। धोखाधड़ी के तरीके भी अब काफी आसान हो गए हैं। इस बीच साइबर जालसाज भी काफी सक्रिय हो गए हैं और साइबर अपराध को अंजाम देने के लिए नए तरीकों का इस्तेमाल करते हैं। उपभोक्ताओं को ऑफलाइन खरीदारी की अपेक्षा ऑनलाइन खरीदारी करना अधिक पसंद आता है। ऑनलाइन खरीदारी करना फायदेमंद होता है जहां अपनी पसंद की और कम कीमत पर कई वैराइटी देखने को मिल जाती हैं। लेकिन कई बार ऑनलाइन खरीदारी करना भारी भी पड़ जाता है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर सेल शुरू होते ही जालसाज भी सक्रीय हो जाते हैं। जो आपकी एक गलती पर आपका बैंक खाता खाली कर सकते हैं। मीडिया में ऐसी घटनाओं के समाचार रोज ही पढ़ने को मिल रहे है। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने उपभोक्ताओं को डिजिटल पेमेंट के दौरान हर स्तर पर सावधानी बरतने की सलाह दी है ताकि साइबर क्राइम से बचा जा सके। डिजिटल पेमेंट करें तो आप खास तौर पर ध्यान रखें, जिनसे आपको फ्रॉड से बचने में मदद मिलेगी। आप किसी लिंक के जरिए या किसी ऐप के जरिए डिजिटल पेमेंट कर रहे हों तो यह ध्यान रखे यह पेमेंट सुरक्षित है या नहीं। उस कंपनी के बारे में ऑनलाइन रिव्यू चेक करें। उस वेबसाइट के बारे में पता करें। इस सीजन में खरीदारी के दौरान सावधानी और सतर्कता बहुत जरूरी है। कहते है सावधानी हटी और दुर्घटना घटी।

भारत में डिजिटल पेमेंट की शुरुआत साल 2016 में हुई थी। इसके बाद लगातार देश इस क्षेत्र में अपनी बढ़त बनाये हुए है। भारत डिजिटल पेमेंट में दुनिया में नंबर वनबन गया है और इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को फायदा मिल रहा है। तेजी से बढ़ता डिजिटल लेनदेन बढ़ती हुई खपत को दर्शाता है। यह डिजिटल पेमेंट इकोसिस्टम के लिए भी अच्छा है। आरबीआई के डाटा के अनुसार देश भर में पेमेंट परफॉर्मेंस और पेमेंट इन्फ्रास्ट्रक्चर ढांचे में वृद्धि की वजह से डिजिटल पेमेंट की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। यह वृद्धि सभी मापदंडों में हुई है। डाटा के मुताबिक 31 मार्च 2024 तक देश भर में डिजिटल पेमेंट में 12.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। आरबीआई का डिजिटल पेमेंट इंडेक्स मार्च 2024 के अंत में 445.5 पर था, जबकि सितंबर 2023 में 418.77 और मार्च 2023 में 395.57 था। भारत में मोबाइल पेमेंट स्मार्टफोन के आने और इंटरनेट की बढ़ती पहुंच के बाद बहुत आसान हो गया। विशेषकर युवाओं में मोबाइल से भुगतान बहुत तेजी से आगे बढ़ा है। ग्लोबल डेटा के मुताबिक 2028 तक भारत में मोबाइल वॉलेट के माध्यम से भुगतान 531.8 ट्रिलियन रुपये के आंकड़े को पार करने का अनुमान है।

> **नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने उपभोक्ताओं को डिजिटल पेमेंट के दौरान हर स्तर पर सावधानी बरतने की सलाह दी है ताकि साइबर क्राइम से बचा जा सके। डिजिटल पेमेंट करें तो आप खास तौर पर ध्यान रखें, जिनसे आपको फ्रॉड से बचने में मदद मिलेगी। आप किसी लिंक के जरिए या किसी ऐप के जरिए डिजिटल पेमेंट कर रहे हों तो यह ध्यान रखे यह पेमेंट सुरक्षित है या नहीं।**

एक अधिकृत जानकारी के अनुसार देश भर में पेमेंट परफॉर्मेंस और पेमेंट इन्फ्रास्ट्रक्चर ढांचे में वृद्धि की वजह से डिजिटल पेमेंट की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। यह वृद्धि सभी मापदंडों में हुई है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के पहले पांच महीनों में डिजिटल पेमेंट का मूल्य बढ़कर 1,669 लाख करोड़ रुपये हो गया है। इसी अवधि के दौरान डिजिटल पेमेंट का लेन-देन 8,659 करोड़ तक पहुंच गया। यूपीआई लेन-देन का मूल्य 138 प्रतिशत की सीएजीआर पर 1 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 200 लाख करोड़ रुपये हो गया है। इसके अलावा पिछले 5 महीनों में कुल लेन-देन का मूल्य बढ़कर 101 लाख करोड़ रुपये हो गया है। वित्त मंत्रालय ने बताया कि यूपीआई ने देश में डिजिटल पेमेंट में क्रांति ला दी है जहां वित्त वर्ष 2017-18 में यूपीआई लेनदेन 92 करोड़ से बढ़कर वित्त वर्ष 2023-24 में 129 प्रतिशत की सीएजीआर से 13,116 करोड़ हो गया है। जैसे तेज पेमेंट सिस्टम को अपनाने में तेजी लाने के प्रयासों ने वित्तीय लेन-देन के तरीके में क्रांतिकारी बदलाव किया है, जिससे लाखों लोगों के लिए रीयल-टाइम, सुरक्षित और सीमलेस पेमेंट संभव हुआ है। मार्केट रिसर्च फर्म डेटाम इंटेलिजेंस की रिर्पोट के अनुसार इस साल त्योहारी सीजन में ऑनलाइन बिक्री 12 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है, जो पिछले साल के 9.7 बिलियन डॉलर से 23 प्रतिशत अधिक है।

एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक देश में तीस करोड़ से ज्यादा लोग ऑनलाइन भुगतान करते है। दुकानदार और ऑनलाइन कम्पनियाँ जहां इन त्योहारों में आकर्षक ऑफर तथा डिस्काउंट की पेशकश कर ग्राहकों को रिझाने का प्रयास करते हैं, वहीं ग्राहक भी इन आकर्षक ऑफरों का लाभ उठाकर जमकर खरीदारी करते हैं। सरकारी बैंकों सहित कई कम्पनियाँ और निर्माता उपभोक्ताओं को लुभावनी छूट से भी लाभान्वित कर रहे है। खुदरा व्यापारी ऑनलाइन सेल का विरोध कर रहे है और अपने व्यापार के चौपट होने की दुहाई दे रहे है मगर उपभोक्ता ऑनलाइन व्यापार से खुश नजर आ रहे है। उन्हें बाजार की धकमपेल से छुटकारा मिल रहा है। ऑनलाइन सेल में सामान सस्ता जरूर मिल रहा है मगर उपभोक्ता को सावधानी रखनी पड़ेगी क्योकि ठगी करने वाले गिरोह भी सक्रीय हो गए है। जो भोले भले लोगों को सस्ते माल के चक्कर में फंसा कर अपना उल्लू सीधा कर रहे है। ऐसे में लोगों ने सतर्कता नहीं रखी तो सस्ते में माल खरीदना महंगा भी पड़ सकता है।

-अतिथि संपादक,
बाल मुकुन्द ओझा
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

राशिफल शनिवार 26 अक्टूबर, 2024

पंडित अनिल शर्मा

कार्तिक मास, कृष्ण पक्ष, दशमी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2081, आश्लेषा नक्षत्र प्रातः 9:46 तक, शुक्ल योग रविवार प्रातः 5:57 तक, वणिज करण सायं 4:23 तक, चन्द्रमा आज प्रातः 9:46 से सिंह राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-तुला, चन्द्रमा-कर्क, मंगल-मिथुन, बुध-तुला, गुरू-वृष, शुक्र-वृश्चिक, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज ज्वालामुखी योग प्रातः 9:46 तक है। भद्रा सायं 4:23 से आरम्भ होगी। महापात योग रात्रि 2:10 से आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः शुभ 8:00 से 9:24 तक, चर 12:11 से 1:34 तक, लाभ-अमृत 1:34 से 4:21 तक।

राहूकालः 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 4:37, सूर्यास्त 5:45

मेष
परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी रहेगी। व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

सिंह
नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

धनु
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

वृष
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी।

कन्या
आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। धन हानि का भय बना रहेगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। आज घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है।

मकर
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

मिथुन
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक यात्रा संभव है। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

तुला
व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा।

कुंभ
घर-परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ रहेगी। व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में आपसी मतभेद बढ़ सकते हैं।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

मीन
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

प्रजातंत्र में संसद, सड़क और संस्कृति

प्रो. कैलाश सोडाणी

सैकड़ों वर्षों की गुलामी और गरीबी से मुक्ति के लिए लगभग 200 वर्षों के लम्बे संघर्ष के बाद 1947 में जाकर आजाद भारत का स्वप्न साकार हुआ। आजाद भारत किस मार्ग पर चलेगा इसके लिए प्रजातंत्र के तत्कालीन आदरणीय पुरोधाओं ने भारतीय संविधान का निर्माण किया। उसी संविधान के तहत। देश को देश के मतदाताओं से सृजित संसद जैसा एक शानदार तौहफा प्राप्त हुआ।

संसद कोई इमारत नहीं है अपितु भारत के मतदाताओं की भावनाओं की सशक्त अभिव्यक्ति है। इसी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता ने भारतीय प्रजातंत्र को दुनियाँ की विभिन्न शासन व्यवस्थाओं में श्रेष्ठ पायदान पर पहुँचाया है। संसद पक्ष और विपक्ष दोनों के लिए अपना मत एवं विचार प्रकट करने के लिए श्रेष्ठ एवं सर्वोच्च प्लेटफार्म है। हमारी संसद में अनेक बार महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा, परिचर्चा एवं बहस बड़ी विद्वत्तापूर्ण एवं रोचक रही है। संसद की बहस को गरिमा प्रदान करने वालों में प्रमुख है - वी.के. कृष्णामेनन, पीलू मोदी, फिरोज गाँधी, राममनोहर लोहिया, मधु लिमये, सोमनाथ चटर्जी, अटल बिहार वाजपेयी, प्रमोद महाजन, सुषमा स्वराज, सुधांशु त्रिवेदी। साथ ही सांसदों द्वारा आये दिन होने वाली नारेबाजी एवं बहिष्कार से संसद का बहुमूल्य समय बहुत खराब होता है। इस प्रकार का शोर-शराबा संसद की गरिमा एवं हमारी संस्कृति के अनुरूप नहीं है।

संसद की गरिमा बनाये रखने की जिम्मेदारी पक्ष एवं विपक्ष दोनों की है, इसके लिए सभी सांसदों से मर्यादित एवं अनुशासित आचरण अपेक्षित है। इस सम्बन्ध में लोकसभा अध्यक्ष से भी यह अपेक्षा रहती है कि वे विपक्ष को अपनी बात रखने का पर्याप्त समय एवं अवसर प्रदान करें। सौभाग्य से यह काम हमारे वर्तमान लोकसभा अध्यक्ष बखूबी निभा रहे हैं। एतदर्थ विपक्षी सांसद उनके प्रति विश्वास एवं श्रद्धा का भाव रखते हैं।

अब मैं आलेख के मूल विषय पर आता हूँ कि प्रजातंत्र में संसद के साथ-साथ सड़क की राजनीति का भी अपना महत्वपूर्ण स्थान एवं वजूद है। जब विपक्ष को यह लगता है कि संसद के माध्यम से वह अपनी बात कह नहीं पा रहा है तो फिर विपक्ष धरना, प्रदर्शन, बन्द इत्यादि के माध्यम से सड़क की राजनीति प्रारम्भ करता है, जिसे हमारे देश में पर्याप्त प्रेस कवरेज़ भी मिल जाता है। अंततः विपक्ष अपनी बात मतदाताओं तक पँहुचाने में सफल भी होता है। 1972-74 में जयप्रकाश नारायण का जन आन्दोलन, 1990-91 में श्री राम जन्मभूमि के लिए लालकृष्ण आडवाणी की रथ-यात्रा, 2013-14 में भ्रष्टाचार के खिलाफ अन्ना हजारे के नेतृत्व में धरना-प्रदर्शन, 2023-24 में राहुल गाँधी की भारत जोड़ो यात्रा आदि कुछ ऐसे उदाहरण है जो यह दर्शाते हैं कि संसद के बाहर भी अपनी बात को बहुत बेबाक तरीके से समाज के समक्ष रखा जा सकता है।

संसद और सड़क की राजनीति की श्रेष्ठता के लिए हमें हमारी गौरवशाली सनातन संस्कृति को हमेशा याद रखना होगा। भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के अनुरूप ही संसद एवं सड़क पर अनुशासित संवाद एवं आचरण होना चाहिये। निःसन्देह प्रजातंत्र को जीवन्त बनाये रखने के लिए धरना, प्रदर्शन, आन्दोलन सभी आवश्यक है परंतु आन्दोलन में भी हमें हमारी संस्कृति एवं मूल्यों को नहीं भूलना चाहिये। आन्दोलन का मतलब अनुशासनहीनता नहीं है। जैसे किसान आन्दोलन के समय राष्ट्रीय राजमार्ग को अवरुद्ध करना, राजस्थान में आरक्षण को लेकर रेलों के आवागमन को बाधित करना, दिल्ली के शाहीन बाग में सड़क पर किये धरना-प्रदर्शन से महीनों तक दिल्लीवासियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ा। आन्दोलन के नाम पर आगजनी, तोड़फोड़, बाजार बन्द, चक्का जाम आदि शुद्ध अनुशासनहीनता है। यह प्रजातंत्र के दुरुपयोग के साथ-साथ हमारे सांस्कृतिक मूल्यों की अवहलेना भी है। व्यक्ति या समूह सरकार से अपनी मांगें मनवाने के लिए आन्दोलन करने के लिए स्वतंत्र हैं परन्तु आम नागरिकों को उनके आन्दोलन से कोई असुविधा एवं कष्ट नहीं होना चाहिये। किसी भी प्रकार का आर्थिक नुकसान न तो किसी नागरिक को होना चाहिये और न ही सरकार को। यह देखना भी आंदोलनकारियों का कर्तव्य है। भारतीय प्रजातंत्र की मजबूती एवं प्रखरता के लिए संसद और सड़क दोनों जगह भारतीय संस्कृति के अनुरूप मर्यादित एवं अनुशासित आचरण रखना होगा।

-प्रो. कैलाश सोडाणी,
कुलपति वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा

प्रयाग महाकुंभ-2025 : सांस्कृतिक महत्व

राजेन्द्र जोशी

अमृत कहां बरसेगा। यह पहले से तय है। हिंदू धर्म की मान्यताओं के अनुसार, जब बृहस्पति कुंभ राशि में और सूर्य मेष राशि में प्रवेश करता है तो कुंभ मेले का आयोजन होता है। प्रयाग का कुंभ मेला सभी मेलों में अधिक महत्व रखता है। कुंभ का अर्थ है- कलश, ज्योतिष शास्त्र में कुंभ राशि का भी यही चिह्न है। कुंभ मेले की पौराणिक मान्यता अमृत मंथन से जुड़ी हुई है। इस बार त्रिवेणी संगम प्रयाग में 45 दिन का अमृत काल होगा। महाकुंभ 2025 प्रयागराज में 13 जनवरी से 26 फरवरी 2025 तक आयोजित हो रहा है। यह शब्द ऋग्वेद और अन्य प्राचीन हिन्दू ग्रन्थों में भी पाया जाता है। इस प्रकार, कुम्भ मेले का अर्थ है अमरत्व का मेला है।

इन दिनो महाकुंभ 2025 के सफल आयोजन हेतु इंडिया थिंक काउंसिल भारत के विभिन्न स्थानों पर कुंभ कॉन्क्लेव का आयोजन कर रहा है। कुंभ कान्क्लेव का आयोजन छोटी काशी में गोलमेज सम्मेलन का आयोजन 3 अक्टूबर 2024 को किया गया। इस कॉन्क्लेव में महाकुंभ मेले के संदर्भ में सार्थक चर्चा हुई। कुंभ मेले के सांस्कृतिक संदर्भ विषय पर इस तरह की यह पहल सराहनीय है। ऐसी चर्चा के आयोजन के लिए इंडिया थिंक एवं प्रोफेसर मनोज दीक्षित जी का आभार प्रकट करना चाहिए जिन्होंने महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय एवं राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में एक सार्थक चर्चा का आयोजन किया।

वैसे भी बीकानेर और संगम का एक महत्वपूर्ण रिश्ता जुड़ता है, प्रयाग में तीन नदियों का संगम है, जहां गंगा, यमुना और पौराणिक सरस्वती नदियों के संगम को त्रिवेणी संगम कहा जाता है। और इतिहास यह कहता है कि थार के मरुस्थल बीकानेर में कभी सरस्वती नदी का प्रवाह हुआ करता था। हम अभी सरस्वती नदी की गोद में रह रहे हैं। इसका मतलब हम भी कल्पवास का हिस्सा है। महाकुंभ मेला भव्य- दिव्य और नव्य थीम पर आयोजित हो रहा है। 400 मिलियन लोगों की संभावना 40 करोड लोग इस महाकुंभ में शामिल होंगे।

संगम की पवित्र धरती प्रयाग का महाकुंभ 13 जनवरी 2025 पौष पूर्णिमा से लेकर 26 फरवरी 2025 महाशिवरात्रि के स्नान पर्व तक संचालित होगा। कुल 45 दिनों तक चलने वाले महाकुंभ में देश-विदेश से हजारों-हजार श्रंदालु प्रयागराज पहुँच रहे है। महाकुंभ की तैयारियां तेज हो गई हैं, 2025 में आयोजित होने वाले महाकुंभ को पॉलीथीन फ्री और ठीन कुंभ के तौर पर पेश करने की तैयारी हो रही है। इसके लिए जहां महाकुंभ में पॉलिथीन को प्रतिबंधित किए जाने की तैयारी है. वहीं तीन लाख पौधे भी लगाए जा रहे हैं।

इन पौधों को सरकार संरक्षित भी करेगी। महाकुंभ के आयोजन हेतु 5154 करोड़ की 327 परियोजनाओं पर काम चल रहा है।इसके साथ ही 1264 करोड़ की 75 विभागीय परियोजनाओं पर भी काम प्रारंभ हो चुका है। महाकुंभ से जुड़ी सभी स्थाई और अस्थाई परियोजनाओं को अक्टूबर 2024 तक पूरा करने का लक्ष्य तय किया गया है। महाकुंभ के सफल आयोजन के लिए अनुभवी अधिकारियों की टीम दिन-रात काम में जुटी है।

इन प्रोजेक्ट्स पर चल रहा काम :- 2019 में आयोजित दिव्य और भव्य कुंभ से भी 2025 को बेहतर आयोजित करने की तैयारी चल रही है। महाकुंभ के बेहतर आयोजन के लिए प्रयागराज मेला प्राधिकरण द्वारा इसका क्षेत्रफल जहां बढ़ाया जा रहा है, वहीं मेले में अतिरिक्त सुविधाएं भी मुहैया कराए जाने की तैयारी है। मेले का क्षेत्रफल बढ़ाकर 4000 हेक्टेयर कर दिया गया है. कुल 25 सेक्टर में मेला बसाया जाएगा, जबकि 1900 हेक्टेयर में छह पार्किंग बनाई जा रही है, जिसमें 5 लाख से ज्यादा वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था रहेगी। महाकुंभ मेले में 25000 लोगों के लिए पब्लिक अकोमोडेशन, मोटरबोट, चेंजिंग रूम, पूजा स्थल और फ्लोटिंग जेटी बनाई जाएगी। मेले में इस बार 10 डिजिटल खोया पाया केंद्र भी बनेंगे, पहली बार यमुना नदी के वीआईपी घाट पर पक्के घाट का निर्माण कराया जा रहा है। इसके साथ ही दशाश्वमेध घाट पर भी पक्का घाट बन रहा है। यातायात की समस्या को देखते हुए तेलियरगंज से संगम क्षेत्र तक 13 किलोमीटर का रिवर फ्रंट भी बनाया जा रहा है। वर्ष भर घाटों पर जल का प्रवाह बना रहे इसके लिए ड्रेजिंग भी कराई गई। महाकुंभ से जुड़ी अन्य परियोजनाओं में सड़कों और चौराहों का चौड़ीकरण व सौंदर्यीकरण किया जा रहा है। प्रयागराज जंक्शन रेलवे स्टेशन और एयरपोर्ट विस्तार के साथ ही अनेक फ्लाई ओवर बनाए जा रहे है।

महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए अक्षय वट, पाताल पुरी, सरस्वती कूप, हनुमान मंदिर, श्रृंगवेरपुर धाम और भारद्वाज कॉरिडोर का भी निर्माण कराया जा रहा है। अक्टूबर - दिसंबर 2024 तक मेले में सभी संस्थाओं को जमीन और सुविधाओं का आवंटन कर दिया जाएगा। इस बार खास तौर पर ऑनलाइन सॉफ्टवेयर के जरिए जमीनों और सुविधाओं के आवंटन की तैयारी की गई है।

श्रद्धालुओं के लिए खास व्यवस्थाः -श्रद्धालु और पर्यटक सुगमता से महाकुंभ मेले में आकर सुरक्षित वापस जा सके इसके लिए तैयारी की जा रही हैं। एयरपोर्ट पर जहां एक नया टर्मिनल बनाया जा रहा है, वहीं एयरपोर्ट से लेकर महाकुंभ मेले तक पहुंचने के लिए बनाई जा रही सड़क को विश्व स्तरीय स्मार्ट रोड बनाया जा रहा है। इस सड़क के दोनों ओर ग्रीन बेल्ट और कुंभ कलश बनाए जाएंगे। इसके अलावा सड़क किनारे आकर्षक पेंटिंग की जाएगी ताकि एयरपोर्ट से महाकुंभ मेले के अंदर आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को सुखद अनुभूति का एहसास कराया जा सके। प्रयागराज के अंतर्गत आने वाले नौ रेलवे स्टेशनों पर भी बुनियादी सुविधाओं में इजाफा किया जा रहा है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भी प्रयोग

महाकुंभ मेले की सुरक्षा को लेकर भी व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं सीसीटीवी कैमरे से लेकर ड्रोन कैमरे और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भी प्रयोग किया जाएगा। 45 दिनों तक चलने वाले महाकुंभ में इस बार भी तीन शाही स्नान होंगे। पहला स्नान पर्व 13 जनवरी को पौष पूर्णिमा का होगा। जबकि 14/15 जनवरी को मकर संक्रांति का पहला शाही स्नान होगा। 29 जनवरी मौनी अमावस्या का दूसरा शाही स्नान एवं 3 फरवरी बसंत पंचमी को तीसरा और आखिरी शाही स्नान प्रयागराज में होगा। जिसके बाद 5 फरवरी को अचला सप्तमी का स्नान पर्व होगा। जबकि 12 फरवरी को माघी पूर्णिमा के स्नान पर्व के साथ कल्पवास का समापन होगा। 26 फरवरी को महाशिवरात्रि के स्नान पर्व के साथ महाकुंभ मेले का समापन हो जाएगा।

प्रयागराज (पूर्व में इलाहाबाद) जिले में गंगा, यमुना और पौराणिक सरस्वती नदियों के संगम पर अस्थायी तम्बू शहर के प्रस्तावित 25 सेक्टरों में सड़क परियोजनाओं, अस्थायी पुलों, अस्पतालों, बाजारों आदि की एक श्रृंखला विकसित की जाएगी। श्रद्धालु हिंदू प्रयागराज को सबसे पवित्र शहरों में से एक मानते हैं, जहां संगम पर स्नान करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है।

संभवतः, दुनिया का सबसे बड़ा 4,000 हेक्टेयर का टेंट सिटी उत्तर प्रदेश में बनाया जा रहा है, जहां दुनिया का सबसे बड़ा जनसमूह, प्रयागराज महाकुंभ 2025 में अनुमानित 400 मिलियन तीर्थयात्रियों की मेजबानी की जाएगी।

जनवरी-फरवरी 2025 में महाकुंभ के पावन 45 दिनों के दौरान 400 मिलियन लोगों का एकत्रीकरण, जो अमेरिका और ब्रिटेन की संयुक्त जनसंख्या के बराबर होगा, उत्तर प्रदेश की वर्तमान जनसंख्या, जो 250 मिलियन है, का 1.6 गुना होगा।

उत्तर प्रदेश सरकार के अनुसार, 67,000 स्ट्रीट लाइटों से जगमगाने वाले इस टेंट शहर में पर्यटकों की सेवा के लिए 2,000 टेंट और 25,000 सार्वजनिक आवास होंगे

स्वच्छता का माडल होगा महाकुंभ

स्वच्छता के माडल के रूप में दुनिया के सामने प्रस्तुत करने की तैयारी कर रही है। इसके लिए 1.45 लाख शौचालय बनाए जाएंगे।

भव्य-दिव्य और नव्य थीम

पिछले कुंभ 2019 का थीम दिव्य व भव्य कुंभ था। इस बार 2025 के महाकुंभ में एक शब्द और जोड़ दिया गया है। भव्य-दिव्य और नव्य महाकुंभ इस बार का थीम होगा। सरकार की ओर से इस पर स्वीकृति भी दे दी गई है।

सरकार महाकुंभ-2025 को भव्य, दिव्य और नव्य स्वरूप दे रही है। कुंभ नगर को जिले का दर्जा मिलेगा और यहां जिला स्तरीय अधिकारी तैनात होंगे। महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए कुंभ क्षेत्र का विस्तार किया गया है। महाकुंभ में 40 करोड़ से अधिक लोगों के आने के अनुमान के मुताबिक ही बसावट में बदलाव किया गया है।

कुंभ मेला क्षेत्र का विस्तार 4000 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल में होगा। पिछला कुंभ 3200 हेक्टेयर में बसा था। इस बार 25 सेक्टर में महाकुंभ बसाया जाएगा। सेक्टर का क्षेत्रफल भी बढ़ेगा। एक सेक्टर से दूसरे सेक्टर जाने के लिए गंगा पर 30 पांटून पुल बनेंगे। पिछली बार 22 पांटून पुल बने थे, जबकि इस बार 30 पांटून पुलों का निर्माण होगा।

-राजेन्द्र जोशी,
शिक्षाविद्-साहित्यकार

खाटूश्यामजी में मिठाई की दुकानों का निरीक्षण, 360 किलो दूषित मिठाई नष्ट कराई

बेसन के लड्डू, बेसन की चक्की दूषित मिली, सोयाबिन तेल खराब मिला

खाटूश्यामजी/सीकर, (निसं)। दीपावली त्योहार पर आमजन को शुद्ध व ताजा खाद्य वस्तुएं उपलब्ध हो, इसके लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है। जिला कलेक्टर मुकुल शर्मा व सीएमएचओ डॉ. निर्मल सिंह के निर्देशन में शुक्रवार को चिकित्सा विभाग की ओर से खाटूश्यामजी में कार्रवाई की गई। सीएमएचओ डॉ. निर्मल सिंह ने बताया कि खाटूश्यामजी में खाद्य एवं सुरक्षा विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुये 360 किलो दूषित मिठाई की नष्ट की साथ ही बूंदी के लड्डू व सोयाबीन के नमूने लिए।

एफएसओ मदनलाल बाजिया, महमूद अली व नंदराम मीणा ने अंतिमा स्वीट स्टोर का निरीक्षण किया। इस दौरान 250 किलो बेसन के लड्डू, 110 किलो बेसन की चक्की दूषित पाई गई तथा 25 लीटर सोयाबिन तेल खराब पाया गया, जिनको मौके पर ही नष्ट करवाया गया तथा बेसन बूंदी के लड्डू, वनस्पती घी के नमूने लिए गए। इस दौरान श्याम प्रेमी शुद्ध मिष्ठान भंडार के यहां से केशर मावा पेड़ा, शेखावत मिष्ठान भंडार के यहां से मावा पेड़ा, श्री श्याम फूड प्लाजा के यहां बेसन बूंदी लड्डू के सैम्पल लिए गए। सभी सैम्पलों को जांच के लिए जन स्वास्थ्य प्रयोगशाला जयपुर भेजा गया। खाद्य कारोबारियों को दीपावली पर्व पर आवश्यकता से अधिक मिठाई नहीं बनाने तथा फूड कलर का उपयोग एफएसएसएआई के निर्धारित मानकों के अनुसार ही करने के लिए पाबंद किया गया। टीम में अतिरिक्त खाद्य सुरक्षा अधिकारी नन्दराम मीणा, श्रवण कुमार, दिनेश कुमार, राजेन्द्र सिंह, दिलीप सिंह, कुलदीप सिंह, सुमेर सिंह व अरविंद फोगाट शामिल रहे।

> ■ **दूषित मीठाइयों को मौके पर नष्ट कराया, ''शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान'' के तहत कार्रवाई की**

रामगढ़ शेखावाटी तहसील में 26 घरेलू गैस सिलेण्डर जप्त किये : जिला रसद अधिकारी सीकर नरेश शर्मा ने बताया कि जिले में अवैध एलपीजी रिफिलिंग एवं दुरूपयोग को रोकने के लिए शुक्रवार को जिला रसद विभाग की 6 प्रवर्तन निरीक्षकों की टीम ने रामगढ़ शेखावाटी तहसील में कार्रवाई के दौरान 26 घरेलू गैस सिलेण्डर जप्त किये गए जो घरेलू गैस सिलेण्डरों का होटल, मिठाई बनाने आदि में व्यवसायिक दुरूपयोग किया जा रहा था। उन्होंने बताया कि रसद विभाग की यह कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

भारत को विश्वगुरु बनाने के लिए युवा आगे आएं : राज्यपाल बागड़े

अचरोल, (निसं)। अपेक्स यूनिवर्सिटी के द्वितीय दीक्षांत समारोह का आयोजन अचरोल कैंपस में हुआ, जहां प्रशासनिक भवन से दीक्षांत परेड प्रारंभ होकर दीक्षांत स्थल तक पहुंची। समारोह का प्रारंभ राष्ट्रगान के साथ हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि राज्यपाल हरिभाऊ बागडे, अध्यक्षता कर रहे युनिवर्सिटी के चेयरपर्सन डॉ. रवि जूनीवाल और विशिष्ट अतिथि आचार्य बालकृष्ण, कुलपति पतंजलि विश्वविद्यालय, हरिद्वार एवं निहालचंदए भूतपूर्व सांसद लोकसभा क्षेत्र श्री गंगानगर ने बेस्ट स्टूडेंटस को डॉ. सागरमल जूनिवाल मेमोरियल अवार्ड सहित विभिन्न संकायों में 15 टॉपर्स को गोल्ड मैडल प्रदान किए गए। आयुर्वेद, योग के क्षेत्र में नए अनुसंधान को बढ़ावा देने और स्वास्थ्य सेवाओं में योगदान देने के लिए अपने असाधारण और अविस्मरणीय योगदान के लिए आचार्य बालकृष्ण एवं सबसे कम उम्र में लोकसभा सांसद बने और पाँच बार सांसद रह चुके भूतपूर्व सांसद और केंद्रीय मंत्री निहालचंद को समाज के प्रति उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए डीण् लिटण् की मानद उपाधि प्रदान की गई।

दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि विद्या का दान सर्वश्रेष्ठ दान है। विद्या वही है जो जीवन की समस्याओं का सटीक हल खोजने में सहायता करे। मुझे प्रसन्नता है कि अपेक्स विश्वविद्यालय इसी दिशा में काम कर रहा है। आर्थिक रूप से पिछड़े छात्रों को आगे लाकर शिक्षा देने का आपका प्रयास सराहनीय है। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि भारत ने विश्व को बहुत से नवाचार और आविष्कार दिए हैं। आप इस महान परम्परा को आगे बढ़ाएं। ज्ञान का उद्देश्य केवल रोजगार प्राप्त करना नहीं है, ज्ञान आपको आगे बढाता है, आप देश को आगे ले जाएं। मैं आपको विभिन्न स्तरों पर उपाधि प्राप्त करने के लिए बहुत.बहुत बधाई देता हूं।

विशिष्ट अतिथि आचार्य बालकृष्ण ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। युनिवर्सिटी के चेयरपर्सन डॉ रवि जूनीवाल ने अपने दीक्षांत भाषण में डिग्री पाने वाले सभी प्रतिभाओं को बधाई दी। इस दीक्षांत समारोह में यूजीए पीजी एवं रिसर्च स्टूडेंट्स को डिग्रियां वितरित की गई।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, शनिवार 26 अक्टूबर, 2024

महाराष्ट्र चुनाव में हरियाणा के चुनाव नतीजों का असर नहीं होगा

क्योंकि हरियाणा में भाजपा का मुकाबला सीधे कांग्रेस से था, पर, महाराष्ट्र में कांग्रेस, गठबंधन की जूनियर पार्टनर मात्र है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर। दो सौ अठयासी सीटों वाले महाराष्ट्र तथा 81 सीटों वाले आदिवासी बहुल झारखंड के विधानसभा चुनाव ऐसे समय पर हो रहे हैं, जब हरियाणा के चौंका देने वाले परिणामों ने इन दोनों राज्यों के चुनावों को और भी ज्यादा दिलचस्प बना दिया है। महाराष्ट्र में विरोधाभास साफ जाहिर हैं। एक तरफ तो भाजपा, एकनाथ शिंदे सरकार, जो भ्रष्टाचार, सत्ता के दुरुपयोग तथा लोक-लुभावन योजनाओं के नाम पर राजकोष को खाली कर देने के आरोपों से जूझ रही है, को समर्थन दे रही है। वहीं बिडम्बना यह है कि झारखंड में भाजपा सत्ता में आने के लिये जे.एम.एम. सरकार पर यही आरोप लगा रही है।

- **महाराष्ट्र में भाजपा के पास शरद पवार व उद्धव ठाकरे जैसा करिश्माई नेता भी नहीं है। हालांकि भाजपा ने शरद पवार को कमज़ोर करने के लिए अजित पवार का और उद्धव ठाकरे को कमज़ोर करने के लिए एकनाथ शिंदे का प्रयोग किया, पर, उसे सफलता नहीं मिली।**
- **जबकि, हरियाणा में भाजपा का सामना धरातल पर बिखरी हुई व गुटबाजी से त्रस्त कांग्रेस से था, यही वजह रही कि कांटे की टक्कर में भाजपा ने जीत हासिल कर ली।**

हरियाणा में, भाजपा ने काँटे की टक्कर के तहत बिखरी हुई कांग्रेस को मात दे दी थी। उसका आंशिक कारण तो यह रहा कि कांग्रेस, भाजपा से कुल 22,000 वोटों के अन्तर से 9 सीटें हार गई, जिसमें इंडियन नैशनल लोक दल (आई.एन.एल.डी.) से हारी सीट भी शामिल हैं। लेकिन महाराष्ट्र एवं झारखंड की चुनावी स्थितियाँ पूरी तरह भिन्न हैं। दोनों ही राज्यों में कांग्रेस, गठबंधन में जूनियर पार्टनर की भूमिका में है। महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे तथा शरद पवार एवं झारखंड में हेमन्त सोरेन की टक्कर के करिश्माई नेता भाजपा के पास नहीं है, इसीलिये भाजपा पूरी तरह से नरेन्द्र मोदी की छवि और अमित शाह की राजनैतिक चतुराई पर भरोसा करने के लिए मजबूर है।

महायुति गठबंधन में अजित पवार सबसे कमज़ोर कड़ी माने जाते हैं। अभी हाल ही तक, वे अपने चाचा शरद पवार के गुट में लौटने के लिये, उनसे समझौता वार्ता करने की कोशिश कर रहे थे। जब वे एन.सी.पी. को तोड़कर, भाजपा के पक्ष में गये थे, उस समय ई.डी. 80,000 करोड़ रूपए के सिंचाई घोटाले में उनके खिलाफ जाँच करने वाला था। लेकिन उनकी सारी परेशानियाँ भाजपा में शामिल होने के बाद समाप्त हो गईं। दरअसल, अजित पवार का प्रभाव कुछ सीमित क्षेत्रों में ही है, जबकि शरद पवार का जनाधार व्यापक और मजबूत है। पिछले लोकसभा चुनावों में, अजित पवार जैसे-तैसे एक सीट जीत पाये थे तथा उनकी पत्नी सुनेत्रा पवार, शरद पवार की पुत्री सुप्रिया सुले से बारामती सीट पर बुरी तरह हार गई थीं।

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिव सेना लोकसभा चुनाव में 7 सीटें तथा भाजपा मात्र 9 सीटें जीत पाई थी। शिंदे गुट, लोकसभा चुनाव परिणाम के आधार पर, अब सीटों के आनुपातिक आवंटन पर जोर दे रहा है। लेकिन चुनावों की घोषणा होते ही, भाजपा ने 99 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतार दिये हैं तथा शिंदे और पवार गुट को दरकिनार कर दिया है। बताया जाता है कि भाजपा ने दिल्ली में शिंदे को यह स्पष्ट कर दिया था कि भाजपा ज्यादा सीटें प्राप्त करने की अपेक्षा रखती है क्योंकि भाजपा ने उन्हें मुख्यमंत्री बनाकर तथा देवेन्द्र फड़नवीस उनका अधीनस्थ उप मुख्यमंत्री बनाकर, एक बड़ी कुर्बानी दी है। भाजपा यह दलील देती है कि लोकसभा चुनावों में शिंदे गुट को ज्यादातर वोट उत्तर भारत के प्रवासियों से मिले थे, जो परम्परागत रूप से मुम्बई तथा अन्य क्षेत्रों में भाजपा का मजबूत जनाधार हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एडिशनल एस.पी. ने 34 लाख में राजीनामा कराया- डी.जी. जाँच करें

जयपुर, 25 अक्टूबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने सवाई माधोपुर के गंगापुर थाने में दर्ज मामले में बिना जांच अधिकारी होते हुए, तत्कालीन स्थानीय एडिशनल एस.पी. की ओर से 34 लाख रुपए में पक्षकारों के बीच राजीनामा कराने के मामले में डी.जी.पी. को जांच के आदेश दिए हैं। अदालत ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारी की ओर से वर्दी में नोटों के साथ बैठकर पक्षकारों में राजीनामा कराने को गंभीर माना है। अदालत ने कहा कि पुलिस अधिकारी

- **हाई कोर्ट ने कहा, एडिशनल एस.पी. जाँच अधिकारी नहीं थे, पर वर्दी में नोटों के साथ पक्षकारों के साथ बैठकर समझौता कराया, यह गंभीर मामला है।**

का मध्यस्थता कराना व्यक्तिगत कर्तव्य नहीं माना जा सकता। ऐसे में डी.जी.पी. से यह अपेक्षा की जाती है कि वे मामले की पुन: जांच कराएं अन्यथा पूर्व में तैयार की गई जांच रिपोर्ट के आधार पर उसे एडिशनल एस.पी. की सेवा पुस्तिका में लगाया जाए। इसके साथ ही, अदालत ने मामले के आरोपी पवन कुमार को जमानत पर रिहा करने को कहा है। जस्टिस उमाशंकर व्यास ने यह

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राजस्व अधिकारी-अधिशाषी अधिकारी परीक्षा निरस्त

आर.पी.एस.सी. ने हाईटैक डिवाइस से नकल की पुष्टी होने पर यह निर्णय लिया

- **अतिरिक्त महानिदेशक एस.ओ.जी. ने 28 अगस्त की रिपोर्ट में आयोग को बताया कि परीक्षा की गोपनीयता के संबंध में गंभीर तथ्य सामने आये हैं।**
- **समस्त आवेदित अभ्यर्थियों की पुनः परीक्षा 23 मार्च 2021 को होगी।**

अजमेर, 25 अक्टूबर (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा परीक्षा के आयोजन के दौरान गोपनीयता भंग होने की जानकारी के बाद, राजस्व अधिकारी ग्रेड- द्वितीय एवं अधिशाषी अधिकारी वर्ग-चतुर्थ स्वायत्त शासन विभाग प्रतियोगी परीक्षा 2022 (14 मई 2023) को निरस्त कर दिया गया है। परीक्षा के बारे में प्राप्त शिकायतों के संबंध में आयोग ने 12 जून 2024 को शिकायतों की जांच के लिए ए.टी.एस. एवं एस.ओ. जी. को लिखा था। आयोग अब समस्त आवेदित अभ्यर्थियों के लिए 23 मार्च 2025 को पुन: परीक्षा का आयोजन करेगा।

आयोग सचिव के अनुसार, आयोग ने पाया कि परीक्षा आयोजन के दौरान ही कतिपय परीक्षा केन्द्रों पर वांछित शुचिता का पूर्ण अभाव रहा है। कई अभ्यर्थियों द्वारा ब्लूटूथ से नकल करने के संबंध में दर्ज तीन प्राथमिक रिपोर्ट, उनके अनुसंधान उपरान्त, अपराध प्रमाणित पाये जाने पर स्पष्ट हुआ है कि राजस्व अधिकारी ग्रेड-द्वितीय एवं अधिशाषी अधिकारी वर्ग-चतुर्थ (स्वायत्त शासन विभाग) परीक्षा, 2022 (परीक्षा 14 मई 2023) की गोपनीयता खंडित हुई है। इसीलिए आयोग ने राजस्व अधिकारी ग्रेड-द्वितीय एवं अधिशाषी अधिकारी वर्ग-चतुर्थ (स्वायत्त शासन विभाग) प्रतियोगी परीक्षा, 2022 को निरस्त कर समस्त आवेदित अभ्यर्थियों की पुन: परीक्षा आयोजित किये जाने का निर्णय लिया है।

आयोग द्वारा 14 मई 2023 को 111 पदों के लिए आयोजित राजस्व अधिकारी ग्रेड-द्वितीय एवं अधिशाषी अधिकारी वर्ग-चतुर्थ स्वायत शासन विभाग प्रतियोगी परीक्षा-2022 में 1,96,483 अभ्यर्थी सम्मिलित हुए थे। दस्तावेज सत्यापन के उद्देश्य से जारी सूची में कुल 311 अभ्यर्थी सम्मिलित थे।

दस्तावेज सत्यापन में सम्मिलित अभ्यर्थियों के संदिग्ध प्रतीत होने पर आयोग ने भी 02 अगस्त 2024 से दिनांक 08 अगस्त 2024 तक अनेक अभ्यर्थियों के दस्तावेजों की पुन: जांच कर पूछताछ नोट तैयार किया और 14 अगस्त 2024 को अतिरिक्त महानिदेशक, ए.टी.एस. एवं एस.ओ.जी. को अग्रिम अनुसंधान करने के लिए लिखा था। इस क्रम में अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस, ए.टी.एस. एवं एस.ओ.जी., राजस्थान, जयपुर ने 28 अगस्त 2024 को आयोग को अवगत कराया है कि उक्त परीक्षा आयोजन तिथि के दौरान परीक्षा की गोपनीयता के सम्बन्ध में गंभीर तथ्य सामने आये हैं। नकल के इसी प्रकरण में 24 अक्टूबर 2024 को अतिरिक्त एस.ओ.जी., जयपुर ने भी एस.ओ.जी. थाना जयपुर में 19 अक्टूबर 2024 को एफ.आई.आर. संख्या 66/2024 दर्ज की गई है एवं अनेक अभियुक्तों की गिरफ्तारी हुई है।

क्या सिद्दीकी की हत्या के लिए हथियार पाकिस्तान से आए थे?

मुम्बई पुलिस को शक है कि हथियार ड्रोन के जरिए भेजे गए थे

मुंबई, 25 अक्टूबर। महाराष्ट्र के राजनेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के दौरान हत्यारों के पास पांच अलग-अलग तरह की पिस्तौलें थीं। मुंबई क्राइम ब्रांच को मामले में गिरफ्तार आरोपी राम कनौजिया के घर से एक पिस्तौल मिली है। मुंबई पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी है। मुंबई पुलिस ने संदेह जताया है कि ये पिस्तौलें पाकिस्तान से आई हैं। पुलिस को शक है कि ये ड्रोन के जरिए भेजी गई हैं। इन हथियारों की तस्वीरें राजस्थान पुलिस को भी भेजी गई हैं।

पुलिस के मुताबिक, पिस्टल रायगढ़ जिले के प्लसपे नाम की जगह से बरामद की गई है, जहां पर आरोपी राम कनौजिया का किराए का घर है। पुलिस को इस मामले में अब कुल 4 पिस्टल मिल चुकी हैं। मुंबई क्राइम ब्रांच को जांच के दौरान पता चला कि हत्यारों के पास कुल 5 अलग-अलग तरह की पिस्टल थी।

- **मुम्बई पुलिस के सूत्रों ने बताया कि हथियारों की तस्वीरें राजस्थान पुलिस को भी भेजी गई हैं।**
- **मुम्बई क्राइम ब्रांच को जाँच के दौरान पता चला कि हत्यारों के पास 5 अलग-अलग तरह की पिस्तौलें हैं। पुलिस चार पिस्तौलें बरामद कर चुकी है।**

पुलिस सूत्रों के अनुसार, शूटर्स के मोबाइल को जब खंगाला गया तो उनमें पिस्तौलों की तस्वीरें मिली थीं। पूछताछ के बाद क्राइम ब्रांच अन्य पिस्तौल ढूंढ ने में लग गई। मुंबई क्राइम ब्रांच को ऑस्ट्रेलिया मेड ब्रेटा पिस्तौल की तलाश है।

पुलिस के अनुसार, हरियाणा के रहने वाले गुरमेल बलजीत सिंह और उत्तर प्रदेश के निवासी धर्मराज कश्यप के साथ आरोपी शिवकुमार गौतम ने बाबा सिद्दीकी पर गोली चलाई थी, जबकि पुणे के प्रवीण लोनकर के भाई शुभम का संबंध कथित तौर पर जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के गिरोह से है। उसने और अन्य आरोपियों ने हमले को अंजाम देने की साजिश रची थी और शूटरों को हथियारों की सप्लाई की थी।

हत्या से पहले सिद्दीकी की सुरक्षा में मौजूद पुलिस अधिकारी पर मिर्च पाउडर फेंका गया था। वहीं, पुलिस के अनुसार, पुणे के एक स्क्रैप डीलर हरीश कुमार निसाद ने हत्या के लिए वित्तीय मदद दी थी। मुख्य शूटर शिवकुमार गौतम के साथ ही मुख्य आरोपी शुभम लोनकर और मोहम्मद जीशान अख्तर फिलहाल फरार हैं।

पुलिस सूत्रों बताया कि मुख्य आरोपी जीशान अख्तर अन्य सभी आरोपियों के संपर्क में था और उसने काम पूरा होने पर उन्हें मोटी रकम और फॉरेन टूर का वादा किया था।

'विभागीय कार्यवाही लंबित होने पर विदेश यात्रा से नहीं रोक सकते'

जयपुर, 25 अक्टूबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने अपने एक फैसले में कहा है कि विभागीय कार्यवाही का लंबित होना, किसी व्यक्ति को विदेश यात्रा करने से रोकने का आधार नहीं हो सकता। भारत के संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत, व्यक्तिगत स्वतंत्रता की अभिव्यक्ति का दायरा व्यापक है, जिसमें विदेश जाने का अधिकार भी शामिल है। अदालत ने कहा कि किसी व्यक्ति को कानून द्वारा स्थापित प्रक्रिया

- **राजस्थान हाई कोर्ट ने नीरज सक्सेना की याचिका पर बेटे से मिलने सिंगापुर जाने की सशर्त अनुमति दी।**

के अनुसार ही विदेश जाने से वंचित किया जा सकता है। विदेश जाने की स्वतंत्रता का सामाजिक महत्व है, यह महत्वपूर्ण बुनियादी मानव अधिकार का प्रतिनिधित्व करता है। इसके साथ ही अदालत ने याचिकाकर्ता को 30 अक्टूबर से 4 नवंबर तक उसके बेटे से मिलने के लिए सिंगापुर जाने की सशर्त अनुमति भी दे दी। जस्टिस अनूप कुमार ढंड ने यह आदेश नीरज सक्सैना की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'घर का जोगी जोगना आन गाँव का सिद्ध'

नोबल पुरस्कार विजेता कोरिअन लेखक की किताब कोरिया में ही प्रतिबंधित

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर। "कोरिअन हैरल्ड" की चाई जाँग हून ने सिओल से खबर दी है कि दक्षिण कोरिया की उपन्यासकार हन कांग को 2024 का साहित्य का नोबल पुरस्कार मिलने के बाद देश भर में उल्लास का माहौल है, किन्तु, इस सबके बीच कांग की एक किताब को लेकर भारी वाद विवाद छिड़ गया है, जिसे "युवाओं के लिए हानिकारक" माना जा रहा है।

विवाद उस समय शुरू हुआ, जब यह पता चला कि, गत वर्ष ग्यौंगी प्रांत के तकरीबन 2490 एलिमैन्टरी, मिडिल व हाई स्कूलों की लाइब्रेरी से जो 2528 किताबें हटाई गई थीं, उनमें कांग की किताब "द वैजिटेरियन" भी शामिल थी। हटाई गई सभी पुस्तकों को छात्रों के लिए हानिकारक माना गया था।

इन पुस्तकों में हन कांग की किताब ही नहीं बल्कि, एक और नोबल पुरस्कार विजेता लोक होज़े सारामागो की पुस्तक "ब्लाइन्डनैस" माइकल रोइज़न की, "यू: द ओनर्स मैनुअल", जिसे जर्मनी में "साइन्स बुक ऑफ द ईयर" अवॉर्ड मिला था तथा टाइम्स एजुकेशनल सप्लिमैंट्स सीनियर इन्फॉर्मेशन ऑफ द ईयर अवॉर्ड जीतने वाली, सूजन मैरडिथ की "वॉट्स हैपनिंग टु मी" शामिल है। आखिरी दो किताबें, किशोरों के लिए सैक्स एजुकेशन तथा मानव शरीर के बारे में हैं।

- **किताब में बच्चों को आरम्भ से ही सैक्स एजुकेशन देने की बात कही गई है, जो सारे विश्व में सराही जा रही है, पर, कोरिया के परम्परावादी खेमों ने इस किताब का सख्त विरोध किया है और इस किताब को उन स्कूलों व पुस्तकालयों में प्रतिबंधित कर दिया है, जहाँ बच्चे पढ़ते हैं।**

यह कदम तब उठाया गया, जब ग्यौंगी प्रोविंशियल ऑफिस ऑफ एजुकेशन एक रूढ़िवादी एन.जी.ओ. की सलाह पर स्कूलों को पुस्तकों के बारे में मैमो भेजा। एन.जी.ओ. ने स्कूलों को सैक्स संबंधी किताबें हटाने की सलाह दी थी। तथापि, मिनिस्ट्री ऑफ कल्चर, स्पोर्ट्स एण्ड टूरिज़्म के तहत आने वाली पब्लिकेशन इण्डस्ट्री प्रमोशन एजेन्सी ऑफ कोरिया ने हटाई गई किताबों में से केवल एक किताब को युवाओं के लिए हानिकारक माना।

हान की, लिटरेचर में नोबल की ऐतिहासिक जीत के बारे में स्कूलों और घरों में मिश्रित प्रतिक्रिया हुई।

दो बेटियों की माँ, ली ने कहा, "मेरी बेटी, जो आठवीं कक्षा में है, ने कहा कि वो हान की किताब "द वैजिटेरियन" पढ़ना चाहती है, लेकिन उसके टीचर्स ने उसे "ह्यूमन एक्ट्स" नाम की दूसरी किताब पढ़ने की सलाह दी। ली ने आगे कहा, "द वैजिटेरियन" को मेरी बेटी की उम्र के बच्चों के लिए अनुपयुक्त बताया गया।

माताओं के एक लाइन कैफे में एक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सुशांत डैथ केस में रिया चक्रवर्ती को राहत

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर। सर्वोच्च न्यायालय ने इस सप्ताह के शुरु में सी.बी.आई. तथा महाराष्ट्र की उस अपील को "सारहीन" बताते हुये खारिज कर दिया, जिसमें बॉम्बे हाई कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती तथा भाई शोविक चक्रवर्ती के खिलाफ जारी किये गये "लुक आउट सर्कुलर्स" (एल.ओ.सी.) को रद्द कर दिया गया था।

रिया चक्रवर्ती, शोविक चक्रवर्ती तथा उनके पिता लेफ्टिनेन्ट कर्नल इन्द्रजीत चक्रवर्ती को "लुक आउट सर्कुलर" सी.बी.आई. द्वारा अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मृत्यु की जाँच के सिलसिले में जारी किये गये थे।

- **सुप्रीम कोर्ट ने सी.बी.आई. द्वारा अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती, उसके भाई शोविक और पिता रिटायर्ड सैन्य अधिकारी इंद्रजीत चक्रवर्ती के खिलाफ जारी "लुक आउट सर्कुलर" को रद्द कर दिया।**

एल.ओ.सी. को रद्द कर देने वाले बॉम्बे हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली सी.बी.आई. की याचिका को "सारहीन" बताते हुये, न्यायमूर्ति बी.आर. गवई तथा के.वी. विश्वनाथन की बैंच ने कहा कि जाँच एजेंसी इस शीर्ष अदालत में केवल इसलिये आई है, क्योंकि आरोपी हाई प्रोफाइल वाले लोग हैं।

इसके बाद, बैंच ने सी.बी.आई. की याचिका खारिज कर दी। सी.बी.आई. ने इनके खिलाफ एल.ओ.सी. उस समय जारी किये थे, जब राजपूत के परिवार ने पटना में एक एफ.आई.आर. दर्ज करके, राजपूत की मृत्यु की जाँच की माँग की थी।

उच्च न्यायालय ने ये एल.ओ.सी. फरवरी 2024 में रद्द कर दिये थे तथा कहा था कि सी.बी.आई., एल.ओ.सी. जारी करने के कारण नहीं बता पाई है।

विख्यात वैज्ञानिक रोहिणी गोड़बोले का निधन

नयी दिल्ली, 25 अक्टूबर। विज्ञान के क्षेत्र में महिलाओं के लिए समान अवसरों की वकालत करने वाली प्रमुख आवाज़ों में से एक भौतिक विज्ञानी रोहिणी गोडबोले का शुक्रवार को निधन हो गया। वह 72 वर्ष की थीं।

पद्म श्री से सम्मानित गोडबोले 25 वर्षों से अधिक समय तक भारतीय विज्ञान संस्थान बेंगलुरु में उच्च ऊर्जा भौतिकी केंद्र से जुड़ी रहीं। उन्होंने 2018

- **प्रधानमंत्री मोदी ने शोक जताया।**

में सेवानिवृत्ति के बाद मानद प्रोफेसर के रूप में काम किया है। पुणे में जन्मी गोडबोले एसपी कॉलेज और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आई.आई.टी.), बॉम्बे की पूर्व छात्रा थीं। बारह नवंबर 1952 को जन्मी गोडबोले ने 1979 में अमेरिका के स्टोनी ब्रूक्स विश्वविद्यालय से डॉक्टरेट किया।

प्रधानमंत्री ने गोडबोले के निधन पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर अपने शोक संदेश में कहा, रोहिणी गोडबोले जी के निधन से बहुत दु:ख हुआ। वह एक अग्रणी वैज्ञानिक और नवोन्मेषक थीं, जो विज्ञान की दुनिया में अधिक महिलाओं की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्रैस काउन्सिल ऑफ इंडिया एक्ट में और दम डालने की जरुरत है

प्रैस काउन्सिल ऑफ इंडिया की मीटिंग में सदस्यों ने सर्व सम्मति से प्रस्ताव पारित किया, पर, अध्यक्ष ने इसमें "असहमति पत्र" भी संलग्न किया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर। प्रेस काउन्सिल ऑफ इंडिया ने एक प्रस्ताव पारित किया है, जिसमें केन्द्र सरकार से पत्रकारों की सुरक्षा व संरक्षण के लिए नैशनल कानून बनाने और लागू करने का आग्रह किया है। हालांकि इसकी अध्यक्ष रंजना प्रकाश देसाई ने इस पर असंतोष जताया है। ज्ञातव्य है कि प्रेस काउन्सिल ऑफ इंडिया (पी.सी.आई.) एक वैधानिक निकाय है, जिसका गठन संसद ने किया है।

पत्रकारों की गिरफ्तारी, गैर कानूनी तरीके से बन्दी बनाने और धमकाने के खिलाफ यह प्रस्ताव पी.सी.आई. सदस्य गुरबीर सिंह ने बनाया था, जिसे 27 सितम्बर को बहुमत से स्वीकार किया गया था।

इसमें प्रेस काउन्सिल ऑफ इंडिया एक्ट को ज्यादा शक्तियां देने की मांग की गई है, ताकि यह लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ के लिए उभर रही चुनौतियों व खतरों से निपटने में सक्षम हो सके।

सिंह लिखते हैं कि अभी पी.सी.आई. सिर्फ सलाहकारी आदेश ही दे सकती है, जो बाध्यकारी नहीं होता है, इसलिए उन तत्वों पर अंकुश नहीं लगाया जा सकता है। रिपोर्ट में मांग की गई है कि पुलिस के लोगों को लोकतंत्र

- **प्रैस काउन्सिल की मीटिंग में पत्रकार गुरबीर सिंह ने कहा कि वर्तमान में राज्य सरकारें काउन्सिल के आदेश को उपदेश मात्र मानकर उपेक्षित कर देती हैं तथा आदेश की परवाह नहीं करती हैं और पत्रकारों को धमकाती हैं।**
- **प्रस्ताव में बताया गया है कि वर्ष 2023 में भारत में 5 पत्रकारों की हत्या हुई तथा 226 पत्रकारों को सरकारों, राजनेताओं ने और असामाजिक तत्वों ने निशाना बनाया।**

के चौथे स्तम्भ के प्रति संवेदनशील बनाया जाए और उनके साथ आचरण के नियम बनाए जाएं।

उदाहरण के लिए, एक पत्रकार की गिरफ्तारी से पूर्व संपादक या प्रकाशन से पुष्टि की जाए कि क्या संबंधित पत्रकार किसी विषय पर काम कर रहा था।

सिंह ने कहा कि उच्चस्तर से लेकर निम्नस्तर के कॉंस्टेबल तक, सभी के लिए गंभीर ट्रेनिंग कार्यक्रम चलाया जाए और उन्हें पत्रकारों के साथ सम्मान से व्यवहार करना सिखाया जाए।

रिपोर्ट कहती है कि वर्ष 2023 में देश भर में पत्रकारों की हत्या हुई हैं तथा 226 को राज्य सरकारों ने या असामाजिक तत्वों ने निशाना बनाया है।

सिंह ने कहा कि प्राइवेट सर्वे के अनुसार भारतीय समाचार संघ गंभीर दबाव में काम कर रहे हैं। प्रैस फ्रीडम की जहां तक बात है, वर्ल्ड प्रैस फ्रीडम इन्डैक्स, 2024 में भारत का स्थान 180 देशों में 159 वां है।

प्रस्ताव में पत्रकारों से जुड़े कई मामलों का जिक्र है, जिनमें समाचार पोर्टल न्यूजक्लिक पर दिल्ली पुलिस की रेड भी शामिल है। दिल्ली पुलिस ने 3 अक्टूबर 2023 को न्यूजक्लिक के 86 पत्रकारों पर रेड की थी। न्यूज क्लिक पोर्टल के संस्थापक संपादक प्रबीर पुरकायस्थ और इसके मानव संसाधन चीफ अमित चक्रवर्ती को गिरफ्तार किया गया था।

दिल्ली के दंगों को कवर कर रहे कारवां मैगज़ीन के पत्रकार पर दंगे भड़काने का आरोप लगाया गया था।

इस रिपोर्ट पर पी.सी.आई.

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ARBiT it happens here...

Baku Jazz Festival Thu, Oct 17th, 2024 - Sun, Oct 27th, 2024

The *Baku Jazz Festival* is an annual celebration that fills the streets of Azerbaijan's capital with vibrant sounds and rhythms. It attracts jazz enthusiasts from around the world with a diverse lineup of both renowned and emerging artists. This event showcases a unique fusion of traditional *Azerbaijani* music with contemporary jazz, offering audiences a taste of the country's rich musical heritage along with global jazz influences.

राष्ट्रदूत
SATURDAY
26 October 2024
A-B

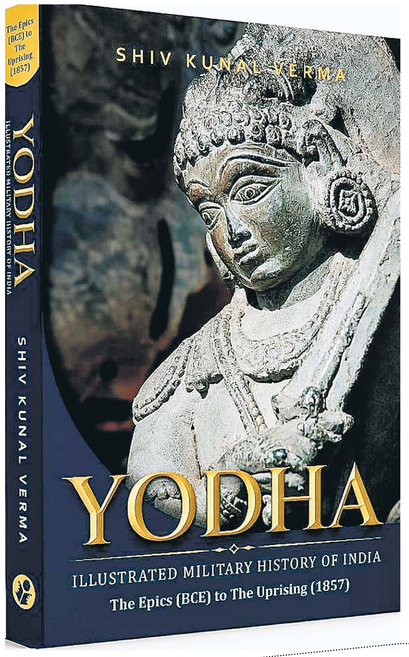

BRINGING INDIA'S RICH MILITARY HISTORY ALIVE

The effort to put these two volumes together must have been humongous. The first volume starts with the *Ramayan* and *Mahabharat,* which he states is "relevant to our times." The first recorded history then takes us to the time of Emperor Bimbisara, who is credited with having the first imperial control of the sub-continent. This is when both Buddhist and Jain scholars began to chronicle and document events. While Chandragupta Maurya created the first pan-Indian Empire with the aid of his mentor, and later, Minister Kautilya. Kunal goes on to state that "Kautilya won his wars by other means and tactic as he realised that a battle with Magdh would require much more than a large Army."

Samrat Chandragupta Maurya.

Maharaja Ranjit Singh.

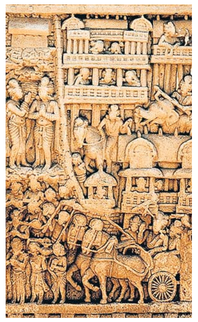

Emperor Bimbisara.

Sher Shah Suri.

Maharaja Gulab Singh of Jammu and Kashmir.

Maj Gen Jagatbir Singh, VSM (RETD)

Shiv Kunal Verma can clearly be called one of India's finest military historians. His latest offering, '*Yodha: Illustrated Military History of India*' is the first volume, which covers from the epics (BCE) to the Uprising of 1857. A single word to describe this latest magnum opus from an individual, who has single-handedly made it his life's mission to keep Military History alive in this country, is 'brilliant!' Kunal's earlier books, the most notable being the three-volume *Northeast Trilogy*, the books on the *Assam Rifles*, The *Long Road to Siachen*, *1962: The War that Wasn't*, and *1965: A Western Sunrise* together add up to an impressive body of work.

Considered amongst the most definitive works today, and combined with the various films that he has made, he has undoubtedly carved a niche for himself. The films he has made for the Air Force, Navy, Army (including on the Kargil War), and Assam Rifles, and about institutions like NDA (*Standard Bearers*) and IMA (*Making of a Warrior*) have given him a deep understanding of the Armed Forces. Most of this is documented in his autobiography, *Industani*. *Yodha* is the culmination of all this work.

Military history helps identify the myriad events down the centuries, which have shaped both our Armed Forces and the nation. For various reasons, Military History, as a subject in the Indian subcontinent, has not been given its due importance outside the preserve of the Armed Forces. This is now beginning to change with authors such as Kunal reaching out to a larger and wider audiences with his insights. However, India's military history is both vast and panoramic and has contributed immensely to India's rise as a 'formidable global player.'

Religious and zonal affiliations have created a tunnel vision that, even seventy-seven years after Independence, shrinks perspectives 'to narrow domestic walls.' 'Fortress India,' as author Shiv Kunal Verma likes to call it, can only be one cohesive entity if the people bounded within by geography begin to understand it as one. He states, "Only when we can see the larger geographical picture each and every time in our mind's eye will we be able to relate to the way life has played out through the generations before us."

About the Book

Together, the two *volumes of Yodha* are a major step in that direction. Collectively, they have close to 1800 images, making it visual treat. The illustrations and photographs are indeed outstanding.

The effort to put these two volumes together must have been humongous. The first volume starts with the *Ramayan* and *Mahabharat*, which he states is "relevant to our times." The first recorded history then takes us to the time of Emperor Bimbisara, who is credited with having the first imperial control of the sub-continent. This is when both Buddhist and Jain scholars began to chronicle and document events. While Chandragupta Maurya created the first pan-Indian Empire with the aid of his mentor, and later, Minister Kautilya. Kunal goes on to state that "Kautilya won his wars by other means and tactic as he realised that a battle with Magdh would require much more than a large Army."

Commenting on the genesis of Yodha, Verma says, "While photographing some of the old *Hoysala* temples in Karnataka, I realised that there were a lot of war scenes that existed, but these were overshadowed by the more spectacular carvings of gods and goddesses. Buddhist *stupas* went as far back as recorded history, and temples in Kanchipuram and Tanjore gave us a glimpse of the Pallavas, Cholas and Pandyas who, between themselves, ruled the Deep South for centuries." Piece by piece, the search began to find visual content. He then painstakingly contacted museums, private collections, and institutions, and slowly, the entire canvas began to emerge. The focus during this period remained on the South, as the Vijaynagar Empire had left behind ruins that continue to tell the story of Ancient India. Unfortunately, the early Northern kingdoms in the post-Chandragupta period left behind little tangible physical evidence that could be drawn upon. Apart from the images, the text and captions are extremely well-researched and the narrative takes us through the various stages of the subcontinent's history in a seamless manner.

The initial inward migration was across the Naga-Patkai, when the Ahoms entered and settled in Assam, after which the pendulum swung to the West, where the first bastion to fall to Islamic raiders was Sindh, after which Turks, Arabs and Mongols started eying the fabled riches of the Golden Bird. The Slave Dynasty, or the Delhi Sultanate, as it was also known, then established itself, while subsequently, the breakaway Gujarat, Bengal and Bahmani Sultanates also became major players. By 1498, the first Portuguese ships had arrived off Calicut and 'discovered India' centuries after Chola and other ships from the subcontinent had been negotiating the open high seas and trading with distant lands. In 1985, while shooting the maritime history of the Indian Ocean for the Navy, Kunal visited Lisbon, where the Portuguese Navy presented him with paintings of St. Raphael and St. Gabriel, both of whom find a place in the book.

What comes through almost immediately is the sheer ruthlessness of the Portuguese, who, like the Islamic invaders before them, relied on spreading terror through mass murders. Babur's short tenure is followed by Humayun's reign, interrupted by Sher Shah Suri and his son's rule. Akbar, then, stabilised the Mughal Empire, which then became the dominating power. Running parallel with the Mughal Dynasty, the book documents the arrival of the Dutch, the British and the French. The Mughals brought in 'gun powder' and a new style of combat 'focussed on artillery and muskets.' This contributed to 'the change in battlefield tactics and evolution of military strategy.' Aurangzeb's initial military genius saw him literally eliminate his brothers. However, this period also coincided with the rise of the Nawabs of Carnatic, the Marathas under Shivaji and the Mysore State. Towards the North, Guru Gobind Singh was forming the *Khalsa Panth* to fight the Mughals, while in the East, Lachit Bhorphukan's *Ahoms* defeated Aurangzeb's right-hand man, Mir Jumla, on the Brahmaputra River. The dynamics of the power struggle between the French and the British intensified, who, after defeating the Bengal and Awadh Armies, gradually established themselves as the masters of the Gangetic belt and Central India.

The defeat of Tipu and the subsequent vanquishing of the Marathas then virtually gave them control of all lands South of the Sutlej. This period also saw the rise of Maharaja Ranjit Singh and the Sikh Empire. Kunal states that the monarchy was well-known for both its secularism and wealth. It was a significant era in South Asian history and the Sikh Empires' golden age. British expansion, all this while, continued apace, as they first neutralised the Gorkhas and then the Sikhs, whose formidable Army was defeated by the British due to lack of unity within and overwhelming superiority of the British. The emergence of the Dogras under Maharaja Gulab Singh, a man of vision and a great strategist, and the subsequent conquest of Ladakh by General Zorawar Singh make for excellent reading.

In 1803, the *Vellore Mutiny* by the *Madras Native Army* was the 'first instance of a large scale and violent mutiny by Indian Sepoys' and underlined the fact that the British were sitting on a keg of gunpowder, waiting to be ignited by a spark of nationalism. Four and a half decades later, the Bengal Native Army did exactly that.

The annexation of Sindh in 1843 was a result of British imperialism. It was criticised even by Englishmen and the author quotes Arthur Innes, who stated in his book, *A History of England and the British Empire* that if the Afghan episode is the most disastrous in our Indian annals, that of Sindh is morally less excusable.

Shiv Kunal Verma describes the events of 1857 as an 'uprising.' Volume 1 ends there, having set the ground for more contemporary events that followed after the British Crown took over from the East India Company. What stands out is the brutality of the British in dealing with those who had risen against them, which include 'tying Indian Sepoys to canons and blowing them to pieces in front of crowds, who were forced to watch this spectacle.'

Conclusion

Having gone through the first volume, the reader now awaits the second book, which is yet to be released, which covers the events from 1857 up to the Kargil War. As per the former Army Chief General VK Singh, "Time and Space simply come together in the telling of history in this spectacular manner." The truth is that most people tend to look at any battle or period of history in a piecemeal manner and the picture that emerges is quite different from the one that we see in case we view the same events against the larger framework. Undoubtedly, this book has covered the vast canvas of events and has opened a 'window into the subcontinent's military history.'

Historians often quote two sayings. The first is, "If you do not learn from history, you are doomed to repeat your mistakes." The second is perhaps more pragmatic, "We know from history, no one learns from history." However, Military History, as one learns from this book, has had a significant impact in the world we inhabit.

There is no doubt that this monumental work and definitive work, painstakingly put together by the author, has set a benchmark in understanding our rich, vast and complex military history. This book deserves to be read not only by academicians and those in uniform, but by all segments of society across the country.

rajeshsharma1049@gmail.com

#YODHA

French and British Ships at War.

> Military history helps identify the myriad events down the centuries, which have shaped both our Armed Forces and the nation. For various reasons, Military History, as a subject in the Indian subcontinent, has not been given its due importance outside the preserve of the Armed Forces.

> The annexation of Sindh in 1843 was a result of British imperialism. It was criticised even by Englishmen and the author quotes Arthur Innes, who stated in his book, *A History of England and the British Empire* that if the Afghan episode is the most disastrous in our Indian annals, that of Sindh is morally less excusable.

Lachit Borphukan.

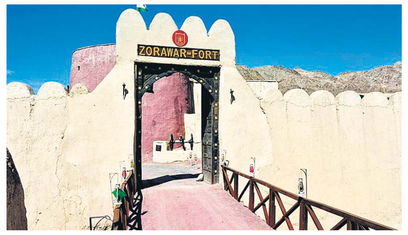

Zorawar Fort.

#DIWALI MELA

Tradition Meets Empowerment

This Diwali fair brings together the rich heritage of Rajasthan through handcrafted creations by rural women. Organized by Rajeevika, the event celebrates tradition while offering these artisans a platform to build sustainable livelihoods.

ACS, Sreya Guha, at the Diwali Mela.

Tusharika Singh
Freelancer Writer and City Blogger

A vibrant celebration of craft and culture is being unfolded at the Deepawali Fair, organized under the *Rajasthan Grameen Aajeevika Vikas Parishad* (Rajeevika). Being held at the Indira Gandhi Panchayati Raj Institute, situated on JLN Marg, this fair is more than a run-of-the-mill festive marketplace. It showcases the spirit of Rajasthan's rural women, who have transformed their lives through self-help groups (SHGs), turning traditional skills into sustainable livelihoods.

Rural Resilience

What sets this fair apart is the sense of pride radiating from the women behind the stalls. These are not just sellers, they are artisans, entrepreneurs, and community leaders. The fair provides them with an essential platform to not only sell their products but also showcase their skills and engage directly with a wider audience. The handmade goods at each stall reflect the hard work and dedication that have gone into creating them, and the women are eager to share their stories and crafts with visitors.

Handcrafted Heritage

Strolling through the venue, it is impossible to miss the vibrant displays of handloom textiles, intricately woven handicrafts, and an array of homemade delicacies. Each item reflects not just the culture of Rajasthan's districts, but the personal journeys of the women who created them. These women have been empowered through Rajeevika's initiatives, trained and supported to turn their artisanal skills into a source of livelihood. For many, this fair represents an opportunity to display their work on a larger platform, directly engaging with customers and earning fair prices for their efforts. Rajeevika's Mission *Panch Ratna*, the ambitious project behind many of these success stories, is a key highlight of the initiative. It aims to transform the lives of rural women by turning them into '*Lakhpati Didis*,' women who earn over one lakh rupees annually. This transformative effort provides not just income but a pathway to financial independence and a better quality of life for these women. The range of products on offer at the fair is as diverse as Rajasthan itself. There's the unmistakable blue of traditional pottery from Jaipur, the soft and airy *Kota Doria saris*, and the vibrant colours of *lac bangles*, all representing the unique cultures of Rajasthan's districts. Alongside these, food products like pickles, *mangodi*, *papad*, and millet-based creations offer a taste of rural Rajasthan, each bite steeped in tradition. One corner of the fair is alive with the sizzling sounds and enticing aromas of the food zone, serving up *Rajasthani* delicacies that are hard to resist. This is where shoppers take a pause, refueling with authentic fare from the state.

During her visit to inaugurate the fair

Additional Chief Secretary, Rural Development, Government of Rajasthan, Sreya Guha, took time to appreciate the work on display, engaging with the women at their stalls and learning about the techniques and traditions behind each product. Her interactions underscored the significance of the fair as a platform that not only promotes local crafts but also empowers the women who create them. It is through fairs like this that the traditional knowledge and skills of Rajasthan's rural women gain recognition, ensuring that their crafts continue to thrive in modern markets. As the fair continues, running until October 27, it offers an ongoing celebration of Rajasthan's cultural wealth and a reminder of the strength and resilience of the women, who drive its rural economy forward.

ACS, Rural Development, Sreya Guha, at the Diwali Mela.

Alexander vs Porus.

THE WALL

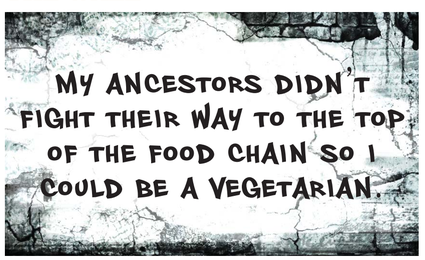

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

राजस्थान हाईकोर्ट ने 27 सप्ताह के भ्रूण के गर्भपात की अनुमति देने से इंकार किया

अदालत ने पीड़िता की उम्र का पुनः परीक्षण कराने के आदेश दिये हैं

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने 27 सप्ताह तीन दिन के भ्रूण के गर्भपात की अनुमति देने से इनकार कर दिया है। इसके साथ ही अदालत ने बाल कल्याण समिति की ओर से पीड़िता की उम्र का पुनः परीक्षण कराने के आदेश को रिकॉर्ड पर लिया है। जस्टिस अवनीश झिंगन ने यह आदेश पीड़ित पक्ष की याचिका का निस्तारण करते हुए दिए।

अदालत ने कहा कि सामाजिक व मनोवैज्ञानित दबाव के कारण पीड़िता की जान का जोखिम नहीं उठाया जा सकता। अदालत ने कहा कि पीड़िता को बालिका गृह में रखा जाए और होने वाले नवजात को अस्पताल में सुरक्षित रखा जाए। वहीं अदालत ने पीड़ित पक्ष नवजात को गोद देने के लिए एनओसी देने को कहा है। मामले में नवजात के डीएनए के दो नमूने लेकर पुलिस को सौंपे जाएंगे और पीड़िता को राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से आर्थिक सहायता दी जाएगी।

- मामले में नवजात के डीएनए के दो नमूने लेकर पुलिस को सौंपे जाएंगे और पीड़िता को राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से आर्थिक सहायता दी जाएगी

याचिका में अधिवक्ता संगीता शर्मा ने बताया कि पीडिता दुष्कर्म के कारण गर्भवती हो गई है। यदि उसने संतान को जन्म दिया तो उसकी सामाजिक और मानसिक स्थिति खराब होगी। ऐसे में उसे गर्भपात की अनुमति दी जाए। वहीं राज्य सरकार की ओर से एएजी विज्ञान शाह ने मेडिकल रिपोर्ट पेश कर गर्भपात से उसकी जान के जोखिम की बात कही। वहीं अदालत के सामने आया कि पीडिता की एक जांच में उम्र 12 साल आई है। जबकि एक्सरे के माध्यम से की गई दूसरी जांच में उसकी उम्र 19-20 साल बताई गई है। वहीं बाल कल्याण समिति ने कहा कि पीड़िता की उम्र का पुनः परीक्षण कराने का निर्णय लिया है। इस पर अदालत ने समिति के निर्णय को रिकॉर्ड पर लेते हुए गर्भपात की अनुमति देने इनकार कर दिया है।

पावणा मिष्ठान भंडार में बेची जा रही पुरानी मिठाईयां नष्ट कराई

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर प्रदेशभर में चलाए जा रहे मिलावट के खिलाफ अभियान के तहत शुक्रवार को खाद्य सुरक्षा आयुक्त इकबाल खान के निर्देशन में टीमों ने जयपुर में विभिन्न स्थानों पर कार्रवाई की।

अतिरिक्त आयुक्त पंकज ओझा ने बताया कि गोपालपुरा बाईपास पर पावणा मिष्ठान भंडार पर निरीक्षण के दौरान पुरानी मिठाई मिली, जिसको नष्ट कराया गया। साथ ही, यहां जमीन पर खाद्य सामग्री बनाने और गंदगी जैसी अनेक अनियमितताएं मिलीं। केक वर्ल्ड, गोपालपुरा बाईपास पर एक्सपायरी डेट के ढेर सारे रंग पाए गए। यहां गंदी ट्रे में खाद्य सामग्री तैयार की जा रही थी। साथ ही, मरे हुए चूहे की बदबू आ रही थी। खुले में सामग्री रखी हुई थी।

- स्वास्थ्य टीम ने महेश नगर स्थित ब्रज वाटिका स्वीट्स पर 150 किलो खराब मिठाई नष्ट करवाई और दुकान मालिक को नोटिस थमाया

इसी तरह महिन्द्रा सेज इलाके में महापुरा रोड पर जयपुर कोल्ड स्टोरेज में तैयार बर्फ केक वर्ल्ड पर मिली, जिस पर 1 नवंबर, 2024 की मैन्यूफैक्चरिंग डेट लिखी हुई थी। इस फैक्ट्री को पूर्व में भी विभाग के द्वारा बंद करवाया गया था। जयपुर कोल्ड स्टोरेज द्वारा बर्फ का निर्माण कर पूरे जयपुर में बिना बिल और बिना चालान के सप्लाई किए जाने की जानकारी मिली है। केक वर्ल्ड के मालिक ने बताया कि फैक्ट्री संचालक बिल नहीं देता है, इसलिए उनके पास बिल की कॉपी उपलब्ध नहीं है। चालान की प्रति मांगे जाने पर वह भी नहीं पाई गई। जीएसटी सहित अन्य टैक्स की चोरी का भी मामला प्रतीत होता है, संबंधित विभागों को सूचित किया जा रहा है। कार्रवाई में खाद्य सुरक्षा अधिकारी दीपक सिंधी, नंद किशोर एवं राजेश नागर आदि शामिल रहे।

इसी प्रकार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर प्रथम की टीम द्वारा महेश नगर में ब्रज वाटिका स्वीट्स पर निरीक्षण कर लगभग 150 किलो खराब मिठाई नष्ट करवाई गई और सैंपल लेकर नोटिस दिया गया। ओम मिष्ठान भंडार, महेश नगर में भी निरीक्षण कर सैम्पल लिया गया और इम्प्रूवमेंट नोटिस दिया गया। महेश नगर में ही दादू दयाल मिष्ठान भंडार पर भी निरीक्षण कर इंप्रूवमेंट नोटिस जारी किया गया। सभी खाद्य विक्रेताओं को साफ सफाई रखने के निर्देश दिए गए हैं।

स्वास्थ्य विभाग की टीम ने केक वर्ल्ड गोपालपुरा बाईपास पर एक्सपायरी डेट के रंग जब्त किये।

डिश टीवी के लकी ड्रॉ विजेता घोषित

जयपुर। भारत की प्रमुख कंटेंट वितरण कंपनी, डिश टीवी ने अपने खास 'डिश की दिवाली' अभियान के पहले साप्ताहिक लकी ड्रॉ विजेता की घोषणा कर दी है। डिश टीवी इंडिया लिमिटेड के नॉर्थ जोनल बिजनेस हैड अमित भसीन ने बताया कि इस अभियान के जरिए एक करोड़ से अधिक परिवारों को दिवाली का जश्न मनाने का एक अनोखा अवसर दिया जा रहा है। राजस्थान के मेवाड़ जिले के राजसमंद से नरेंद्र सिंह डोडिया ने इस पहले लकी ड्रॉ में टीवीएस जुपिटर स्कूटर जीतकर अपनी दिवाली को यादगार बना लिया है। यह अभियान सभी डिश टीवी, डी2एच और झिंग ग्राहकों के लिए है। इसमें नए ग्राहक आकर्षक कैशबैक और वॉचो मैक्स प्लान के तहत एक महीने की मुफ्त ओटीटी सेवा मिलेगी। साप्ताहिक और बंपर लकी ड्रॉ में भाग लेकर ग्राहक कार जैसे बड़े इनाम जीत सकते हैं।

प्रशिक्षण देंगे

जयपुर। प्रदेश में संस्थानिक एवं गैर संस्थानिक मृत्यु के कारणों का चिकित्सकीय प्रमाण-पत्र जारी करने के विषय पर शुक्रवार को स्वास्थ्य भवन में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश माथुर ने बताया कि प्रदेश में मृत्यु के कारणों के चिकित्सकीय प्रमाण पत्र के लिए सभी जिलों में प्रशिक्षण आयोजित किए जाएंगे। गैर संस्थानिक मृत्यु का भी चिकित्सकीय प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए प्रक्रिया प्रारम्भ की जाएगी।

चांदपोल सर्किल पर महर्षि वाल्मीकि की 21 फीट ऊंची प्रतिमा लगेगी

जयपुर, (का.सं.)। जयपुर के राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में शुक्रवार को नगर निगम हैरिटेज की तीसरी साधारण सभा हुई। इस दौरान सभी 13 प्रस्ताव पास किए गए। साथ ही पांच सड़कों और भवनों के नाम बदलने का भी फैसला लिया गया है।

मेयर कुसुम यादव ने बताया कि सांसद मंजू शर्मा और विधायक गोपाल शर्मा की मौजूदगी में सभी पार्षदों ने जयपुर के विकास पर एक साथ मिलजुल कर गहन मंथन किया। इस दौरान कुल 13 प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किए गए हैं। हालांकि निगम के कुछ कर्मचारियों की अभियोजन स्वीकृति को लेकर कुछ असमंजस की स्थिति थी। ऐसे में प्रस्ताव चार के भाग ब को अगली बैठक तक के लिए स्थगित कर दिया गया है।

बैठक में पांच बत्ती सर्कल से सिंहद्वार तक जाने वाले मार्ग का नाम माता लीलावती मार्ग किया गया है। इसी तरह 4 नंबर डिस्पेंसरी से एनबीसी तक जाने वाले मार्ग हसनपुर का नाम बदलकर अब हरिपुरा मार्ग किया गया है। जनाना अस्पताल का नाम बदलकर माता यशोदा अस्पताल किया गया है। चांदपोल सर्किल का नाम बदलकर महर्षि वाल्मीकि सर्कल किया गया है। इस सर्किल पर अब 21 फीट ऊंची महर्षि वाल्मीकि की प्रतिमा लगाई जाएगी। वार्ड 77 के परमानंद पार्क में स्थित भवन का नाम गुलाबचंद नावरिया भवन किया गया है।

बैठक में प्रस्ताव पढ़ने के दौरान विवाद हुआ

बैठक के दौरान प्रस्ताव पढ़ने को लेकर विवाद हुआ। वार्ड 26 के पार्षद सलमान मंसूरी ने कहा कि नगर निगम में अधिकारी मनमर्जी कर रहे हैं। एक-एक परिवार की 20-20 गाय उठा ली जाती है। अधिकारी 50 गज के मकान बनाने से भी बेवजह रोक रहे हैं। कांग्रेसी पार्षद सुनीता महावार ने कहा कि मेयर की ओएसडी (हंसा मीणा) मनमर्जी कर रही है। जो प्रस्ताव बैठक में पढ़े जा रहे है, वह प्रस्ताव पार्षदों को नहीं भेजे गए। वहीं, भाजपा विधायक गोपाल शर्मा ने कहा कि साधारण सभा में प्रस्ताव की एक लाइन में पढ़कर औपचारिकता नहीं होनी चाहिए। बैठक में प्रस्ताव को पूरी तरह डिटेल में पढ़ा जाना चाहिए।

कार्यवाहक महापौर कुसुम यादव

- हैरिटेज निगम की बोर्ड बैठक में जयपुर की पांच सड़कों व भवनों का नाम बदलने का प्रस्ताव मंजूर
- खराब रोड लाइट्स, गायों को पकड़ने और मकान निर्माण में दखलअंदाजी पर पार्षदों ने जताई नाराजगी

पार्षदों व जनता के फोन उठाएं अफसर : मंजू शर्मा

सांसद मंजू शर्मा ने कहा कि आज की तरह की सादगी से ही हर बार साधारण सभा का आयोजन होना चाहिए। पक्ष-विपक्ष को मिलकर जनता की समस्याओं पर मंथन कर समाधान निकालना चाहिए। सफाई के मामले में जयपुर पिछड़ा हुआ है। मैं चाहती हूं कि इसमें सुधार होना चाहिए। जयपुर को भी इंदौर की तरह नंबर वन बनाने के लिए काम किया जाना चाहिए। मंजू शर्मा ने कहा कि हम भी रात को 12 बजे काम के फोन उठाते है। अधिकारियों को भी पार्षदों और जनता के फोन उठाने चाहिए। अगर किसी भी ठेकेदार के खिलाफ कोई शिकायत आएगी। उसके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

इंडोनेशिया की तरह गलता मंदिर पर बने मंकी टैंपल

आदर्श नगर से पार्षद पारस जैन ने कहा कि गलताजी मंदिर में सावन के महीने में काफी संख्या में कावड़िये आते हैं। उनके लिए टेंपरेरी लॉकर की व्यवस्था नगर निगम द्वारा की जानी चाहिए। इसके साथ ही गलताजी क्षेत्र में इंडोनेशिया के बाली की तर्ज पर मंकी टेंपल बनाया जाना चाहिए।

'नई लाइटें देने के साथ पुरानी भी ठीक कराएं'

दीपावली से पहले नगर निगम हेरिटेज के प्रत्येक वार्ड में 15-15 नई लाइट लगाने के प्रस्ताव को लेकर चर्चा की गई। इस पर कांग्रेसी पार्षद नरेंद्र नागर ने कहा कि नई लाइट लगाने से कुछ नहीं होगा। जुलाई के पहले से लगी हुई लाइट अब तक ठीक से नहीं चल रही है। आम जनता शिकायतें करती है। उनकी शिकायत की सुनवाई नहीं होती है। मैंने खुद ने आम जनता की तरह से निगम में शिकायत की है। उसकी शिकायत नंबर भी मेरे पास है। आज 2 सप्ताह से ज्यादा वक्त बीत जाने के बाद भी लाइट ठीक नहीं हुई है।

भारत जीवंत संस्कृति वाला राष्ट्र : हरिभाऊ बागड़े

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा है कि भारत जीवंत संस्कृति वाला राष्ट्र है। विश्व की बौद्धिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक धरोहर का मूल यही देश रहा है। उन्होंने कहा कि भारत ने ही विश्वभर को वसुधैव कुटुम्बकम के जरिए सार्वभौमिक समानता का पाठ पढ़ाया। उन्होंने कहा कि आजादी के सौ साल पूर्ण होने का अवसर भारत के उस गौरव को पुनः प्राप्त करने से जुड़ा है। उन्होंने देश की समृद्ध ज्ञान परम्परा और अद्वितीय इतिहास से जुड़ी संस्कृति पर चिंतन-मनन कर भारत को फिर से विश्व गुरु बनाने के लिए सभी को मिलकर प्रयास किए जाने का आव्हान किया है।

- 'वसुधैव कुटुम्बकम के जरिए भारत ने विश्व को सार्वभौमिक समानता का पाठ पढ़ाया'

बागडे शुक्रवार को एक निजी होटल में जयपुर डायलॉग 2024 के वार्षिक समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत विश्व की आर्थिक और सांस्कृतिक महाशक्ति बनें। यह समय हमारी सांस्कृतिक और सभ्यतागत जड़ों की ओर लौटने से जुड़ा है। उन्होंने प्राचीन भारत के वैश्विक व्यापार के केंद्र रहने की चर्चा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आत्मनिर्भर भारत की दृष्टि इसी संदर्भ में दी है। यह प्रधानमंत्री के पंच प्रण-विकसित भारत, मानसिक उपनिवेशवाद के उन्मूलन, हमारी विरासत पर गर्व, नागरिकों की एकता और कर्तव्य से जुड़े हैं। यही हमारी सभ्यता के मूल सिद्धांतों का स्वाभाविक विस्तार है।

राज्यपाल ने शिक्षण संस्थानों में विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता बढ़ाने के लिए कार्य करने, नैतिकता के साथ राष्ट्र प्रेम से विद्यार्थियों को जोड़ने और महापुरुषों के आदर्श जीवन को अपनाते हुए उनमें राष्ट्रभक्ति के विचार भरने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि भविष्य के विकसित भारत के निर्माण के लिए सभी मिलकर कार्य करें। इससे पहले भारतीय प्रशासनिक सेवा के पूर्व अधिकारी और जयपुर डायलॉग के संस्थापक संजय दीक्षित ने जयपुर डायलॉग्स 2024 के अंतर्गत रिक्लेमिंग भारत की वृहद सोच के बारे में विस्तार से अवगत कराया।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने जयपुर डायलॉग-2024 के वार्षिक समारोह का शुभारंभ किया।

हाईकोर्ट बार और बेंच में गतिरोध, सी.जे. की शिकायत राष्ट्रपति और सी.जे.आई.को

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट बार एसोसिएशन और बेंच के बीच गतिरोध एक बार फिर खुलकर सामने आ गया है। ऐसे में हाईकोर्ट बार ने न केवल हाईकोर्ट प्रशासन की ओर से आयोजित दिवाली स्नेह मिलन समारोह का बहिष्कार किया, बल्कि सीजे एमएम श्रीवास्तव की शिकायत करते हुए राष्ट्रपति, सीजेआई और प्रधानमंत्री सहित कानून मंत्री को पत्र भेजा है।

हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रहलाद शर्मा ने बताया कि हाईकोर्ट प्रशासन ने रोस्टर प्रणाली में सुधार नहीं किया है। वहीं एक जज के समक्ष सुनवाई के लिए हजारों केस सूचीबद्ध हो रहे हैं, जबकि एक दिन में अधिकतम दो सौ मुकदमों की ही सुनवाई हो सकती है। इसके अलावा सीजे को पत्र लिखकर दिवाली को देखते हुए लंबित तीन हजार जमानतों के मामलों की सुनवाई के लिए बेंच गठित करने का निवेदन किया था, लेकिन उनका कहना है कि इस पर भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। यदि उनका ऐसा ही रवैया रहा तो हमें उनकी कोर्ट का भी बहिष्कार करना पडेगा।

- हाईकोर्ट बार एसो. ने हाईकोर्ट प्रशासन के दिवाली स्नेह मिलन समारोह का बहिष्कार किया

मामले को जानने वाले वकीलों ने बताया कि बार की ओर से अध्यक्ष प्रहलाद शर्मा ने मुख्य न्यायाधीश की अदालत में गुहार की थी कि दिवाली उत्सव को देखते हुए जमानत से संबंधित मामलों को सुनने के लिये जजों के रोस्टर में फेरबदल किया जाये और कुछ दिनों के लिये फौजदारी के मामले सुनने के लिये जजों की बैंच बढ़ाई जायें। अधिवक्ताओं का कहना है कि मुख्य न्यायाधीश ने इस पर तुरंत ही स्वीकृति नहीं दी क्योंकि सिविल मामलों की सूची भी लंबी है। हालांकि मुख्य न्यायाधीश ने रोस्टर में फेरबदल किया है और जमानती मामले सुनने के लिये विषय आधारित रोस्टर का गठन किया जिससे दिवली की छुट्टियों के पहले ज्यादा से ज्यादा जमानत से संबंधित मामले सुने जा सकें।

देवली-उनियारा में नरेश मीणा ने ठोकी ताल

जयपुर, (का.प्र.)। राजस्थान की सात विधानसभा सीटों के उपचुनाव में भाजपा ने न सिर्फ पहले उम्मीदवार घोषित किए, बल्कि तमाम बागियों को भी बिठाकर सफलता प्राप्त की। इधर पहले तो कांग्रेस ने उम्मीदवारी में देरी की, अब कांग्रेस में बगावत हो गई है और कांग्रेस के लिए संकट खड़ा कर रही है।

कांग्रेस की बगावत के साथ ही राजस्थान में एक और सीट पर अब त्रिकोणीय मुकाबला देखने को मिलेगा। देवली-उनियारा विधानसभा सीट पर बीजेपी ने पूर्व विधायक राजेन्द्र गुर्जर को टिकट दी है, तो कांग्रेस से केसी मीणा प्रत्याशी के रूप में मैदान में हैं। अब इस सीट से नरेश मीणा ने पूरी ताकत दिखाते हुए बतौर निर्दलीय प्रत्याशी शुक्रवार को पर्चा दाखिल कर दिया है।

विधानसभा उपचुनाव के लिए देवली-उनियारा विधानसभा सीट पर युवा कांग्रेस नेता रहे नरेश मीणा ने अपना नामांकन पत्र शुक्रवार को दाखिल किया। मीणा ने कांग्रेस से बगावत करते हुए निर्दलीय के रूप में नामांकन भरा है। इस दौरान बड़ी संख्या में नरेश मीणा के समर्थक भी मौजूद रहे। नामांकन दाखिल करने के बाद नरेश मीणा मीडिया के मुखातिब हुए और कांग्रेस पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि वे अपने समर्थकों से बात करने के बाद ही चुनाव मैदान में आए हैं और इस बार वे सभी दिवाली भी इसी देवली-उनियारा में मनाएंगे।

अवैध और नकली शराब बनाने वालों पर आबकारी विभाग ने शिकंजा कसा

आबकारी विभाग ने जयपुर क्षेत्र में अवैध शराब निर्माताओं के ठिकानों पर दबिश देकर भट्टियां नष्ट कीं।

जयपुर। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशन में जिला आबकारी अधिकारी कार्यालय की टीम ने अवैध एवं नकली शराब के उत्पादन, भंडारण एवं परिवहन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है।

जिला आबकारी अधिकारी, जयपुर शहर देविका तोमर ने बताया कि आबकारी विभाग द्वारा अवैध एवं नकली शराब के निर्माण, भण्डारण एवं परिवहन की रोकथाम हेतु विशेष अभियान के तहत लगातार कार्रवाई की जा रही है। पेट्रोलिंग ऑफिसर्स किशन सिंह, रामचन्द्र एवं ममता शार्दुल के नेतृत्व में जयपुर शहर के आबकारी थानों में कुल 51 अभियोग दर्ज कर 90 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया एवं 2830 पव्वे देशी एवं अंग्रेजी शराब, 101 लीटर नाजायज हथकड़ शराब, 72 बोतलें अन्य राज्यों की शराब व बीयर सहित 6 वाहनों को जप्त किया जा चुका है।

- आबकारी टीम ने 90 लोग गिरफ्तार कर 1000 लीटर वाश व 6 भट्टियां नष्ट की, अवैध शराब भी जब्त की

उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान करीब 1000 लीटर वाश एवं 6 भट्टियां भी नष्ट की गई है। अभियान के दौरान भविष्य में भी अवैध शराब निर्माण एवं परिवहन में लिप्त संदिग्ध व्यक्तियों की धरपकड़ के लिए विशेष रेड गश्त एवं नाकाबंदी की जावेगी।

दुर्ग सिंह चौहान भाजपा में शामिल

जयपुर। खींवसर विधानसभा सीट पर उपचुनाव के बीच खींवसर के नेता दुर्ग सिंह चौहान शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए। बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने दुर्ग सिंह चौहान को दुपट्टा पहनाकर भारतीय जनता पार्टी में शामिल कराया। इस दौरान प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी एवं बीजेपी नेता महेन्द्र सिंह भाटी उपस्थित रहे। दुर्ग सिंह चौहान के भाजपा में शामिल होने से खींवसर में भाजपा को मजबूती मिलेगी।

साथ ही, खींवसर के अखेसिह जोधा, मंशाराम देवासी, अंबाराम वैष्णव, पुनाराम मेघवाल, महेंद्र सिंह राजपुरोहित, तुलसीराम सैनी, भंवरराम बावरी, अभिमन्यू चौहान, महेंद्र मेघवाल, हरिराम बावरी, अलादीन खा, रिडमल सिंह जोधा, देवी सिंह राठौर, ओमप्रकाश मेघवाल, श्याम सुंदर शर्मा, नरेन्द्रसिंह राठौर, परशाराम माली, उमेदसिंह चारण, बुदाराम प्रजापत, नवीन शर्मा को भी प्रदेशाध्यक्ष ने दुपट्टा पहनाकर भारतीय जनता पार्टी में शामिल किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से दुर्ग सिंह चौहान सहित भाजपा में शामिल हुए नेताओं ने मुख्यमंत्री निवास पर शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान दुर्ग सिंह चौहान ने मुख्यमंत्री को विश्वास दिलाया कि खींवसर की जनता भारतीय जनता पार्टी के साथ है और खींवसर सीट से भारतीय जनता पार्टी भारी मतों से विजयी होगी।

प्रदेश की खनिज संपदा थीम पर आधारित होगा राइजिंग राजस्थान माइंस प्री-समिट

8 नवंबर को जयपुर में होंगे माइंस सेक्टर के निवेश प्रस्तावों के एम.ओ.यू.

जयपुर। माइंस विभाग के प्रमुख शासन सचिव टी. रविकान्त ने बताया है कि 8 नवंबर को जयपुर में आयोजित माइंस व पेट्रोलियम सेक्टर के राइजिंग राजस्थान इंवेस्टमेंट समिट का प्री-समिट राजस्थान की अर्थव्यवस्था का मुख्य प्रेरक प्रदेश की खनिज संपदा थीम पर आधारित होगा। राइजिंग राजस्थान इंवेस्टमेंट समिट में रोड शो व जिला स्तर पर आयोजित समिटों में समग्र रुप से अब तक माइनिंग सेक्टर के 50 हजार करोड़ रु. से अधिक के निवेश प्रस्ताव हस्ताक्षिरत हो चुके हैं।

उन्होंने बताया कि 8 नवंबर को आयोजित माइंस प्री समिट में माइनिंग व पेट्रोलियम सेक्टर में अधिक से अधिक निवेश प्रस्तावों के एमओयू कराने के लिए माइनिंग विभाग की फील्ड टीम को सक्रिय किया गया है।

प्रमुख सचिव माइंस टी. रविकान्त खनिज भवन में 8 नवंबर को प्रस्तावित माइंस सेक्टर प्री समिट की तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने निदेशक माइंस भगवती प्रसाद कलाल, जेएस आशु चौधरी, नोडल अधिकारी अतिरिक्त निदेशक बीएस सोढ़ा सहित प्रभारी अधिकारियों के साथ विस्तार से चर्चा की। उन्होंने विभाग के फील्ड अधिकारियों एडीएम, एडीजी, एमएसई, एसजी, एमई और एएमई अधिकारियों को स्थानीय स्तर के निवेशकों को भी खनन क्षेत्र में निवेश करने के लिए समन्वय बनाते हुए आगे लाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान खनिज संपदा की दृष्टि से समृद्ध प्रदेश है और खनिज खोज व खनन के साथ खनिज आधारित उद्योगों की स्थापना की विपुल संभावनाएं हैं। खनिज क्षेत्र में निवेश से रोजगार, राजस्व और औद्योगिक विकास को नई राह खुलेगी। राजस्थान आज माइनिंग सेक्टर में तेजी से आगे बढ़ रहा है। निदेशक माइंस भगवती प्रसाद कलाल ने बताया कि रोड शो व जिला स्तर पर खनन क्षेत्र की बड़ी संख्या में निवेश प्रस्तावों के एमओयू हस्ताक्षिरत हुए हैं। उन्होंने कहा कि 8 नवंबर को आयोजित प्री समिट में भी खनिज क्षेत्र में हैण्डसम अमाउंट के एमओयू हस्ताक्षिरत कराने के लिए निवेशकों से संपर्क साधा जा रहा है और इसके सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। संयुक्त सचिव आशु चौधरी ने आवश्यक जानकारी दी। नोडल अधिकारी बीएस सोढ़ा ने बताया कि प्री समिट में देश के खनिज क्षेत्र के विशेषज्ञों को भी आमंत्रित किया जा रहा है जिससे खनिज क्षेत्र में देश दुनिया में हो रहे बदलावों की जानकारी और अनुभवों को साझा किया जा सकेगा।

खान विभाग के प्रमुख सचिव माइंस टी. रविकान्त ने शुक्रवार को खनिज भवन में 8 नवंबर को प्रस्तावित माइंस सेक्टर प्री समिट की तैयारियों की समीक्षा की।

- अब तक 50 हजार करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव हस्ताक्षिरत

प्रमुख सचिव टी. रविकान्त ने प्रभारी अधिकारियों अतिरिक्त निदेशक एमपी मीणा को फील्ड अधिकारियों के माध्यम से प्रोस्पेक्टिव निवेशकों से संवाद कायम करने, अतिरिक्त निदेशक पेट्रोलियम अजय शर्मा से प्रकाशनों व प्रदर्शनी, एडीजी आलोक जैन से विषय विशेषज्ञों से समन्वय, एसएमई विजिलेंस प्रताप मीणा से प्री समिट में प्रतिभागियों आदि के बारे में विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट संदेश दिया कि राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इंवेस्टमेंट समिट के माइंस विभाग के प्री समिट को अधिक उपादेय व बहुआयामी बनाया।

आरक्षण नहीं देने पर मांगा जवाब

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने फार्मासिस्ट भर्ती-2023 में एक हाथ और एक पांव वाले दिव्यांग अभ्यर्थी को आरक्षण का लाभ नहीं देने पर केन्द्र सरकार, प्रमुख चिकित्सा सचिव और सिफू निदेशक को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। इसके साथ ही अदालत ने भर्ती की नियुक्तियों को याचिका के निर्णय के अधीन रखा है। सीएम एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस आशुतोष कुमार की खंडपीठ ने यह आदेश पंकज कुमार खियानी की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में अधिवक्ता हरेन्द्र नील ने अदालत को बताया कि राज्य सरकार ने 5 मई, 2023 को फार्मासिस्ट के 2859 पदों पर भर्ती निकाली।

दीवाली लाइटिंग का शुभारम्भ

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने शुक्रवार को सीकर रोड व्यापार मंडल द्वारा की जा रही बाज़ार साज-सज्जा में लाईट डेकोरेशन का शुभारम्भ किया। इस मौक़े पर विधायक बालमुकुंदाचार्य भी मौजूद थे। उपमुख्यमंत्री ने सभी क्षेत्रवासियों को त्योहारों की बधाई देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य की पूरी टीम विद्याधर नगर के सर्वांगीण विकास के लिए वचनबद्ध है और तेज़ी से विकास के काम शुरु किये।

गुंडागर्दी और पत्थरबाजी हमारी सरकार में नहीं चलेगी : मुख्यमंत्री भजनलाल

बीएपी ने सपने दिखाने और अशांति फैलाने का ही काम किया है : भजनलाल शर्मा

सलूंबर/डूंगरपुर, (निसं)। सलूंबर में भाजपा उम्मीदवार के समर्थन में भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में सीएम भजनलाल शर्मा व प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने नामांकन सभा की।

आयोजित सभा में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि पहले सलूंबर और सराड़ा में कानून व्यवस्था की स्थिति कमजोर थी। सड़कों पर किस तरह की स्थिति होती थी उसको हमने मजबूत किया और इस तरह की घटनाएं हमारी सरकार ने रोकने का काम किया है। गुंडागर्दी और पत्थरबाजी हमारी सरकार में नहीं चलेगी। सीएम ने कहा कि मेरे पास सलूंबर के काम की बड़ी लिस्ट है। प्रताप से जुड़े ऐतिहासिक स्थलों को जोड़कर प्रताप सर्किट बनाने का काम हमारी सरकार करेगी। ये सब हमारे बजट में है। सरकार काम करेगी। सलूंबर के विकास के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी और अमृतलाल मीणा के वायदे हम पूरे करेंगे। सीएम ने सबसे हाथ खड़े करवाए कि यहां से वे भाजपा को जीताएंगे। बाद में उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भाजपा उम्मीदवार शांता मीणा को दुपट्टा पहनाया। सभा को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सांसद सीपी जोशी, उदयपुर सांसद डॉ. मन्नालाल रावत, जनजाति मंत्री बाबूलाल खराड़ी, राजस्व मंत्री हेमंत मीणा, उदयपुर ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा आदि ने भी संबोधित किया।

वहीं सीएम भजनलाल शर्मा और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ शुक्रवार देर शाम को डूंगरपुर जिले के एक दिवसीय दौरे पर रहे। अपने दौरे के दौरान सीएम भजनलाल शर्मा और प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने सीमलवाड़ा में चौरासी विधानसभा उपचुनाव के तहत भाजपा उम्मीदवार कारीलाल ननोमा के समर्थन में नामांकन सभा को संबोधित किया और भाजपा के समर्थन में वोट मांगे। इस दौरान दोनों नेताओं ने कांग्रेस ओर बीएपी पर जमकर निशाना भी साधा। भाजपा नेताओं ने सीएम का माला पहनाकर उनका स्वागत किया। वहीं तीर कमान भेट किया। इसके बाद नामांकन सभा को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने संबोधित किया। मदन राठौड़ ने जनता से क्षेत्र के विकास के लिए कड़ी से कड़ी जोड़ते हुए भाजपा उम्मीदवार कारीलाल को जिताकर विधानसभा भेजने का आव्हान किया।

सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा कि 70 साल से राज करने वाली कांग्रेस ओर पिछले दो बार से जीतने वाले बीएपी के नेताओं ने क्षेत्र के विकास के लिए कुछ नहीं किया है। बीएपी के नेताओं ने क्षेत्र में सपने दिखाने ओर अशांति फैलाने का ही काम किया है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का भाजपा नेताओं ने माला पहनाकर स्वागत किया।

- **भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में सीएम भजनलाल शर्मा व प्रदेश अध्यक्ष राठौड़ ने नामांकन सभा की**

उन्होंने जनता से कहा कि आप लोग कारीलाल को जिताएं उसके बाद क्षेत्र में विकास की गारंटी हमारी है।

इस दौरान कैबिनेट मंत्री बाबूलाल खराड़ी, पूर्व सांसद कनकमल कटारा, पूर्व कैबिनेट मंत्री महेंद्रजीत सिंह मालविया, पूर्व मंत्री सुशील कटारा, जिलाध्यक्ष हरीश पाटीदार, सागवाड़ा विधायक शंकर लाल डेचा, कमलेश शास्त्री, गोविंद गुरुधाम के गिरवर गिरी महाराज, भंवरलाल कलासुआ, मंडल अध्यक्ष गोवर्धन पाटीदार, गोविंदराम पाटीदार, गोविंद अहारी, राजेश पाटीदार, दीन दयाल सिंह चौहान, हकरू मईडा, प्रदेश मंत्री अनिता कटारा, लीलाराम गमेती, बाबूलाल डामोर, जिला महामंत्री नानूराम परमार, मनोहर सिंह डामोर सहित कई नेता मौजूद रहे।

एक और पैंथर पिंजरे में कैद हुआ

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर जिले में इन दिनों पैंथर का आतंक चर्चा बना हुआ है। आदमखोर पैंथर की तलाश में अब भी वन विभाग की टीम जंगल में तैनात है। पिंजरे और ट्रैप कैमरे भी लगे हुए हैं। एक पैंथर शुक्रवार को भी पिंजरे में कैद हो गया। इस पैंथर को भी सज्जनगढ़ बायोलॉजिकल पार्क में शिफ्ट किया गया है। वहीं बायो पार्क से लापता पैंथर का अब तक कुछ पता नहीं चला है। इससे टूरिस्ट की एंट्री बंद है।

जानकारी के अनुसार गोगुंदा क्षेत्र के भूताला के पास मिंडावतों की भागल में पिछले दिनों पैंथर का मूवमेंट नजर आया था। इस कारण पिछले दिनों वन विभाग ने यहां भी पिंजरा लगाया था, जिसमें पैंथर कैद हो गया। पिंजरे से पैंथर दहाड़ लगा रहा था। आसपास के लोगों

- **बायो पार्क से लापता पैंथर का अब तक पता नहीं चला**

ने आवाज सुनकर देखा और वन विभाग को सूचना दी। वन विभाग मिंडावतों की भागल से कैद पैंथर को लाने को लेकर सतर्क है। यहां लाने के बाद भी पूरी निगरानी में रखा जाएगा। उदयपुर शहर के पास लखावली में लगे पिंजरे में 21 अक्टूबर को भी एक पैंथर कैद हुआ था। उसे सज्जनगढ़ लाया गया था लेकिन यहां लाने के बाद वो कैद से 22 अक्टूबर को भाग गया। चार दिन बाद भी उसका पता नहीं चला है। विभाग की टीमें सर्च लाइट से भी बायो पार्क में उसकी तलाश कर रही है। वहां लगाए पिंजरे में भी अभी तक पैंथर नहीं आया और चार दिन में कहीं उसका मूवमेंट सीसीटीवी में या कैमरा ट्रेप में नहीं दिखा है। वन विभाग पैंथर के पार्क के अंदर ही होने की बात कह रहा है। इस कारण 22 अक्टूबर से अब तक टूरिस्ट की एंट्री बंद है। टीम ने अंदर पूरे इलाके को खंगाल लिया लेकिन पैंथर अंदर नहीं दिखा। न कोई ऐसे संकेत मिले कि पैंथर अंदर है। बायो पार्क की तलहट से बाहर सज्जनगढ़ सैंचुरी है और बाहर की तरफ आबादी इलाका है। ऐसे में संभावना जताई जा रही है कि चार दिन में पैंथर नहीं दिखा तो हो सकता है वो वहां से निकल गया।

डीएफओ डीके तिवारी के अनुसार पैंथर की बायोलोजिकल पार्क में टीम तलाश कर रही है। उन्होंने बताया कि देर रात तक वे भी वहीं रुके थे और अभी लगातार तलाश कर रहे हैं।

हत्या के आरोपी पुत्र को उम्रकैद

अजमेर, (कासं)। अजमेर की न्यायालय विशिष्ट न्यायाधीश अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अधिनियम रेणु श्रीवास्तव ने पिता पर खौलता तेल डालकर हत्या कारित करने के आरोपी पुत्र धोलाभाटा निवासी जसवंत सिंह को उम्र कैद की सजा से दण्डित किया है। साथ ही 50 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है एवं अदम अदायगी 6 माह का कठोर कारावास दिया है। लोक अभियोजक मंजूर अली ने बताया कि मामला अलवर गेट पुलिस थाना क्षेत्र का वर्ष 2019 का है। 29 अगस्त को जसवंत सिंह ने अपने पिता राम सिंह पर घर पर सोते हुए खौलता तेल डाल दिया था।

RAJASTHAN AGRICULTURAL RESEARCH INSTITUTE
(S.K.N. AGRICULTURE UNIVERSITY, JOBNER)
DURGAPURA, JAIPUR
Phone: 0141-2550229 (O) Phone & Fax: 0141-2550229 & 2550536
Email : director.rari@sknau.ac.in Mob.No. 9414639561
No.F.9( )/SKNAU/DIR-RARI/Estt.I/2024/2515 Dated: 25-10-2024
ADVERTISEMENT
Applications are invited for Two YP in Plant Breeding & Genetics and Plant Pathology at RARI, Durgapura-Jaipur. For details login the University website: sknau.ac.in
Raj.Samwad/C/24/7031 DIRECTOR

कार्यालय जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर
रेल्वे अस्पताल के सामने, रातानाडा, जोधपुर – 342001
क्रमांक :– जोविप्रा/2024–25/EE HQ/1468 दिनांक : 24.10.2024
:: ई-निविदा सूचना संख्या -मुख्यालय/29/2024–25 ::
जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर की ओर से प्राधिकरण एवं राजकीय विभाग में उपयुक्त श्रेणी मे पंजीकृत संवेदक जिनका पंजीयन 2 वर्ष की अवधि में पुनरावलोकन (Review) किया हुआ हो से निर्धारित प्रपत्र मे ई–प्रोक्युरमेन्ट प्रकिया से ऑन लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। इन कार्य की अनुमानित लागत, निविदा बेचे जाने तथा प्राप्त करने की दिनांक, निविदा, शर्तें आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट www.jodhpurjda.org, www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.raj.nic.in पर देखी जा सकती है।
UBN No. :- JOD2425WSOB00210 TO JOD2425WSOB00219
राज.संवाद/सी/24/7012 अधिशाषी अभियंता

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सानिवि जिला खण्ड प्रथम बीकानेर
क्रमांक-2246 दिनांक-21/10/24
Notice Inviting Bid : 09/ 2024-25
Bid for the Construction of Govt. Ambedkar SC Boys Hostal at Dantore (Khajuwala) District Bikaner are invited from interested bidders upto 29.10.2024 [09:30 AM] to 12.11.2024 [06:00 PM] & Open date 13.11.2024 [11:00 AM], other particulars of the bid may be visited on the procurement portal http://www. pwd.rajasthan.gov.in & eproc. rajasthan.gov.in & http://sppp.rajasthan.gov.in of the state and departmental website. The approximate value of the procurement is Rs. 215.00 Lakh.
UBN No. PWD 2425WSOBO8668
DIPR/C/10456/2024 Executive Engineer, PWD Distt. Dn-i, Bikaner

बीकानेर नगर निगम
नगर निगम मार्ग, बीकानेर (राजस्थान) फैक्स :- 0151-2226906, फोन :- 0151-2226902, 0151-2226905
E-Mail Address :- bikanernagarnigam@gmail.com, Web Site :- www.bikanermc.org
क्रमांक :- स्टेशनरी/2024-25/14951 दिनांक :- 23/10/2024
निविदा सूचना संख्या 03/2024-25/स्टेशनरी
नगर निगम बीकानेर द्वारा डिजिटल कैमरे से फोटोग्राफी व विडियोग्राफी का कार्य करने के इच्छुक सम्भरणकर्त्ता जो कार्य करने/सामग्री सम्भरण करने के लिए अधिकृत/पंजीकृत हो से दरें निर्धारित निविदा प्रपत्र में आमंत्रित की जाती हैं। निविदा से सम्बधित विवरण राज्य सरकार की ई–प्रोक्योरमेंट पोर्टल http://eproc.rajasthan.gov.ino http://sppp.rajasthan.gov.in तथा नगर निगम, बीकानेर की वेबसाईट www.bikanermc.org पर देखी व डाउनलोड की जा सकती हैं।
अनुमानित लागत राशि :–12.00 लाख
UBN Number : DLB2425SLOB11149 आयुक्त, नगर निगम, बीकानेर
राज.संवाद/सी/24/6985

राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर
क्रमांक-संक्षिप्त वि.सं.19/Exam/School Leet/RPSC/EP-1/2024-25 दिनांक- 25.10.2024
आयोग द्वारा माध्यमिक शिक्षा विभाग के लिए राजस्थान शिक्षा (राज्य एवं अधीनस्थ) सेवा नियम 2021 के अंतर्गत प्राध्यापक एवं कोच (स्कूल शिक्षा) के 24 विषयों के कुल 2202 पदों पर भर्ती हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। शैक्षणिक योग्यता वर्गवार वर्गीकरण, आवेदन प्रक्रिया व अन्य विस्तृत जानकारी के लिए अभ्यर्थी उक्त पदों हेतु आयोग की वेबसाईट पर उपलब्ध विस्तृत विज्ञापन का अवलोकन करें। उक्त पदों हेतु आयु सीमा, आवेदन अवधि व अन्य विवरण निम्नानुसार है-

आयु सीमा	दिनांक 01.01.2025 को न्यूनतम 21 वर्ष एवं अधिकतम 40 वर्ष से कम होनी चाहिये।
आवेदन अवधि	दिनांक 05.11.2024 से दिनांक 04.12.2024 रात्रि 12.00 बजे तक।
परीक्षा का स्थान व माह	परीक्षा स्थान व तिथि के संबंध में यथासमय सूचित कर दिया जायेगा।

अन्य बिन्दु व सूचना-एकवारीय पंजीयन शुल्क, आवेदन प्रक्रिया, प्रमाण पत्रों से संबंधित सूचना एवं परीक्षा से संबंधित अन्य बिन्दु व सूचना के लिए आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध नवीनतम एवं संशोधित परीक्षार्थियों हेतु आवेदन व परीक्षा संबंधी सामान्य दिशा-निर्देश तथा सम्बन्धित सेवा नियमों का अध्ययन आवश्यक रूप से कर लें। इसके अतिरिक्त उक्त परीक्षा के संबंध में समय-समय पर जारी सूचनाओं का अवलोकन आयोग की वेबसाईट https://rpsc.rajasthan.gov.in पर कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त किसी भी प्रकार के मार्ग निर्देशन/सूचना/स्पष्टीकरण हेतु राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर के परिसर में स्थित स्वागत कक्ष पर व्यक्तिगत रूप से अथवा दूरभाष सं.-0145-2635212 एवं 2635200 पर संपर्क किया जा सकता है। समस्त पत्र व्यवहार सचिव, राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर को सम्बोधित किया जाए।
DIPR/C/_____/2024 राम निवास मेहता, सचिव

Phone No.-02992-294622, Email ID eedist.jsl.phed@rajasthan.gov.in
कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, जिलाखण्ड जैसलमेर
क्रमांक/अधि.अभि./निविदा/जैसल/2024-25/1715-28 दिनांक- 22.10.2024
बिड आमंत्रण सूचना (NIB) संख्या-8(1-3)/2024-25
राजस्थान के राज्यपाल की ओर से जन स्वा. अभि. विभाग राजस्थान के अन्तर्गत इस खण्ड के अधीन विभिन्न सिविल एवं अन्य कार्यों हेतु अनुमानित लागत रु. 35.12 लाख के कुल 3 कार्य हेतु राजस्थान सरकार के अधीन पंजीकरण नियमो के तहत उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में निविदा आमंत्रित की जाती हैं। निविदाएं दिनांक 04.11.2024 सायं 06.00 बजे तक डॉउनलोड की जाकर दिनांक 05.11.2024 को सायं 1.00 बजे बिड शुल्क, ई-प्रक्रिया शुल्क, धरोहर राशि का चालान भौतिक रूप से इार्यालय में जमा कर उसी दिनांक 3.00 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोली जायेगी। निविदा से संबंधित विवरण DIPR की वेबसाईट WWW.dipronline.org, www.sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता हैं। निविदा संख्या 8(1-3)2024-25 का विभागीय वेबसाइट www.sppp.raj.nic.in से प्राप्त NIB NO.-PHE2425A2621) UBN NO. निम्न प्रकार से है- PHE2425WSOB05711, PHE2425WSOB05712, PHE2425WSOB05713
(प्रेमा राम) अधिशाषी अभियन्ता
जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग
DIPR/C/10481/2024 जिला खण्ड-जैसलमेर

उदयपुर विकास प्राधिकरण, राजस्थान
No.:F-2(01)Acct/Contract/2024-25/147-149 Date: 23-10-2024
ई-निविदा सूचना संख्या : 40/2024–25
उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर द्वारा निम्नलिखित कार्यो मय डिफेक्ट लाईबिलिटी अवधि के लिये जो कि निविदा प्रपत्र में अंकित है के लिये उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई–टेण्डरिंग के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :–

निविदा कार्यो की कुल लागत	:	रूपये 432.05 लाख (11 कार्य)
ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड/अपलोड करने की अवधि	:	25–10–2024 को प्रातः 10.00 बजे से 06–11–2024 को सांयः 6.00 बजे तक
Online EMD, Tender Fee & Processing Fee जमा कराने की तिथी	:	25–10–2024 को प्रातः 10.00 बजे से 06–11–2024 को सांयः 6.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथी	:	07–11–2024 को प्रातः 11.00 बजे

विस्तृत विवरण वेबसाईट urban.rajasthan.gov.in/uitudaipur, www.eproc.rajasthan.gov.in व www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
UBN : ITU2425WSOB00330 TO ITU2425WSOB00339
राज.संवाद/सी/24/7001 अधिशाषी अभियन्ता–विद्युत उदयपुर विकास प्राधिकरण

कृषि अनुसंधान केन्द्र
(महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर)
दाहोद रोड़, बोरवट फार्म, बाँसवाड़ा (राज.) 327001
Mo. No. 8112207969 / 9414389929 Mail ID: zdr_arsb@yahoo.com, Visit us : www.mpuat.ac.in
क्रमांक : एफ( )/कृअकें/2024-25/118-24 दिनांक 22.10.2024
निविदा सूचना (2024–25)
कृषि अनुसंधान केन्द्र, बांसवाड़ा के लिये कृषि कार्य हेतु पंजीकृत संवेदक/ठेकेदार से अपेक्षित अनुभव क्षमताओं के साथ मासिक कार्य/कार्यानुसार हेतु खुली निविदाएं बंद लिफाफों में आमन्त्रित की जाती है। पंजीकृत संवेदक/ठेकेदारों को तकनीकी एवं वित्तीय निविदा अलग-अलग सील बन्द लिफाफों में देनी होगी। निविदा प्रारूप, सम्पूर्ण नियम एवं शर्तें विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.mpuat.ac.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in से डाउनलोड कर सकते है। निविदा प्रारूप प्राप्ति की अन्तिम तिथि 08.11.2024 प्रातः 11.00 बजे तक रहेगी। उक्त निविदायें उसी दिन दोपहर 11.30 बजे तक जमा की जाकर मध्यान्ह 12.00 बजे कमेटी की उपस्थिति में खोली जावेगी। निविदा प्रारूप जमा करवाते समय कार्य के सामने वर्णित निविदा शुल्क एवं धरोहर राशि जमा करवानी होगी।

कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू.)	धरोहर राशि (रू.)	निविदा शुल्क (रू.)
कृषि अनुसंधान केन्द्र, बोरवट फार्म पर मक्का परियोजना में कृषि कार्य।	390250/-	8000/-	500/-

सभागीय निदेशक अनुसंधान

मिलावट की आशंका पर 550 किलो घी जप्त

कोटपूतली, (निसं)। पिछले काफी दिनों से सूचनाएं मिल रही थी कि बहरोड़ क्षेत्र के आसपास नकली एवं मिलावटी घी बेचा जा रहा है। सूचना को सत्यापित करते हुए मुखबिर द्वारा मिली सूचना के आधार पर खाद्य सुरक्षा दल अतिरिक्त जिला कलेक्टर ओमप्रकाश सारण के दिशा निर्देश में एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला कोटपूतली बहरोड आशीष सिंह शेखावत के नेतृत्व में मैसर्स सांनवारया एग्रो फूड्स कुंड रोड बहरोड पहुंचा। मौके पर पहुंचकर खाद्य सुरक्षा अधिकारी हेमंत कुमार यादव ने बताया कि मैसर्स सांनवारया एग्रो फूड्स कंपनी द्वारा बहरोड़ क्षेत्र में घी का कारोबार किया जाता है। मौके पर मौजूद कर्मचारियों द्वारा बताया गया कि मालिक द्वारा दिल्ली से लोहे के बड़े ड्रमों में देसी घी लाकर घी की मांग के अनुसार व्यापारियों को बेचा जाता है। उपस्थित कर्मचारी रमेश ने बताया कि प्रतिष्ठा का मालिक मनजीत जो कि हरियाणा के हिसार का रहने वाला है वह ये कार्य करता है। मौके पर तीन लोहे के ड्रमों में करीब 550 किलो घी मिला जिसमें वह घी नकली या मिलावटी होने के आशंका पर खाद्य सुरक्षा दल द्वारा मौके पर नमूनीकरण कर बाकी बचे करीब 550 किलो घी को जप्त कर लिया गया।

डॉ. सतीश पूनिया ने महारावल चैतन्यराज सिंह से मुलाकात की

डॉ. पूनिया ने चैतन्यराज सिंह को पीएम मोदी पर लिखित पुस्तक ''द रियल मोदी'' भेंट की

जैसलमेर। भाजपा हरियाणा प्रभारी एवं भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने जैसलमेर प्रवास पर महारावल चैतन्यराज सिंह के साथ मुलाकात कर उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर लिखित पुस्तक ''द रियल मोदी'' भेंट। वहीं राजस्थान सीनियर मैन्स फुटबॉल चैंपियनशिप 2024-25 में महत्वपूर्ण सफलता हासिल करने पर फुटबॉल टीम के खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

जानकारी के अनुसार सतीश पूनिया ने भाजपा जिला कार्यालय जैसलमेर में पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। इस अवसर पर पूनिया ने कार्यालय में सदस्यता अभियान की कार्यशाला को संबोधित कर सदस्यता अभियान को बूथ, मंडल स्तर तक मजबूती से पहुंचाने का आव्हान किया, जिससे पूरे प्रदेश का देशभर में सदस्यता में ऐतिहासिक रिकॉर्ड बन सकेगा, यह कार्य पार्टी के कार्यकर्ता अपने परिश्रम की पूंजी से संभव कर दिखाएंगे।

पूनियां की संगठन की मजबूती और जिले के विकास कार्यों को लेकर कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों से सकारात्मक चर्चा हुई। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष चंद्रप्रकाश शारदा, विधायक छोटूसिंह भाटी, जिला प्रमुख प्रताप सिंह सोलंकी, पूर्व विधायक डॉ. जितेंद्र सिंह, नाचना ठाकुर विक्रम सिंह, जिला महामंत्री सवाई सिंह गोगली, जिला महामंत्री सुशील व्यास, पूर्व प्रधान मूलाराम चौधरी, मनोहर सिंह, जिला अध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा कादर बक्स, नगर अध्यक्ष अरुण पुरोहित, पदम सिंह पूनमनगर, सुरेंद्र सिंह बडोडागांव, रघुवीरसिंह मंधा इत्यादि सहित पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जैसलमेर में सतीश पूनियां ने भाजपा पूर्व जिला महामंत्री एवं युवा मोर्चा पूर्व जिला अध्यक्ष दलपत मेघवाल के दु:खद निधन पर उनके निवास पर पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की एवं परिवारजनों को ढांढस बंधाया। पूनियां ने भाजपा नेता एवं पूर्व प्रधान मूलाराम चौधरी के निवास पर पहुंचकर उनकी माताजी नैनू देवी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

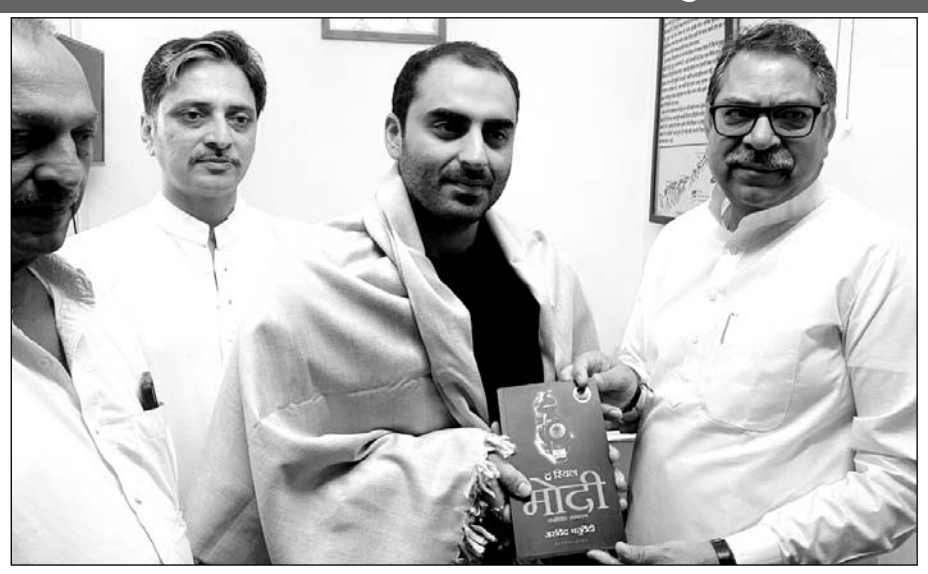

डॉ. सतीश पूनियां ने जैसलमेर प्रवास पर महारावल चैतन्यराज सिंह को पुस्तक भेंट की।

मां ने दो बेटियों की टैंक में डुबोकर हत्या की

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले में मां ने दो मासूम बेटियों को डिग्गी (पानी के टैंक) में डाल दिया। डूबने से बच्चियों की मौत हो गई। वहीं इसके बाद मां ने जहर पी लिया। जब इससे उसकी मौत नहीं हुई तो उसने कमरे में खुद को आग लगा ली, लेकिन देवर ने उसे बचा लिया। सुसाइड की कोशिश करने से पहले महिला ने भाई को फोन भी किया था। घटना श्रीकरणपुर इलाके के गांव 6 एफए रड़ेवाला की है।

गुरलीन कौर (4) और हरलीन कौर (1) के शव घर में बनी पानी की डिग्गी में मिले थे। उनकी मां परविंदर कौर (32) बंद कमरे में अचेत पड़ी थी। आशंका है कि सुसाइड की कोशिश करने से पहले महिला ने ही दोनों बेटियों को डिग्गी में फेंका है। महिला का श्रीगंगानगर के लालगढिया हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है। उसकी हालत गंभीर है। बच्चियों के शव डिग्गी से निकाल कर मॉर्च्युरी में रखवाए हैं। श्रीकरणपुर डीएसपी संजीव चौहान ने बताया कि महिला के सुसाइड अटेम्प्ट का मामला सामने आया है। फिलहाल महिला बेहोश है। बयान देने की स्थिति में नहीं है। उसकी हालत में सुधार होने और होश में आने के बाद बयान लिए जाएंगे। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

प्राथमिक इलाज के बाद परविंदर कौर को रेफर करने वाले श्रीकरणपुर के सरकारी अस्पताल के डॉक्टर रोहताश ने महिला के भाई और मां को बताया कि परविंदर ने किसी जहरीले पदार्थ का सेवन किया हुआ है। कीटनाशक के सेवन से मौत नहीं हुई तो परविंदर ने कमरा अंदर से बंद कर खुद को आग लगाने का भी प्रयास किया था। लेकिन, तब तक देवर ने आकर उसे बचा लिया। परविंदर ने कीटनाशक का सेवन कर भाई को फोन किया था कि वह सुसाइड कर रही है। भाई ने ही देवर समनदीप को मौके पर भेजा था। पदमपुर की परविंदर कौर की शादी रड़ेवाला के पवनदीप सिंह से 2019 में हुई थी।

इधर, पुलिस सभी एंगल से जांच

- **सुसाइड की कोशिश करने से पहले महिला ने भाई को फोन भी किया था**

कर रही है। इस एंगल से भी जांच कर रही है कि इनके 2 बेटियां ही थीं, कहीं बेटे की चाह या तानों के कारण तो ऐसा कदम नहीं उठाया। भाई जगमीत सिंह ने बताया कि परविंदर के ससुराल वाले उसे लगातार परेशान करते थे। वे उसकी बेटियों को भी पसंद नहीं करते थे। इसके चलते परविंदर ने यह कदम उठाया। जगमीत ने बताया कि उसके जीजा साइप्रस गए थे, लेकिन उन्हें वहां जॉब नहीं मिली थी। ऐसे में वो लौटना चाहते थे, लेकिन परिवार के लोग परविंदर पर दबाव बनाते थे कि उसका पति लौटना नहीं चाहिए। उस पर उन्होंने 7 लाख रुपए खर्च किए हैं।

परिजन ने बताया कि महिला के ससुराल वाले उसे छोटी-छोटी बातों पर ताने देते रहते थे। दोनों बेटियों को बिल्कुल भी पसंद नहीं करते थे। परविंदर को हमेशा बेटियों की चिंता रहती थी। मजबूरन उसने यह कदम उठा लिया। घटना के बाद भाई ने देवर को इस बारे में सूचना दी। इस पर वह घर पहुंचा, लेकिन इसके बाद से ससुराल के परिवार का कोई भी सदस्य उसकी सुध लेने के लिए नहीं आया है। भाई जगमीत ने बताया कि परविंदर की ननद अस्पताल तक आई, लेकिन गेट से ही लौट गई।

परीक्षा का आयोजन 17 मई 2025 को प्रस्तावित

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग जनसंपर्क अधिकारी (सूचना एवं जनसंपर्क विभाग) परीक्षा का आयोजन 17 मई 2025 को किया जाना प्रस्तावित किया गया है। पूर्व में इस परीक्षा के आयोजन की प्रस्तावित दिनांक 23 मार्च 2025 निर्धारित की गई थी।

सरकारी नौकरी का झांसा देकर 38.87 लाख रुपये हड़पे

अजमेर, (कासं)। सरकारी नौकरी लगाने का झांसे देने वालों के चंगुल में फंसे प्राइवेट स्कूल के टीचर ने लाखों रुपए गवां दिए। मामला राजस्थान लोक सेवा आयोग की सैकंड ग्रेड अध्यापक भर्ती से जुड़ा है। शातिर जालसाज ने आयोग में अधिकारी परिचित होने की बात का झांसा देकर पीड़ित युवक से 38 लाख 87 हजार रुपए धोखाधड़ी कर हड़प लिए। पीड़ित ने कोर्ट में इस्तागासा दायर किया, कोर्ट के आदेश पर क्लॉक टावर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बीएड डिग्रीधारी मलूसर रोड निवासी नरेंद्र पाल ने क्लाक टावर थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि बच्चों को ट्यूशन पढ़ाकर जीविका चला रहा है। इसी बीच मुलाकात भानूप्रताप से हुई। भानू ने उसे प्राइवेट स्कूल में जॉब लगा देगा के साथ सैकंड ग्रेड अध्यापक भर्ती परीक्षा का झांसा देते हुए पीड़ित से नौकरी लगवाने के नाम पर 8 लाख की डिमांड की थी। विश्वास में आकर पीड़ित पाल ने अपने अन्य रिश्तेदारों से रकम लेकर आरोपी भानू को सौंप दी। पीड़ित ने बताया कि आरोपी भानू ने उसे अपनी बातों में फंसाकर कहा कि उसका परिचित एक अधिकारी आरपीएससी आयोग में कार्यरत है। वर्ष 2018 सैकंड ग्रेड अध्यापक भर्ती परीक्षा में कुछ अभ्यर्थियों को नियुक्ति दे दी गई, लेकिन अभी भी एक वेटिंग लिस्ट में है, यदि किसी ने बीएड कर रखी है तो उसकी चयन करवा नौकरी लगवा देगा। इसके लिए कुछ रुपयों का इंतजाम करना होगा।

अक्टूबर 2021 में आरोपी उसके घर आया और कहने लगा कि आरपीएससी में उसने अपने मिलने वाले अधिकारी से बात कर ली है और एक अभ्यर्थी के करीब 8 लाख रुपए देने होंगे। इसके बाद वह उसका नाम वेटिंग लिस्ट में डलवा देगा। पीड़ित ने बताया कि झांसेबाज आरोपी के कहने पर परिचितों को भी उससे मिलवाया, सभी उसकी बातों में आ गए। इसके बाद आरोपी को नवंबर 2021 से अगस्त 2023 तक ऑनलाइन, बैंक, कैश के माध्यम से करीब 38 लाख 87 हजार रुपए हड़प दिए। आरोपी से जब नियुक्ति पत्र की मांग की गई तो वह टाममटोल करने लगा। बार-बार पीड़ितों को जल्द सूची जारी होने की बात कहकर विश्वास में लेने का प्रयास किया, लेकिन लंबा समय बीत जाने के बाद जब आरोपी से रकम लौटाने की मांग की तो दो-तीन माह में रकम लौटने की बात कही, लेकिन दो माह से आरोपी अब फोन नहीं उठा रहा है।

मंदिर से सोने व चांदी के 19 लाख रुपये के आभूषण चोरी

निवाई, (निसं)। शहर के कायस्थ मोहल्ला में स्थित श्री राधा गोपीनाथजी के मंदिर से गुरूवार की रात चोर सोने व चांदी के आभूषण चुराकर ले गए। चोरी होने की सूचना पर मंदिर परिसर में भक्तों की भीड़ जमा हो गई।

चोरी की सूचना पर थानाधिकारी मय जाप्ते के मौके पर पहुंचे और मंदिर परिसर व आसपास के क्षेत्र का मौका मुआयना किया। इसके बाद पुलिस ने एफएसएल व एमओबी टीम को बुलाकर नमूने लिए। थानाधिकारी हरिराम वर्मा ने बताया कि मंदिर के पुजारी इन्दु शेखर पारीक ने मामला दर्ज करवाया है कि गुरूवार की देर रात अज्ञात चोर मंदिर के चैनल गेट व गर्भगृह के दरवाजे का ताला तोड़कर अन्दर घुस गए और भगवान का सोने का पांच तोले का लॉकिट, सोने का पेण्डल की तीन मालाएं, चन्द्रकला की 2 जोड़ी, सोने की तुलसी की माला, श्रृंगी सहेली 50 ग्राम, चांदी की चरण चौकी, बंशी चटीया चांदी के तीन नग, एक चांदी का छत्र, चांदी का गणेशजी का सिंहासन, एक जोड़ी चांदी की चरण चौकी, तीन नग चांदी की किरण, चांदी की कलंगी दो नग, चांदी के कुंडल सात नग, एक चांदी का शंख स्टेण्ड, दो जोड़ी चांदी के ठुकरानीजी के मुकुट, तीन नग ठाकुरजी के मुकुट, एक चांदी की माला, लड्डू गोपालजी की 6 मूर्तियां, राधकृष्ण व दुर्गाजी की पीतल की मूर्ति, प्राचीन लड्डू गोपालजी मूर्ति सहित अन्य सामान चुराकर ले गए। उन्होंने बताया कि चोरी किए गए आभुषणों की लागत करीब 19 लाख 20 हजार रूपए बताया है। पुलिस ने मामला दर्ज करके चोरों की तलाश शुरू कर दी है।

चोरी होने के बाद एफएसएल व एमओबी टीम ने नमूने लिये।

संक्षिप्त

खाटूश्यामजी में 31 को मनाई जाएगी दीपावली

खाटूश्यामजी । खाटूश्यामजी में बाबा श्याम के दरबार में 31 अक्टूबर को दीपावली मनाई जाएगी।इस संबंध में श्री श्याम मंदिर कमेटी के अध्यक्ष पृथ्वी सिंह चौहान ने आम सुचना जारी करते हुए बताया कि बाबा श्याम के मंदिर में 31 अक्टूबर को दीपावली पर्व धुमधाम से मनाया जाएगा तथा गोवर्धन पूजा दो नवम्बर को रहेगी।

आरोपी को कोर्ट ने सुनाई सजा

मालपुरा । मालपुरा उपखंड क्षेत्र के पचेवर थाना अंतर्गत कुंभालाव गांव में वर्ष 2022 में हनुमान मीणा की हुई हत्या के आरोप में आरोपी को एडीजे कोर्ट मालपुरा द्वारा शुक्रवार को सुनाई गई आजीवन कारावास की सजा, सरकारी अभियोजक एडवोकेट गोविंद चौधरी ने बताया की वर्ष 2022 में हनुमान मीणा की हुई हत्या के बाद से ही आरोपी फरार चल रहा था, मामला न्यायालय में विचाराधीनता था, ऐसे में उनके द्वारा मामले में 28 गवाह पेश किए गए तथा ठोस दलित व साक्ष्य के आधार पर शुक्रवार को एडीजे मालपुरा ने आरोपी मदन बागरीया को आजीवन करावास की सजा सुनाई, दस हजार के आर्थिक दंड से किया दंडित लिए।

अतिक्रमण हटवाने की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

निवाई। वन विभाग की भूमि से अतिक्रमण हटवाने की मांग को लेकर ग्रामीणों ने उपखंड अधिकारी कार्यालय में उपखंड अधिकारी सुरेशकुमार हरसोलिया को ज्ञापन सौंपा है। पूर्व सरपंच कैलाशचन्द मीणा ने बताया कि ग्राम पंचायत सीदडा के गांव श्योसिंहपुरा की सीमा के पास वन विभाग की भूमि में सार्वजनिक 4 छोटे बांध, 2 हेण्ड पम्प व सार्वजनिक कुई बनी हुई है। जिस पर कुछ प्रभावशाली लोगों ने उक्त भूमि में तारबंदी करके अतिक्रमण कर रखा है ज्ञापन देने वालों में गोपाल मीणा, बाबूलाल मीणा, प्रहलाद मीणा, अर्जुन मीणा, देवनाराण मीणा, रतिराम मीणा, मंगलाराम मीणा, गोपाल व जगदीश मीणा सहित कई ग्रामीण मौजूद थे।

सब इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा निरस्त करने की मांग

टोंक। सब इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा को रद्द करने को लेकर युवाओं ने अतिरिक्त जिला कलेक्टर को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सोंपा। नेतृत्वकर्ता संजय चौधरी ने बताया की सब इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा पूरी तरह से भ्रष्ट हो चुकी है, पुलिस मुख्यालय ने और एसओजी ने भर्ती परीक्षा रद्द करने का प्रस्ताव सरकार को दे दिया है, इस अवसर पर पीड़ित अभ्यर्थी शिवम चौधरी, राघव शर्मा, मनोज धाकड़, मनराज गुर्जर, अजय, रजत चावला, कुलदीप चौधरी, विक्रम जांगिड व अन्य साथी उपस्थित रहे।

सत्यापन नहीं कराने पर बंद होगी पेंशन

कोटपूतली। सामाजिक न्याय एवं अधिकरिता विभाग की योजनाओं के संबंध में जिला अधिकारी रमेश दहमीवाल ने समीक्षा कर सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना में वार्षिक सत्यापन में अपेक्षित प्रगति नहीं होने के कारण सभी संबंधित विभागों को शत् प्रतिशत सत्यापन हेतु पेंशनर्स से सम्पर्क/सूचना कर वार्षिक सत्यापन में सहयोग करने एवं सभी ऐसे पेंशनर्स जिन्होंने अभी तक वार्षिक सत्यापन नहीं कराया है वे आगामी 31 अक्टुबर तक अपना सत्यापन करा लेवे अन्यथा पेंशन बंद हो जाएगी

अनुदान राशि दिये जाने की प्रशासनिक स्वीकृति जारी

दूदू । राज्य सरकार द्वारा अभावग्रस्त घोषित क्षेत्रों के प्रभावित किसानों को कृषि आदान अनुदान राशि दिये जाने की प्रशासनिक स्वीकृति जारी की गई है। अतिरिक्त जिला कलक्टर गोपाल परिहार ने बताया कि राज्य सरकार की 17 फरवरी 2023 को जारी सूचना के अनुसार अभावग्रस्त घोषित क्षेत्रों के प्रभावित किसानों को अनुदान दिये जाने की प्रशासनिक स्वीकृति जारी की गई है। नागरिक सुरक्षा विभाग द्वारा जारी निर्देशों की अनुपालना में जिले की मौजमाबाद तहसील हेतु 2 करोड़ 85 लाख 38 हजार 997 रुपये तथा फागी तहसील हेतु 2 करोड़ 45 लाख 60 हजार 636 रुपये की राशि की प्रशासनिक स्वीकृति जारी की गई है।

'निष्पक्ष चुनाव हेतु अवैध व अनाधिकृत व्यय पर कड़ी निगरानी रख कार्रवाई करें'

- भारत निर्वाचन आयोग की ओर से नियुक्त व्यय पर्यवेक्षक ने अलवर मिनी सचिवालय पर अधिकारियों की बैठक लेते हुए दिए निर्देश

अलवर। भारत निर्वाचन आयोग की ओर से नियुक्त किए गए व्यय पर्यवेक्षक आईआरएस संदीप की अध्यक्षता में मिनी सचिवालय के कलेक्ट्रेट सभागार में व्यय मॉनिटरिंग प्रकोष्ठ के नोडल अधिकारी एवं कार्मिकों की बैठक आयोजित हुई। बैठक में एडीएम द्वितीय योगेश डागुर, मुख्य लेखाधिकारी रितु जैन, डीटीओ सुरेश यादव सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

व्यय पर्यवेक्षक संदीप ने संबंधित अधिकारियों से कहा कि रामगढ विधानसभा उप चुनाव को निष्पक्ष एवं पारदर्शी चुनाव सम्पन्न कराए जाने हेतु अवैध एवं अनाधिकृत व्यय पर सजग रहकर निगरानी रखी जावे तथा आपसी समन्वय स्थापित करते हुए इस प्रकार के प्रकरणों पर तुरन्त सीज करने की कार्रवाई करें। उन्होंने व्यय प्रकोष्ठ के नोडल अधिकारी को उम्मीदवारों के समस्त चुनावी व्यय को लेखा करने तथा अवैधानिक खर्चों पर रोक के लिए निर्देशित किया।

उन्होंने उम्मीदवार व्यय प्रकोष्ठ में नियोजित समस्त कार्मिकों को निर्देशित किया कि वे निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित समस्त प्रारूपों को प्रतिदिन संधारित करे तथा प्रारूपों द्वारा प्राप्त सूचनाओं/शिकायतों के संबंध में आवश्यक कार्यवाही करें। साथ ही जब्ती के लिए प्रभावी कार्यवाही करें परन्तु इससे आम जनता को किसी भी प्रकार की असुविधा ना हो इसका ध्यान रखा जायें। उन्होंने रिटर्निंग अधिकारी एवं एफएसटी, एसएसटी, वीएसटी, एटी तथा वीवीटी टीमों को विधानसभा चुनाव को लेकर सौंपे गए दायित्वों को पूरी मुस्तैदी व निष्पक्षता के साथ निर्वहन करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग की ओर से स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव करवाने के लिए निर्धारित किए गए प्रावधानों की अक्षरश: पालना सुनिश्चित करें। एफएसटी टीमों द्वारा अब तक की गई कार्रवाइयों का फीडबैक लेकर निर्देश दिये स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव हेतु और अधिक प्रभावी एवं सजग रहकर कार्य करते हुए कार्रवाई जारी रखे। साथ ही इससे जुड़े विधिक प्रावधानों के प्रति भी जागरूक रहें। उन्होंने निर्देश दिये कि निर्वाचन व्यय से जुड़ी किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए वे दूरभाष पर संपर्क कर सकते हैं।

उन्होंने निर्देश दिये कि हाईवे पर बनाए चेक पोस्टों पर तैनात टीमें मुश्तैदी से काम करें। उन्होंने कहा कि चुनावी नकदी और शराब की जब्ती की कार्रवाई निरन्तर जारी रखें। उन्होंने कहा कि निर्वाचन विभाग द्वारा रामगढ विधानसभा उप चुनाव के लिए अभ्यर्थियों द्वारा खर्च की अधिकतम सीमा राशि रूपये 40 लाख निर्धारित की है। चुनाव निष्पक्ष एवं पारदर्शी हो इसलिए चुनाव में धनबल एवं बाहुबली को रोकना अति आवश्यक है। निर्धारित प्रपत्रों में सूचनाओं का सम्प्रेषण करें तथा जिन टीमों, फ्लाईंग स्काड को जहां तैनात किया गया है, वे सतर्कता के साथ अपने कार्यों को पूरा करें।

पावटा में रामायण पाठ किया

पावटा। कस्बे के आदर्श रामलीला मंडल पावटा द्वारा रामायण पाठ का आयोजन कर रामलीला रामलीला मंचन के दौरान बने राम(लक्की भारद्वाज), लक्ष्मण(शुभम शर्मा), सीता(तनुज शर्मा), हनुमान(राम शरण बोहरा) द्वारा पूजन कर रामायण पाठ का शुभारंभ किया गया व विश्व शांति के साथ साथ लोगों की सुख समृद्धि की कामना की।-आदर्श रामलीला मंडल पावटा वरिष्ठ कार्यकर्ता अमरनाथ पटेल, महेश पारिक, संरक्षक उमेश टांक, सुभाष गोयल, वीरेंद्र बंसल, अध्यक्ष योगेश शर्मा, निदेशक मोहन गौड, सचिव चेतन जोशी, उपाध्यक्ष नरेंद्र गौड, रामशरण बोहरा, सोनू अग्रवाल, कोषाध्यक्ष विकास शर्मा, ललित शर्मा सहित कार्यकर्ताओ ने बताया कि कस्बे के रामलीला मैदान मे रविवार को रामलीला समापन पर रामायण पाठ का आयोजन किया गया। पदाधिकारियो सदस्यों द्वारा रामायण समापन पर प्रसादी वितरण किया गया। पावटा के पदाधिकारियों व सदस्यों सहित अन्य लोगों ने इस मौके पर क्षेत्र में सुख समृद्धि की कामना की।

सार-समाचार

अधिशासी अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

फुलेरा । ऑवरब्रिज पर लगी स्ट्रीट लाईट पिछले कई महीनों से बन्द चलते स्थानीय नगर पालिका के वार्ड पार्षद अभिषेक वर्मा ने स्थानीय नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी शिवराज कृष्णा को लिखित में एक ज्ञापन सौंपा है। पार्षद वर्मा ने ज्ञापन में बताया कि पुराना फुलेरा से नगर पालिका कार्यालय तक बने ऑवरब्रिज पर लगी स्ट्रीट लाईटे पिछले कई महिनो से बन्द पड़ी है। इस कारण रात्रि के समय सडक पर घोर अंधेरा पसरा रहता है। इसके चलते लोगो को इधर से आने जाने में काफी परेशानीयों का सामना करना पड़ रहा है। रात्रि में ऑवरब्रिज की लाईट बन्द होने के कारण राहगीरो एवं वाहन चालको के साथ प्रतिदिन विभिन्न प्रकार की घटना व दुर्घटनाओं होने की सम्भावनाएँ बनी रहती है। इसी क्रम में ज्ञापन के माध्यम से बताया कि दिपावली का त्यौहार भी नजदीक है तथा उक्त ऑवरब्रिज से काफी आवागमन होना सम्भव है। उक्त स्ट्रीट लाईटो को जल्दी ही दुरूस्त करवाने का आग्रह किया।

गहलोत ने चुनावी सभा को सम्बोधित किया

दौसा। प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि कांग्रेस नेताओं से डॉ. किरोडीलाल मीणा की सेटिंग की बात महज अफवाह है, ये अफवाह भी भाजपा वाले ही फैला रहे है। लोकतंत्र को बचाना है तो कांग्रेस को वोट देकर विजयी बनाये मुख्यमंत्री अशोक गहलोत शुक्रवार को दौसा विधानसभा से रहे थे। उन्होने कहा कि कृषि मंत्री होना बहुत बड़ी बात है। कृषि मंत्री किसानों के लिए बहुत कुछ कर सकते हैं। लेकिन इस्तीफे का नाटक कर उन्होंने किसानों का कोई भला नहीं किया है। इस्तीफा क्यों दिया यह भी अब सबको पता चल गया है। डॉ. किरोड़ी नान इश्यू को इश्यू, बात का बतंगड बनाते हैं, कभी धरना देते हैं कभी इस्तीफा, भाजपा की सरकार नहीं यह सर्कस है। उन्होंने जनता में भ्रम फैलाकर सरकार बना ली। उन्होने कहा कि हमारी योजनाओं को भाजपा सरकार बंद कर रही है। जिन योजनाओं पर मेरे फोटो लगे थे उन फोटो को हटाने के लिए मैंने बोल भी दिया। लेकिन मुख्यमंत्री भजनलाल ने जवाब देना नहीं सीखा तथा हमारी सरकार द्वारा बनाई गई 182 योजनाओ को बंद कर दिया। हमने किसानो, जरुतमंद, गरीब तबके के लिए योजनायें बनाई, उनको प्रति माह खादय सामग्री उपलब्ध कराई जाती थी, ऐसी योजनाओ को भाजपा सरकार ने बंद कर दी। उन्होने कहा कि कांग्रेस नेताओं से डॉक्टर किरोड़ी की सेटिंग की बात महज अफवाह है। ये अफवाह भी उनके द्वारा ही फैलाई जा रही है हमारी पार्टी 36 कौम को साथ लेकर चलने वाली पार्टी है, हमने एक इमानदार एवं कर्मठ कार्यकर्ता को टिकट दिया है। उन्होंने कहा कि ईडी, सीबीआई को मुक्त कराना है, लोकतंत्र बचाना है तो कांग्रेस को विजयी बनाएं।

कांग्रेस प्रत्याशी ने किया नामांकन दर्ज

टोंक। कांग्रेस प्रत्याशी कस्तूरचन्द मीणा ने 25 नवम्बर को उपखण्ड अधिकारी उनियारा कार्यालय में अपना नामांकन दर्ज कराया। नामांकन के दौरान टोक-सवाईमाधोपुर सांसद हरिश मीणा, आमेर विधायक प्रशान्त शर्मा, बून्दी विधायक हरिमोहन शर्मा एवं टोंक जिला कांग्रेस कमेठी के जिलाध्यक्ष हरि प्रसाद बैरवा साथ रहे। नामांकन के अवसर पर सैकडो कार्यकर्ता मोजूद रहे। निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा ने समर्थकों के साथ कांग्रेस प्रत्याशी के.सी मीणा की उनियारा खेल स्टेडियम में चल रही सभा में घुसने की कोशिश की तथा सभा स्थल के बाहर पुलिस और नरेश मीणा समर्थकों में हुई खींचतान। नरेश मीणा के समर्थकों ने सभा स्थल के पास सांसद हरीश चंद्र मीणा के खिलाफ जमकर की नारेबाजी, जिस पर पुलिस जवानों ने नरेश मीणा समर्थकों को समझाईश कर सभास्थल से बाहर किया।

बैठक हुई

दूदू । जिला सहकारी विकास समिति की उप समिति, संयुक्त कार्य समिति (जे.डब्ल्यू.सी.) की बैठक का आयोजन शुक्रवार को अतिरिक्त जिला कलक्टर की अध्यक्षता में जिला कलेक्ट्रेट में हुआ। बैठक में जिले में पेक्स/डेयरी/ मत्स्य सहकारी समितियोंके गठन व पंजीकरण, समितियों के गठन के लिए किसानों को संगठित करने, निदेशक मंडल का गठन करने,निष्क्रिय समितियों की पहचान करने तथा जिले में सहकारिता विकास से संबंधित संस्थाओं में समन्वय स्थापित कर कार्य योजनाओं को लागू करने के संबंध में चर्चा की गई।

'भाजपा हर वर्ग को साथ लेकर चलने वाली पार्टी'

- बालकिशन जांगिड़ का भाजपा में आने पर सभी ने उनका अभिनंदन किया

सांभरझील। ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री निर्मल कुमावत ने शुक्रवार को कहा कि भाजपा हर वर्ग को साथ लेकर चलने वाली पार्टी है साथ ही पार्टी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई। भाजपा की सक्रिय सदस्यता ग्रहण करने के दौरान उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ही समाज के हर वर्ग को साथ लेकर तथा सबका साथ सबका विकास की अवधारणा पर चलने वाली विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक इकाई है। आज मुझे पुन: नियमित रूप से भाजपा की सक्रिय सदस्यता ग्रहण करके अत्यंत गौरव की अनुभूति हो रही है। यह हर भारतवासी के लिए गौरव का विषय है।

जिला संयोजक हृदय सुमन पारीक ने एक विशेष कार्यक्रम में उन्हें पार्टी की सक्रिय सदस्यता ग्रहण कराई। इस मौके पर सांभर चेयरमैन बालकिशन जांगिड़ का कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आने पर सभी ने उनका अभिनंदन भी किया। फुलेरा नेता प्रतिपक्ष संजय पारीक, सीताराम बासनीवाल नेता प्रतिपक्ष रेनवाल, पूर्व मंडल अध्यक्ष महावीर प्रसाद जैन, भाजपा फुलेरा के महामंत्री मोहित कारडिया, सांभर मंडल अध्यक्ष जितेंद्र डांगरा, नरेना शहर मंडल अध्यक्ष नटवर पारीक, दक्षिण मंडल अध्यक्ष नंदसिंह, उत्तर मंडल अध्यक्ष बाबूलाल यादव, सांभर चेयरमैन बालकिशन जांगिड़, पंचायत समिति सदस्य जगदीश दादरवाल, सरपंच जगन्नाथ यादव, दयाल सिंह, दक्षिण महामंत्री रवि कुमावत शाहिद अनेक कार्यकर्ताओं की मौजूदगी रही। आगामी रणनीतियों पर विचार-विमर्श किया गया और कार्यकर्ताओं को सदस्यता अभियान में अधिक से अधिक जन भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। यह अभियान उत्साह के साथ आगे बढ़ रहा है, और पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने में सक्रिय सदस्यता अभियान का महत्वपूर्ण योगदान रहेगा। निर्मल कुमावत ने सभी उपस्थित कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।

शिक्षक संघ का दो दिवसीय शिक्षक सम्मेलन

शाहपुरा । शहर में स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक बालिका विद्यालय परिसर में राजस्थान प्रगतिशील शिक्षक संघ का दो दिवसीय जिला सम्मेलन पूर्व जिला परिषद सदस्य राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव जगदीश मीणा के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुआ। इस दौरान मीणा ने कहा कि सरस्वती के पुजारी राष्ट्र निर्माता शिक्षक वर्ग देश एवं प्रदेश के विकास के लिए शिक्षा के क्षेत्र में अपनी महत्व भूमिका निभाने का कार्य करे। कार्यक्रम आयोजन के जिला अध्यक्ष प्रहलाद जाट ने जिला सम्मेलन की रूपरेखा के बारे में बताया। अध्यक्षता की विशिष्ट अतिथि शिक्षक संघ राजस्थान के संरक्षक जगदीश मीणा खेलना ने की। कार्यक्रम में शिक्षक नेता भागीरथ जांगिड़, पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी मोहनलाल जाट ने धन्यवाद भाषण दिया। ब्लॉक अध्यक्ष महावीर जाट ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। मौके पर शिक्षक नेता रोहिताश, कैलाश यादव, फूलचंद चौधरी, बाबूलाल सैनी सहित सैकड़ो लोग मौजूद थे।

देवली से कांग्रेस प्रत्याशी कस्तूर मीणा ने किया नामांकन

चौरु/उनियारा। देवली-उनियारा विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी कस्तूर चंद मीणा ने शुक्रवार को अपना नामांकन दाखिल किया। मुहुर्त के अनुसार कांग्रेस प्रत्याशी ने अधिकारी कार्यालय में अपना नामांकन प्रस्तुत किया। इस दौरान कई कांग्रेसी स्थानीय नेता भी मौजूद रहे।

इस मौके पर प्रत्याशी केसी मीणा ने कहा कि पार्टी ने जिस तरह से मुझ पर भरोसा जताया है, उसके अनुरूप मैं कार्य करूंगा। कार्यकर्ताओं की मेहनत और आमजन से पार्टी जीतेगी। जनता ने मुझे मौका दिया तो आमजन की भावनाओं के अनुरूप कार्य करूंगा। नामांकन के बाद एक जनसभा आयोजित की गई। इसमें पूर्व सीएम अशोक गहलोत और पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा मौजूद रहे जनसभा में पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने कहा कि देवली-उनियारा की जनता कांग्रेस सरकार में हुए कार्यों से खुश है, इसी का परिणाम है कि यहां की जनता ने तीन बार हरीश चंद्र मीणा को जिताया है। राजस्थान के किसी भी गांव में चले जाइए, हर जगह एक ही चर्चा है कि पिछली सरकार में कई विकास कार्य हुए हैं। केंद्र सरकार द्वारा ईआरसीपी योजना का जो एग्रीमेंट बनाया गया है, उसे गुप्त रखा गया है, जिससे आमजन के हितों की सुरक्षा नहीं हो सकी है। राहुल गांधी हर गरीब का साथ देते हैं,चाहे वह किसी भी धर्म या जाति का हो।

चुनाव को लेकर ली समीक्षा बैठक

टोंक। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने कहा कि विधानसभा उपचुनाव में आदर्श आचार संहिता की सख्ती से पालना कराएं। स्वीप गतिविधियों में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए वोटर अवेयरनेस गतिविधियों में कम्यूनिटी की सहभागिता बढ़ाने के लिए माइक्रो प्लानिंग बनाकर कार्य करें।उपचुनाव की तैयारियों की समीक्षा बैठक में चुनाव निष्पक्ष, शांतिपूर्ण संपन्न कराने के अधिकारियों को निर्देश दिए।

मार्ग में भरा नालियों का गंदा पानी, श्रद्धालु परेशान

पावटा। बाबा भूतनाथ जोहडा धाम मंदिर मार्ग के दोनों तरफ नाली के गंदे पानी के निकास के लिए नालियों के अवरुद्ध होने के कारण नालियों का पानी बीच मार्ग मे बह रहा है। मार्ग पर भरे पानी के चलते इस रास्ते से मंदिर जाने के लिए श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना करना पडता है। मोहल्ले में नालियां बनी हुई भी है लेकिन उन्हे बंद कर दिया गया जिसके कारण घरों से निकलने वाला गन्दा पानी बाबा भूतनाथ जोहडा धाम प्राचीन मन्दिर मार्ग में पानी भरा रहने से श्रद्धालुओं को आने-जाने में परेशानी हो रही है। मंदिर में कस्बे व आस पास के गांवों के श्रद्धालुओं द्वारा यहां मनोकामना पूरी होने पर सावमणी, सहित कई धार्मिक आयोजन होते हैं। वही शव यात्रा के दौरान श्मशान व कब्रिस्तान जाने का भी यही एक मात्र मार्ग है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार नालियां बनवाने व बनी हुई नालियों की सफाई की मांग कर चुके हैं यदिदोनों तरफ नालियों का निर्माण नहीं कराया गया तो रास्ते पर घरों का पानी सडक के बीच बहने से जलभराव की स्थिति पैदा हो जाएगी।

मावा, तेल व खाद्य सामग्री के लिए सैंपल

- शुद्ध आहार - मिलावट पर वार अभियान के तहत मालपुरा क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग की दूसरी बड़ी कार्यवाही

मालपुरा। आयुक्त खाद्य सुरक्षा व औषधि नियंत्रण इकबाल खॉन के निर्देशों की पालना में आमजन को शुद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध करवाये जाने के लिए विभाग द्वारा शुरू किय विशेष अभियान शुद्ध आहार-मिलावट पर वार के तहत शुक्रवार को मालपुरा उपखण्ड क्षेत्र के टोरड़ी कस्बे में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने की कार्यवाही।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अशोक कुमार यादव ने बताया कि शुक्रवार को खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा टोरड़ी कस्बे मे संचालित फर्मो का औचक निरीक्षण कर मदन लाल महेन्द्र कुमार जैन से मूफली व मीरा ब्राण्ड तेल का नमूना, नेमी चन्द राजेन्द्र कुमार जैन से रिफाईन्ड सोयाबीन तेल वीर ब्राण्ड का नमूना , जैन वर्धमान रबड़ी भण्डार से मावा व मावा बर्फ़ का नमूना, जैन मिष्ठान भण्डार से रबड़ी का नमूना, गुरूकृपा मिष्ठान भण्डार से पेड़ा व रबड़ी, श्याम मिष्ठान भंडार से रबड़ी, राष्ट्रीय मिष्ठान भंडार से मावा बर्फ़, भैरू मिष्ठान भंडार से पेड़ा का नमूना लिया गया। उक्त कार्यवाही में खाद्य सुरक्षा अधिकारी सत्यनारायण गुर्जर व सुरेश शर्मा के साथ अविनाष साहू, राजेन्द्र सैनी, रामेष्वर प्रसाद मौजूद रहे।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी सत्यनारायण गुर्जर ने बताया कि मिलवाटी खाद्य तेल, मिलावटी घी, मिलावटी दूध एवं दूध से निर्मित खाद्य पदार्थ (मावा, पनीर इत्यादि) मिलावटी मसाले, अन्य मिलावटी खाद्य सामग्री (पेय पदार्थ, आटा, बेसन, इत्यादि) तथा खुले में खाद्य पदार्थों की बिक्री पर रोकथाम विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। मिलावट पाये जाने पर नियमानुसार मिलावट खोरों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जायेगी

जिला स्तरीय राइजिंग राजस्थान समिट कार्यक्रम हुआ

- 10 हजार 280 करोड़ के 122 हुए एमओयू व 12 हजार लोगों को मिलेगा प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार

कोटपूतली-बहरोड़ । नीमराना के राजविलास होटल में जिला स्तरीय राइजिंग राजस्थान समिट कार्यक्रम का आयोजन हुआ जिसमें 10 हजार 280 करोड़ के 122 एमओयू हस्तांतरित किए गए जिससे 12 हजार 800 लोगों को प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा। इस दौरान जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेंद्र सिंह ने कहा कि भौगोलिक दृष्टि से राजस्थान सबसे बड़ा प्रदेश है तथा भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए उद्यमी रोजगार का सृजन करते हुए विकसित भारत तथा विकसित राजस्थान की संकल्पना को साकार करने में अपनी अहम भूमिका निभाएं।

संभागीय आयुक्त रश्मि गुप्ता ने अपने उद्बोधन में वाटर हार्वेस्टिंग तथा वाटर रिचार्ज सिस्टम की महत्ता को समझाते हुए सभी उद्यमी अपने स्थापित उद्यम में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम जरूर स्थापित करवाए, उन्होंने कहा कि पानी की एक-एक बूंद को सहेजना तत्कालीन स्थितियों के लिए अत्यंत आवश्यक है। रीको क्षेत्र में स्थापित उद्योगों के लिए रीको द्वारा इस विषय पर गंभीरता से कार्य प्रारंभ चुका है तथा रीको को क्षेत्र के अलावा सामान्य इलाकों में भी वाटर हार्वेस्टिंग की संरचनाएं विकसित की जाएगा।

वहीं आबकारी आयुक्त तथा जिले के प्रभारी सचिव शिव प्रसाद नकाते ने राज्य सरकार द्वारा उद्यमियों के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं का लाभ तथा छूट प्राप्त कर जिले में और अधिक निवेश करने के लिए प्रोत्साहित किया इसके साथ ही उन्होंने ग्रीन एनर्जी पर बल देते हुए सोलर ऊर्जा को अपनाकर अपने उत्पादन की लागत और भी कम की जा सकती है, इसके साथ ही उन्होंने सभी उद्यमियों को आश्वासन दिया कि उनके समक्ष आने वाली सभी समस्याओं का समाधान तय समय अवधि में किया जाएगा जिला प्रशासन द्वारा नियमित रूप से मॉनिटरिंग की जाएगी जिनकी समीक्षा जिला प्रभारी सचिव के रूप में नियमित रूप से समीक्षा की जाएगी। एमओयू करने पर उद्यमियों का आभार जताया। इसके साथ ही 9 से 11 दिसंबर को राज्य स्तरीय राइजिंग राजस्थान समिट में भाग लेने के लिए सभी उद्यमियों को आमंत्रित भी किया। आपको बता दें कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा को साकार करते हुए राइजिंग राजस्थान समिट ने ग्रीन एनर्जी की तरफ कदम आगे बढ़ाते हुए ऊर्जा ग्लोबल लिमिटेड संस्थान द्वारा राइजिंग राजस्थान समिट के तहत 4 हजार 200 करोड़ रुपए का एमओयू किया गया।

अगर मैंने टेस्ट क्रिकेट खेलने का सपना छोड़ दिया तो यह उस युवा ग्लेन मैक्सवेल के साथ अन्याय होगा जिसने बचपन से ही किसी भी कीमत पर बैगी ग्रीन कैप पहनने का सपना देखा था। - ग्लेन मैक्सवेल

ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी, टेस्ट क्रिकेट खेलने की इच्छा जताते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी विनेश फोगाट

रेसलर से नेता बनी विनेश फोगाट ने अपने राजनीतिक करियर की आधिकारिक शुरुआत की। विनेश चुनाव के बाद पहली बार विधानसभा पहुंची और इस दौरान उनके कपड़ों ने सभी का ध्यान खींचा। पूरे चुनाव प्रचार के दौरान जो विनेश सूट सलवार में नजर आईं। शपथ लेने के लिए उन्होंने पेरिस ओलंपिक की जर्सी को चुना। उनके इस फैसले से ये सवाल भी खड़ा हो रहा है कि क्या विनेश फोगाट रेसलिंग से संन्यास के फैसले पर यू टर्न लेंगी। विनेश फोगाट के लिए पेरिस ओलंपिक एक बुरा सपना साबित हुआ था। वह फाइनल मुकाबले खेलने से पहले डिस्क्वालिफाई हो गईं थीं।

क्या आप जानते हैं ?... टेस्ट क्रिकेट इतिहास का पहला टेस्ट इंग्लैंड व ऑस्ट्रेलिया के मध्य 1877 में मेलबोर्न में खेला गया था। इसे ऑस्ट्रेलिया ने 45 रन से जीता।

मिचेल सैंटनर के सामने पस्त नजर आए भारतीय बल्लेबाज

301 की बढ़त के साथ न्यूजीलैंड

पुणे, 25 अक्टूबर। मिचेल सैंटनर (सात विकेट) की घातक गेंदबाजी के बाद कप्तान टॉम लेथम (86) रनों की जुझारू पारी की बदौलत न्यूजीलैंड ने दूसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन शुक्रवार को भारत को पहली पारी में 156 के स्कोर पर समेट कर दूसरी पारी में पांच विकेट पर 198 रनों के साथ 301 की बढ़त हासिल कर मैच पर अपनी मजबूत पकड़ बना ली है।

दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी कप्तान टॉम लेथम और डेवन कॉन्वे की सलामी जोड़ी ने सधी हुई शुरुआत की। 10वें ओवर में वॉशिंगटन सुंदर ने डेवन कॉन्वे (17) को पगबाधा आउट कर भारत को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद आर अश्विन ने विल यंग (23) को पगबाधा आउट कर पवेलियन भेज दिया। रचिन रविंद्र (नौ), डैरिल मिचेल (18) तथा टॉम लेथम (86) को वॉशिंगटन ने अपना शिकार बनाया।

दिन का खेल समाप्त होने के साथ न्यूजीलैंड ने 53 ओवर में पांच विकेट के नुकसान पर 198 रन बना लिये थे और उसकी कुल बढ़त 301 रन हो गई है। टॉम ब्लंडल (नाबाद 30) और ग्लेन फिलिप्स (नौ) रन क्रीज पर थे।

भारत की ओर आज के हीरो भी वॉशिंगटन सुंदर रहे। उन्होंने 19 ओवर में 56 रन देकर चार विकेट लिये। वहीं आर अश्विन को एक विकेट मिला। इससे पहले न्यूजीलैंड ने भारत पहली पारी में 156 के स्कोर पर समेटते हुए 103 रनों की बढ़त हासिल कर ली थी।

कल के एक विकेट पर 16 रन से आगे खेलते हुए भारत को आज शुभमन गिल (30) के रूप में पहला झटका लगा। इसके बाद अगले बल्लेबाज विराट कोहली (एक) रन बनाकर पवेलियन लौट गये। न्यूजीलैंड के स्पिनरों की कसी हुई गेंदबाजी के सामने भारत ने यशस्वी जायसवाल (30), सरफराज खान (11) और ऋषभ पंत (18) भी बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे। आर अश्विन (चार) रन बनाकर आउट हुये। भोजनकाल तक भारत ने सात 107 के स्कोर पर अपने सात विकेट गवां दिये थे। लगातार गिरते विकेटों के बीच रवींद्र जडेजा ने 46 गेंदों पर (38) रनों की जुझारू पारी खेली। उनके आउट होने के बाद अगले बल्लेबाज आकाश दीप (छह) रन बनाकर आउट हुए। निचलेक्रम में बल्लेबाजी के लिए आए वाशिंगटन सुंदर ने नाबाद 18 रन की पारी खेली। भारतीय टीम 45.3 ओवर में 156 के स्कोर पर सिमट गई।

न्यूजीलैंड की ओर से मिचेल सैंटनर 19.3 ओवर में 53 रन देकर सात विकेट लिये। ग्लेन फिलिप्स को दो विकेट मिले। टिम साउथी ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

विराट कोहली की खराब फॉर्म जारी

विराट कोहली न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में खराब शॉट खेलकर आउट हुए। कोहली खेल के सबसे लंबे प्रारूप में पिछले कुछ मैचों में बड़ी पारी नहीं खेल सके हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में उन्होंने 70 रन बनाए थे और दूसरे मैच में वह पहली पारी में सिर्फ एक रन बना सके, जिसके कारण उनके फॉर्म पर सवाल उठने लगे हैं। वहीं पूर्व गेंदबाज अनिल कुंबले का मानना है कि विराट कोहली को लंबे टेस्ट सीजन शुरू होने से पहले घरेलू क्रिकेट में खेलने का फायदा हो सकता था। पहली पारी में विराट कोहली मिचेल सैंटनर की फुलटॉस गेंद पर क्लीन बोल्ड हो गए।

भारत ने न्यूजीलैंड को रोमांचक 3-3 से ड्रॉ पर रोका

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर। न्यूजीलैंड के खिलाफ सुल्तान जोहोर कप में शुक्रवार को खेले गए राउंड रॉबिन मुकाबले में भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 3 . 3 से ड्रॉ खेला। गुरजोत सिंह (छठा मिनट), रोहित (17वां) और टी प्रियव्रत (60वां) ने भारत के लिये गोल किये जबकि ड्रैग फ्लिकर जॉटी एल्मेस (17वां, 32वां और 45वां मिनट) ने न्यूजीलैंड के लिये हैट्रिक लगाई भारत अंकतालिका में 10 अंकों के साथ शीर्ष पर है। फाइनल में पहुंचने पर फैसला ब्रिटेन और आस्ट्रेलिया के क्रमश: जापान और मलेशिया के खिलाफ होने वाले मैचों के आधार पर होगा। भारत ने दमदार शुरूआत की और छठे ही मिनट में गुरजोत ने गोल किया।

सब जूनियर और जूनियर नेशनल स्क्वैश में राजस्थान को 4 कांस्य

जयपुर, 25 अक्टूबर। कोलकाता में शुक्रवार को संपन्न हुई नेशनल सब जूनियर और जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप में राजस्थान के खिलाड़ियों ने चार कांस्य पदक अपने नाम किए। राजस्थान के चारों खिलाड़ी सेमी फाइनल में हार गए थे। पदक विजेता खिलाड़ियों में तीन खिलाड़ी सवाई मानसिंह स्टेडियम स्थित राजस्थान स्क्वैश एकेडमी के हैं।

एकेडमी की संचालक सुरभि मिश्रा के अनुसार राजस्थान की दिव्यांशी जैन ने अंडर-13 गर्ल्स के क्वार्टर फाइनल में तमिलनाडु की दीपा देबीराम को 13-15, 11-4, 11-8, 11-9 से हराया लेकिन सेमी फाइनल में तमिलनाडु की ही गौशिका के हाथों 13-11, 8-11, 8-11, 6-11 से हार के साथ उन्हें कांस्य से संतोष करना पड़ा। अंडर-17 गर्ल्स में याशी जैन ने कांस्य पदक जीता। जोधपुर की याशी को सेमी फाइनल में टॉप सीड दिल्ली की अनाहत सिंह ने सीधे सेटों में 11-3, 11-1, 11-2 से शिकस्त दी। याशी ने इससे पहले क्वार्टर फाइनल में तमिलनाडु की आर्या द्विवेदी को 7-11, 11-7, 11-6, 9-11, 11-3 से हरा अंतिम चार में जगह बनाई थी।

लड़कों के अंडर-19 वर्ग में अवलोकित सिंह ने उत्तर प्रदेश के अंश त्रिपाठी को 11-9, 11-2, 8-11, 11-9 से हरा अंतिम चार में जगह बनाई लेकिन सेमी फाइनल में उन्हें महाराष्ट्र के अयान वजीरअली से 7-11, 7-11, 4-11 से हार का सामना करना पड़ा। इसी तरह अंडर-17 वर्ग के क्वार्टर फाइनल में सुभाष चौधरी ने क्वार्टर फाइनल में रचित शाह को 11-5, 11-9, 11-2 से हरा सेमी फाइनल में प्रवेश किया। लेकिन वे भी सेमी फाइनल में आर्यवीर दीवान से 12-10, 6-11, 6-11, 8-11 से हार गए।

अर्जुन इरिगैसी ने रचा इतिहास

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर। शतरंज खिलाड़ी अर्जुन इरिगैसी ने गुरुवार को यूरोपीय शतरंज क्लब कप में लाइव रेटिंग में 2800 रेटिंग क्लब में प्रवेश करके इतिहास रच दिया। शतरंज के इतिहास में दुनिया के केवल 16 खिलाड़ियों ने लाइव रेटिंग में मार्क 2800 को छुआ है। जो वास्तविक समय में अपडेट की जाती है। हालांकि, अब तक प्रकाशित रेटिंग में केवल 14 खिलाड़ी 2800 क्लब में थे, जिन्हें मासिक आधार पर अपडेट किया जाता है। भारत के एक अन्य शतरंज खिलाड़ी अनीश गिरी ने लाइव रेटिंग में 2800 का आंकड़ा छू लिया था, लेकिन जब मासिक प्रकाशित रेटिंग जारी की गई तो वह अपनी जगह कायम नहीं रख पाए। मौजूद समय में अर्जुन इरिगैसी के अलावा तीन खिलाड़ी है। जिनकी लाइव रेटिंग 2800 से अधिक है।

जनरल अमर सिंह कानोता कप टूर्नामेंट : जयपुर ने आरपीसी को और कानोता पोलो / स्पेक्ट्रम ने वी पोलो को हराया

जयपुर, 25 अक्टूबर। जनरल अमर सिंह कानोता कप (04 गोल) टूर्नामेंट में जयपुर ने आरपीसी को 6.1/2-8 से हराया। दूसरे मैच में कानोता पोलो/स्पेक्ट्रम पोलो ने वी पोलो को 7-8 से हराया। जयपुर टीम की ओर से महाराज पदमनाभ सिंह ने विरोधी टीम पर लगातार 4 गोल कर अपनी टीम की जीत पक्की की। वाट्सन ने भी 4 गोल किये वहीं आरपीसी की ओर से सिद्धांत सिंह ने 1, एलेन ओर रणशेय ने 2-2 गोल किये।

कानोता पोलो/स्पेक्ट्रम पोलो की ओर से प्रताप सिंह ने उम्दा खेल का प्रदर्शन करते हुए 3 गोल किये, मजीनी ने आज फिर वी पोलो पर ताबड़तोड़ खेल खेलते हुए 5 गोल कर अपनी टीम को जीत दिलाई वहीं वी पोलो की ओर से सराहनीय खेल दिखाते हुए निमित मेहता ने 4 गोल किये लेकिन अपनी टीम को हार से नही बचा सके। इनके अलावा अंगद कलान ने भी 2, यनजोंन ने भी 1 गोल किया।

जोर्जिया में वुशू खिलाड़ी अमित कटारिया कांस्य पदक जीतकर लौटे

जयपुर, 25 अक्टूबर। बुटामी, जोर्जिया में आयोजित हुई जार्जिया इंटरनेशनल वुशू प्रतियोगिता 18 से 23 अक्टूबर 2024 तक जयपुर के खिलाड़ी अमित कटारिया ने शानदार प्रदर्शन करते हुये देश के लिए कांस्य पदक जीता। ममता वर्मा, महासचिव, राजस्थान वुशू संघ ने बताया कि अमित कटारिया ने 90 किलोग्राम भारवर्ग में ईरान व आर्मेनिया के खिलाड़ियों के साथ शानदार प्रदर्शन करते हुये कांस्य पदक जीत देश व प्रदेश का नाम रोशन किया। अंतराष्ट्रीय वूशू खिलाड़ी जॉर्जिया यूरोप में कांस्य पदक विजेता अमित कटारिया ने आज राजस्थान सरकार के खेल एवं युवा मामराज मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौर से मुलाकात कर उनसे आशीर्वाद लिया और खेल मंत्री ने अमित को राज्य सरकार से जो भी मदद होगी दिलाने का आश्वासन दिया, केंद्रीय पर्यटन एवं सांस्कृतिक मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत से कांस्य पदक विजेता भारतीय वूशू टीम के अमित कटारिया ने आज मुलाकात कर आशीर्वाद लिया और गजेंद्र शेखावत ने अमित को आशीर्वाद देकर कहा कि और अधिक मेहनत करो, नाम रोशन करो और देश के लिए स्वर्ण पदक लेकर आओ। अमित के साथ मिलने वालों में उनके पिताजी हीरानन्द कटारिया, अंतर्राष्ट्रीय वॉलीबॉल खिलाड़ी लवमीत कटारिया, हनुमान सहाय जांदू थे।

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

रणजी मैच : राजस्थान-गुजरात के बीच आज एसएमएस स्टेडियम में

जयपुर, 25 अक्टूबर। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक व विधायक जयदीपबिहाणी के अनुसार बीसीसीआई के घरेलू क्रिकेट सत्र 2024 -25 की राष्ट्रियक्रिकेट प्रतियोगिता रणजी ट्रॉफी अपने पहले दो रणजी मुकाबलों में राजस्थान रणजी टीम ने शानदार शुरुआत करते हुए जयपुर में खेले गए पहले मैच में पॉन्डिचेरी के विरुद्धपहली पारी की बढ़त व अपने दूसरे मैच धर्मशाला में हिमाचल के विरुद्ध मिली शानदार जीत के बाद कल दिनांक 26 अक्टूबर 2024 से जयपुर के सवाई मान सिंह स्टेडियम पर राजस्थान रणजी टीम का तीसरा रणजी मुकाबला गुजरात के साथ खेला जायेगा। पहले दो रणजी मुकाबलों में राजस्थान टीम ने बल्लेबाजी व गेंदबाजी दोनों के क्षेत्रों में शानदार प्रदर्शन किया था, टीम के लिए दीपक हुड्डा, अभिजीत तोमर, यश कोठारी, महिपाल लोमरोर, कुणाल सिंह, दीपक चाहर, अनिकेत चौधरी शानदार फॉर्म में हैं।

नाम परिवर्तन

मैं आर्मी नं.-15690987Y रैंक हवलदार खेडेकर नारायण समाधन निवासी अंतरी खेडेकर, बुलढाना, महाराष्ट्र ने भविष्य के लिए अपने सर्विस रिकॉर्ड में अपने पुत्र का नाम सिद्धांत से बदलकर सिद्धांत नारायण खेडेकर कर लिया है।

I have changed my name from Vijay Kanwar Singh to Vijaya Kanwar Singh for all purposes R/o Castle Mehru Ward No. 2 Near Malpura, Mehru, Tonk (Raj.)

नाम परिवर्तन

मैं आर्मी नं.-15690987Y रैंक हवलदार खेडेकर नारायण समाधन निवासी अंतरी खेडेकर, बुलढाना, महाराष्ट्र ने भविष्य के लिए अपने सर्विस रिकॉर्ड में अपने पुत्र का नाम सिद्धांत से बदलकर सिद्धांत नारायण खेडेकर कर लिया है।

I have changed my name from Vijay Kanwar Singh to Vijaya Kanwar Singh for all purposes R/o Castle Mehru Ward No. 2 Near Malpura, Mehru, Tonk (Raj.)

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य श्री शमशुद्दीन शेख पुत्र श्री रोशन अली उम्र 44 वर्ष जाति मुसलमान निवासी प्लाट नं. सी-266, 267 विद्याधर नगर, जयपुर हाल निवासी प्लाट नं. झ-2/22, हाऊसिंग बोर्ड शास्त्री नगर जयपुर राजस्थान ने अपने पुत्र अरशद अली शेख को उसकी नाफरमानियों की वजह से अपनी तमाम चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया हैं व उन्होंने अरशद अली शेख से अपने तमाम रिश्ते तोड लिये हैं अब मेरे अभिभाष्य शमशुद्दीन शेख व उसके परिवार से अरशद अली शेख का कोई सरोकार नहीं रहा है कोई भी व्यक्ति भविष्य में अरशद अली शेख से किसी भी प्रकार का कोई कार्य व लेन-देन नहीं करें अगर कोई करता हैं तो वह उसकी स्वयं जिम्मेदार होगा। सूचित रहे।
दिनांक-25.10.2024 (हुसैन बख्श), एडवोकेट
जयपुर मो.नं. 9828020514

आम सूचना

मैं ओमप्रकाश वर्मा पुत्र श्री गोविन्द राम वर्मा 18, मोहनपुरा मदाऊ, रामपुरा मार्ग, हनुमान जी के मन्दिर के पास, सांगानेर, जयपुर मेरे द्वारा भूखण्ड संख्या D- 171, संयुक्त गृह निर्माण सहकारी समिति की योजना विधानसभा नगर, ग्राम धौलाई, तहसील- सांगानेर में अनिल जैन पुत्र शिखरचंद जैन से क्रय करने का इकरारनामा किया है। किसी अन्य भूखण्डधारी- सोसाइटी, सहकारिता विभाग, जयपुर विकास प्राधिकरण या अन्य किसी दावेदार को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन के दस दिवस में नीचे दिये मोबाइल नम्बर पर मय सबूत आपत्ति प्रस्तुत करें, बाद में कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी। ओमप्रकाश वर्मा, मो.- 9950009317

कार्यालय उप आवासन आयुक्त, वृत्त- तृतीय, राजस्थान आवासन मंडल, जवाहर सर्किल जयपुर
जे.एल.एन मार्ग, जवाहर सर्किल के पास जयपुर 0141-4901853

आम जाहिर सूचना

राजस्थान आवासन मण्डल, जयपुर द्वारा आवास /फ्लैट संख्या-13/430 (जी.एफ.) मालवीय नगर जयपुर, क्षेत्रफल 23.520 वर्ग मीटर का नियमितिकरण एवं अदेय प्रमाण पत्र क्रमांक 536 दिनांक 06.05.2010 श्रीमती कस्तुरी देवी पत्नी श्री कानाराम धोबी के पक्ष में जारी किया गया था। श्रीमती कस्तुरी देवी की मृत्यु दिनांक 06/05/2023 को जाने के कारण श्रीमती धापू देवी पत्नी श्री सुग्रीव लाल के द्वारा आवेदन पत्र के साथ क्षतिपूर्ति बन्धक पत्र, शपथ पत्र, पंजीकृत वसीयतनामा की छाया प्रति एवं मृत्यु प्रमाण पत्र की मूल प्रति इत्यादि प्रस्तुत कर उक्त आवास /फ्लैट का प्रतिस्थापन अपने नाम से करने का निवेदन किया गया है। अतः उक्त आवास / फ्लैट के प्रतिस्थापन के संबंध में किसी भी व्यक्ति/ बैंक/ संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त आवेदनकर्ता श्रीमती धापू देवी पत्नी श्री सुग्रीव लाल के नाम से उक्त आवास/ फ्लैट की प्रतिस्थापन की कार्यवाही कर दी जावेगी।
संपदा प्रबंधक, राजस्थान आवासन मंडल, वृत्त- तृतीय, जयपुर

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

बोली आमंत्रण सूचना

बोर्ड परीक्षा 2025 हेतु विभिन्न प्रकार के लिफाफें निर्माण एंव आपूर्ति (अनुमानित राशि रू 15 लाख) के उपापन हेतु इच्छुक बोलीदाताओं से आनलाईन बोली दिनांक 06.11.2024 को अपरान्ह 3.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। बोली संबंधी विस्तृत विवरण राज्य सरकार के उपापन पोर्टल (http://eproc.rajasthan.gov.in,http://sppp.raj.gov.in एवं बोर्ड वेबसाईट rajeduboard.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
UBN CODE: SEB2425WSOB00034 सचिव

कार्यालय ग्राम पंचायत दोबडा कलां पंचायत समिति स.मा. जिला सवाई माधोपुर
क्रमांक-60 **ई-निविदा सूचना संख्या- 02/2024-25** दिनांक-21.10.2024
पंचायत समिति सवाई माधोपुर के अधीन ग्राम पंचायत दोबडा कलां में विभिन्न योजना में स्वीकृत कार्यो हेतु निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्युरमेंट प्रक्रिया में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित नियम, शर्ते व सम्बन्धी दस्तावेज लोक उपापन की वेबसाईट www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखे एवं डाउनलोड किये जा सकते है।
NIB NO. ZSM2425A0460, UBN NO. ZSM2524WSOB006000
ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत दोबडाकलां, पं.स. सवाई माधोपुर — सरपंच, ग्राम पंचायत दोबडाकलां, पं.स. सवाई माधोपुर

सार्वजनिक सूचना/विज्ञप्ति — जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर
क्रमांक: जविप्रा/उपा./जोन-12/2024/डी-5554 दिनांक : 25.10.2024
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मैसर्स यूटोपिया बिल्डकोन प्रा.लि. जरिये निदेशक श्री आदित्य चौधरी पुत्र श्री फूलचन्द झूडी द्वारा ग्राम किशोरपुरा चारणान तहसील जयपुर के खसरा नंबर 204, 207 का मानचित्र अनुमोदन करने हेतु प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया गया है। प्रकरण में ग्राम किशोरपुरा चारणान तहसील जयपुर में खसरा नं. 179, 180, 182, 183, 184, 185, 204, 205, 207, 209, 211, 214, 215, 221, 259, 177, 178, 212 कुल किता 18 कुल रकबा 40 बीघा 13 बिस्वा, खसरा नं 222, 223, 224, 225, 210 कुल किता 5 कुल रकबा 14 बीघा 12 बिस्वा व खसरा नं. 216, 251, 107, 218 कुल किता 4 कुल रकबा 13 बीघा 1 बिस्वा में 90बी की कार्यवाही प्रकरण सं. 134/05 द्वारा दिनांक 17.12.2005 को की जा चुकी है। अतः ग्राम किशोरपुरा चारणान तहसील जयपुर के खसरा नंबर 204, 207 का मानचित्र अनुमोदन की कार्यवाही करने में किसी भी व्यक्ति, हितधारी, संस्था को कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षरकर्ता को इस सूचना के प्रकाशित होने के 7 दिवस में प्रस्तुत कर देवें। नियत अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर आवेदक के पक्ष में नियमानुसार कार्यवाही कर दी जायेंगी।
उपायुक्त जोन - 12, जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर

कार्यालय उपायुक्त (विद्याधर जोन) नगर निगम ग्रेटर जयपुर
(अम्बाबाडी सामुदायिक केन्द्र, अम्बाबाडी सर्किल, जयपुर)
क्रमांक-एफ.55(1)वि.जोन/न.नि.ज.(ग्रे)/2024/1716
सार्वजनिक सूचना दिनांक-04.09.2024
भूखण्ड सं. 1-ए, वासुदेवपूरी-बी, झोटवाडा, जयपुर (सिन्धु नगर गृह निर्माण सहकारी समिति) जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा प्रभुदयाल पुत्र श्री कानाराम के पक्ष में क्षेत्रफल 146.66 वर्गगज भूमि का पट्टा विलेख जारी किया गया था। मुल आवंटी की मृत्यु उपरान्त पंजीकृत हकत्याग पत्र के आधार पर श्री पिन्टू प्रजापत, श्री लेखराज प्रजापती पुत्रान श्री प्रभुदयाल प्रजापत ने भूखण्ड सं. 1-ए, वासुदेवपूरी-बी, झोटवाडा, जयपुर (सिन्धु नगर गृह निर्माण सहकारी समिति) का नाम हस्तान्तरण चाहा गया है। उक्त भूखण्ड के नाम हस्तान्तरण बाबत किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म, कम्पनी को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो 07 कार्य दिवस में अधोहस्ताारकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा निर्धारित अवधि की समाप्ति के बाद विधिवत नियमानुसार नाम हस्तान्तरण की कार्यवाही सम्पादित कर दी जावेगी।
उपायुक्त, विद्याधर नगर जोन, नगर निगम ग्रेटर, जयपुर

D.N 219/21-10-24
उद्घोषणा (इश्तिहार) न्यायालय (राज.)
व्यवहार मिश्रित (मुत्तफरिक) वाद सं. 271/24
विषय- उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना पत्र।
प्रार्थी-नाम श्रीमती हीरा देवी W/o स्व. श्री सूरजमल जाति बलाई
विवाद स्थान- R/o- बुनकर मोहल्ला, ग्राम घेवता, तहसील विराटनगर, जिला कोटपुतली (राज.)
मृतक स्व. प्रहलाद बुनकर की सम्पत्ति के विषय में।
पेशी दिनांक - 3-12-24
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, उपरोक्त प्रार्थी/ प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि मृतक, नाम स्व. प्रहलाद बुनकर पुत्र स्व. श्री कालूराम जाति बलाई निवासी वार्ड-6, ग्राम घेवता, तह. विराटनगर, जिला कोटपुतली (राज.) का उत्तराधिकारी स्वीकार कर उसके पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र, प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, प्रदान किया जावे।
अत: उक्त प्रार्थना-पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 3 माह 12 सन् 2024 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
आज दिनांक 21 माह 10 सन् 2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रांकन से जारी किया गया।
(मुहर) आज्ञा न्यायालय से, वरिष्ठ मुंसरिम, जिला एवं सैशन न्यायालय, जयपुर महानगर द्वितीय

उत्तर पश्चिम रेलवे
खुली ई-निविदा सूचना
व.मं.बि.इंजी. (टीआरडी), उ.प.रे., जयपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के लिये ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। कोई भी मैन्युअल टेण्डर स्वीकार नहीं किया जाएगा और अगर कोई मैन्युअल टेण्डर प्राप्त होता है तो उस पर विचार नहीं किया जाएगा। क्र सं: 1. **एनआईटी संख्या:** ईएल- टीआरडी0 - जेपी- 2024-25-06आर; **कार्य का नाम:** काम्प्रेहैन्सिव एनुअल मेन्टेनेंस कॉन्ट्रैक्ट (सीएएमसी) फॉर कम्प्यूटर बेस्ड स्काडा इक्विपमेंटस् ऑफ मै. सिनर्जी सिस्टम्स एण्ड सोलूशन्स मेक ऑफ अलवर-जयपुर- मदार एण्ड सवाईमाधोपुर-जयपुर-रींगस सेक्शन्स ऑफ जयपुर डिवीजन फॉर पीरियड ऑफ 24 मन्थस। **अनुमानित लागत (रु):** 70,74,572.16; **बिड सिक्युरिटि राशि (रु):** 1,41,500.00; **निविदा खोलने की तिथि:** 14.11.2024; 2. **एनआईटी संख्या:** ईएल- टीआरडी0 - जेपी- 2024-25-08; **कार्य का नाम:** टीआरडी वर्क इन कनेक्शन विद प्रपोज्ड डबल आरओबी एट किमी. 161/9-14 इन कोल्वाग्राम-अरनिया सेक्शन ऑफ जयपुर डिवीजन। **अनुमानित लागत (रु):** 17,59,809.82; **बिड सिक्युरिटि राशि (रु):** 35,200.00; **निविदा खोलने की तिथि:** 14.11.2024; **नोट:** ई-निविदा की अंतिम तिथि एवं समय : निविदा खोलने की तिथि को 15:00 बजे तक; ई-निविदा खोलने की तिथि एवं समय: निविदा खोलने की तिथि को 15:00 बजे के बाद; सम्पूर्ण जानकारी के लिये वेबसाइट का पता: http://www.ireps.gov.in
1245-AN/24
हमें /NWRailways पर फॉलो करें

OFFICE OF THE REGISTRAR, MAHARAJA SURAJMAL BRIJ UNIVERSITY, SAKEETRA KUMHER BHARATPUR
ONLINE INVITING TENDER NOTICE
NIB No Exam/2024-25/1923 Date: 23.10.2024
TENDER NOTICE NO.-11
Maharaja Surajmal Brij University, Bharatpur hereby invites E-bid for pre & post examination work **(Semester System Examination)** separately for two sessions 2024-25 & 2025-26. The bid may be downloaded from **23.10.2024 (12:00 PM)** and last date of submission of the bid is **13.11.2024 (02:00 PM)**. Details of the same may be seen on http://sppp.rajasthan.gov.in or http://eproc.rajasthan.gov.in or University website http://msbrijuniversity.ac.in/notice board.
NIB Code : BUB2425A0013
UBN No. BUB2425SLOB00022
Raj.Samwad/C/24/7016 Registrar

नगर निगम ग्रेटर जयपुर
क्रमांक :- जसअ/2024-25/167 दिनांक: 25.10.2024
निविदा सूचना सं. - 13/2024-25
केन्द्र एवं राज्य सरकार के सभी विभागों में पंजीकृत "AA" "A" श्रेणी के ठेकेदारों एवं नगर निगम जयपुर के उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत निविदादाताओं से बिड अधि0 अभि0 (मालवीय नगर जोन) से सम्बन्धित विकास कार्यो की निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्यो की अनुमानित लागत, टेण्डर बेचे जाने तथा प्राप्त करने की तारीख, टेण्डर शर्त आदि सम्पूर्ण विवरण निविदा सूचना संख्या- 13/2024-25 दिनांक 25.10.2024 से नगर निगम जयपुर ग्रेटर की वेबसाईट www.jaipurmc.org.com व राजस्थान सरकार के पोर्टल http;//sppp.raj.nic.in से अपलोड की जा सकती है। स्टेट पब्लिक प्रोक्योरमेंट पोर्टल का Unique Bid Number (UBN) JMC2425GLOB00773 है।
राज.संवाद/सी/24/7032 — अधिशाषी अभियंता (मालवीय नगर जोन) नगर निगम ग्रेटर जयपुर

दिल्ली विश्वविद्यालय
UNIVERSITY OF DELHI
विज्ञापन नं. आर एंड पी/305/2024 दिनांक-27.09.2024
दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रौद्योगिकी संकाय में 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग वेतन मैट्रिक्स के शैक्षणिक वेतन स्तर 10 में सहायक प्रोफेसर के पद पर नियुक्ति के लिए पात्र उम्मीदवारों से निर्धारित आवेदन पत्र में ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि रोजगार समाचार में विज्ञापन के प्रकाशन की तिथि से दो सप्ताह है। विस्तृत जानकारी के लिए, कृपया विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.du.ac.in पर जाएं और "डीयू के साथ काम करें" शीर्षक के अंतर्गत "विज्ञापन-विभाग" पर क्लिक करें।
कोई भी परिशिष्ट/शुद्धिपत्र केवल विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर ही पोस्ट किया जाएगा।
CBC 21231/12/0011/2425 रजिस्ट्रार

कार्यालय-प्रधानाचार्य राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय हिण्डौन सिटी जिला-करौली (राज.)
क्रमांक: रा./उ./मा./वि./हिण्डौनसिटी/2024/419 दिनांक: 24.10.2024
नीलामी सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि स्थानीय विद्यालय के सामने अंकित राशि की रद्दी एवं अन्य सामग्री की नीलामी की जानी है इच्छुक जी.एस.टी. धारक फर्म/व्यक्ति निर्धारित तिथि में उपस्थित हो कर अमानत राशि 2 प्रतिशत जमा कर कर नीलामी में भाग ले सकते हैं।

क्र.सं.	विद्यालय का नाम	नीलामी योग्य रद्दी एवं अन्य सामग्री की राशि	नीलामी दिनांक
1	पी.एम.श्री रा.उ.मा.वि. हिण्डौन सिटी	49996.50	08.11.2024

प्रधानाचार्य, पी.एम. श्री राजकीय उ.मा.वि. हिण्डौन सिटी

श्रीराम फाइनेंस लिमिटेड
पंजीकृत कार्यालय : श्री टावर्स, प्लाट संख्या 14 ए, साउथ फेज, इंडस्ट्रियल स्टेट, गुंदी, चेन्नई - 600032 तमिलनाडु
शाखा कार्यालय :- 65 ए, पहली मंजिल, सूरज नगर (पश्चिम) अजमेर रोड, सोडाला, जयपुर -302006 राजस्थान
वित्तीय परीसम्पत्तियो के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13 (2) के अंतर्गत मांग/ सुचना पत्र
निम्नलिखित ऋण धारक तथा सह ऋणधारक/ जमानती / मोर्टगेजर ने श्रीराम फाइनेंस लिमिटेड (पूर्व में श्रीराम सिटी यूनियन फाइनेंस लिमिटेड) निचे वर्णित प्रतिभूति ऋण प्राप्त किया था। निचे वर्णित ऋण धारक तथा सह ऋणधारक/ जमानती /मोर्टगेजर का ऋण सम्बंधित संपत्ति को गिरवी द्वारा प्रतिभूत है। चूंकि ये सम्बंधित ऋण अनुबंध के नियमो एवं शर्तो का पालन करने में विफल रहे है तथा इनका ऋण अनियमित हो गया है, अतः भारतीय रिजर्व बैंक के दिशा निर्देशों के अनुसार इनके ऋण को गैर निष्पादित शस्तिया (NPA) के रूप में वर्गीकृत किया गया है। श्रीराम फाइनेंस लिमिटेड (पूर्व में श्रीराम सिटी यूनियन फाइनेंस लिमिटेड) को उनके द्वारा देय राशि सम्बंधित सुचनाओं के अनुसार वर्णित है जिसका विशेष रूप से विवरण उत्तराशि पर अतिरिक्त लागु होने वाले ब्याज जिसकी वसूली सम्बंधित तिथियों से लागू अनुबंधित दर पर की जायेगी, के साथ निचे तालिका में वर्णित है

उधारकर्ता का नाम और पता	मांग पत्र के अनुसार देय राशि	संपत्ति का विवरण
(1) मान सिंह शेखावत पुत्र लक्ष्मण सिंह शेखावत, प्लॉट नंबर 4, शेखावत रेजीडेंसी, ग्राम हिम्मतपुरा, सिरसी के पास- बेगस रोड, पोस्ट- मुंडियारामसर, मुंडियारामपुरा जिला-जयपुर-302012, राजस्थान मान सिंह शेखावत पुत्र लक्ष्मण सिंह शेखावत, 27 वीपीओ, हिम्मतपुरा स्कूल के सामने, झोटवाड़ा, जयपुर-302012, राजस्थान मान सिंह शेखावत पुत्र लक्ष्मण सिंह शेखावत, 61, हनुमान एन्क्लेव, सिरसी रोड, बिंदायका, जयपुर-302012, राजस्थान (उधारकर्ता/ ऋणधारक) (2). अनीता कंवर पत्नी मान सिंह शेखावत, प्लॉट नंबर 4, शेखावत रेजीडेंसी, गांव हिम्मतपुरा, सिरसी के पास- बेगस रोड, पोस्ट- मुंडियारामसर, मुंडियारामपुरा जिला-जयपुर-302012, राजस्थान अनीता कंवर पत्नी मान सिंह शेखावत, 27 वीपीओ, हिम्मतपुरा स्कूल के सामने, झोटवाड़ा, जयपुर-302012, राजस्थान. अनीता कंवर पत्नी मान सिंह शेखावत, 61, हनुमान एन्क्लेव, सिरसी रोड, बिंदायका, जयपुर-302012, राजस्थान (सहउधारकर्ता/ जमानती)	ऋण खाता संख्या:- CDBAJTF2202280001 डिमांड नोटिस दिनांक:-21-10-2024 के संदर्भ रूपए रु.16,83,296/- (सोलह लाख तिरासी हजार दो सौ छियानवे रुपये मात्र) का भुगतान करने के लिए गैर निष्पादित शस्तिया (NPA) की दिनांक :- 07 - 03 - 2024	वह सभी अचल संपत्ति, जिसका माप ग्राउंड फ्लोर निर्माण 1218.70 वर्ग फुट है एवं प्रथम तल 1218.70 वर्ग. फुट. एवं दूसरी मंजिल निर्माण 225 वर्ग. फुट. और 135.40 वर्ग गज भूमि पर निर्मित। प्लॉट नंबर 4 पर, शेखावत रेजीडेंसी, ग्राम हिम्मतपुरा, सिरसी के पास - बेगस रोड, जिला-जयपुर, राजस्थान में भूमि का हिस्सा है जो निम्नानुसार घिरा हुआ है। प्लॉट नंबर 4, शेखावत रेजीडेंसी की सीमाएं इस प्रकार हैं:- उत्तर की ओर : प्लॉट नंबर 3 दक्षिण की ओर : प्लॉट नं 5 पूर्व की ओर : सड़क 30 फीट। पश्चिम की ओर : अन्य भूमि

एतद्द्वारा आपको निर्देशित किया जाता है की इस प्रकाशन की तिथि से 60 दिनों के भीतर उसकी सम्बंधित तिथियों से उस पर अनुबंधित दर पर ब्याज तथा अन्य लागतों, शुल्क आदि के साथ ऊपर तालिका में दर्शाई गई विवरणों के अनुसार श्रीराम फाइनेंस लिमिटेड (पूर्व में श्रीराम सिटी यूनियन फाइनेंस लिमिटेड) की बकाया राशि का भुगतान करें जिसमे विफल होने पर अदोहस्ताक्षरकर्ता श्रीराम फाइनेंस लिमिटेड (पूर्व में श्रीराम सिटी यूनियन फाइनेंस लिमिटेड) की बकाया राशि की वसूली के लिए यहाँ ऊपर वर्णित सम्पति के विरुद्ध (सर्फेसी) वित्तीय परीसम्पत्तियो के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13 (4) तथा धारा 14 के अंतर्गत कार्यवाही प्रारम्भ करेंगे। पुनः आपको बिक्री /पट्टा अथवा अन्य रूप से उक्त प्रतिभूत परिसंपत्ति को अंतरित करने से उक्त अधिनियम की धारा 13 (13) के अंतर्गत निषिद्ध किया जाता है। Sd/-
स्थान: जयपुर — अधिकृत अधिकारी
दिनांक: 26-10-2024 — श्रीराम फाइनेंस लिमिटेड

कार्यालय नगर परिषद, हिण्डौन सिटी, जिला करौली (राज.)
क्रमांक:-न.प.हि./2804 दिनांक: 25.10.2024
लोक सूचना

क्र.सं.	नाम	पता
1.	यशवंत कुमार पुत्र श्री झम्मन सिंह, राजेश कुमार पुत्र श्री झम्मन सिंह	हिण्डौन सिटी, जिला-करौली (राज.)
2.	धीरज गर्ग पुत्र श्री पवन कुमार अग्रवाल, राम रूप पुत्र श्री रामस्वरूप	37 शिव सदन पारीक कॉलेज मार्ग बनी पार्क, जयपुर, खिजुवाडा, हिण्डौनकरौली (राज.)

ने कार्यालय में नीचे उल्लेखित भूमि का गैर कृषि प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया हैं, अर्थात्

क्र.सं.	जिला एवं तहसील	ग्राम/कस्बा का नाम	खसरा नम्बर	क्षेत्रफल (है./ऐयर)
1.	करौली/हिण्डौन	हिण्डौन सिटी	3675	0.55
2.	करौली/हिण्डौन	हिण्डौन सिटी	3683, 3684/1	0.21 0.17

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिवस के भीतर-2 किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजो के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।

उपर्युक्त नियत समय के भीतर-2 किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जावेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा।

यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 24.10.2024 को जारी की गई।

आयुक्त, नगर परिषद, हिण्डौन

हमारी सरकार ने किसानों का दुख-दर्द समझा है-भजनलाल

खींवसर में भाजपा प्रत्याशी रेवंतराम डांगा की नामांकन सभा को मुख्यमंत्री ने संबोधित किया

खींवसर, 25 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार किसानों के दु:ख-दर्द को समझती है तथा किसानों से जुड़े प्रत्येक मुद्दे पर काम कर रही है। हमारी सरकार ने किसान सम्मान निधि से लेकर गेंहूँ की एम.एस.पी. तक में बढ़ोतरी की है। प्रदेश में अब सरकार मूँग की एम.एस.पी. पर खरीद कर रही है। उन्होंने कहा कि किसानों के लिए पेयजल एवं सिंचाई में पानी की महत्ता को समझते हुए हमने सरकार में आते ही ई.आर.सी.पी. और यमुना जल समझौते जैसे ऐतिहासिक निर्णय लिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस किसानों की विरोधी है, क्योंकि इनके नेताओं ने तो हरियाणा विधानसभा चुनाव के घोषणा पत्र में यमुना जल समझौते को निरस्त करने का वादा किया था।

शर्मा शुक्रवार को खींवसर में विधानसभा उपचुनाव के भाजपा प्रत्याशी रेवंतराम डांगा के समर्थन में आयोजित नामांकन सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी लूट और झूठ की पार्टी है। इन्होंने अपने घोषणा पत्र में किये गये किसी भी वादे को पूरा नहीं किया, जबकि हमने मात्र 10 महीने में ही संकल्प पत्र में किए गए 50 प्रतिशत वादे पूरे कर दिए हैं तथा आगे भी एक-एक वादे को पूरा किया जायेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गत सरकार के समय हुए पेपरलीक मामलों से युवाओं के सपनों पर कुठाराघात हुआ था। हम युवाओं की आंखों में आंसू लाने वाले अपराधियों को नहीं बख्शेंगे। सरकार द्वारा इन मामलों में अब तक 200 से भी अधिक आरोपियों को सलाखों के पीछे पहुंचा दिया गया है। इनमें से कोई भी बचने वाला नहीं है। उन्होंने कहा कि परीक्षाओं को समय पर आयोजित करवाने के लिए हमने दो साल का भर्ती कलेण्डर परीक्षा परिणामों की तारीख सहित निकाला है। हमारी सरकार युवाओं को पांच वर्ष में चार लाख सरकारी नौकरी देगी, जिनमें से पहले साल में ही हम एक लाख नौकरी दे रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नागौर राजस्थान की हृदयस्थली है। यहां के जवान-किसान मजबूती से काम करते हुए प्रदेश को आगे बढ़ा रहे हैं। हम किसानों को सुचारू रूप से पर्याप्त बिजली देने के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। इसी क्रम में हमने राज्य को ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए 2 लाख 24 हजार करोड़ के एम.ओ.यू. किए हैं।

मुख्यमंत्री ने आमजन से रेवंत राम डांगा को भारी मतों से जिताकर विधानसभा भेजने की अपील की। इस अवसर पर केन्द्रीय पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड, नगरीय विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर, जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत, उद्योग राज्यमंत्री के.के. बिश्नोई, मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग, महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री मंजू बाघमार, किसान आयोग के अध्यक्ष सी आर चौधरी सहित, विधायक, वरिष्ठ पदाधिकारीगण और बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री भजनलाल ने शुक्रवार को खींवसर विधानसभा उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी रेवंतराम डांगा के समर्थन में आयोजित नामांकन सभा को संबोधित किया तथा भाजपा प्रत्याशी को जिताने का आव्हान किया।

- **उन्होंने जनसभा में कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार ने मात्र 10 महीने में 50 प्रतिशत वादे पूरे किये हैं। आगे भी एक-एक वादे को पूरा किया जायेगा।**
- **नामांकन सभा में केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, राज्य के मंत्री गजेन्द्र खींवसर, झाबर सिंह खर्रा, सुरेश रावत, के.के. बिश्नोई, जोगेश्वर गर्ग, मंजू बाघमार, किसान आयोग के अध्यक्ष बी.आर. चौधरी, विधायक व पदाधिकारी उपस्थित थे।**

प्रैस काउन्सिल...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अध्यक्ष रंजना प्रकाश देसाई ने असंतोष जताया तथा फ्रांस की न्यूज़ एजेंसी द्वारा तैयार वर्ल्ड प्रेस फ्रीडम इन्डैक्स की सत्यता पर संदेह व्यक्त किया।

उन्होंने कहा, "रैंकिंग की पद्धति संदिग्ध है तथा पी.सी.आई. ने पहले भी इन रिपोर्ट्स की प्रामाणिकता पर संदेह जताया था।"

देसाई ने कहा कि इंडियन प्रेस फ्रीडम एनुअल रिपोर्ट, जिसे इंडियन फ्रीडम ऑफ एक्सप्रैशन इनिशिएटिव ने बनाया, की प्रामाणिकता की जांच की जानी चाहिए।

महाराष्ट्र चुनाव में हरियाणा के चुनाव नतीजों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भाजपा, एकनाथ शिंदे की शिव सेना को धीरे-धीरे दरकिनार करती जा रही है, क्योंकि उसका मानना है कि केन्द्र सरकार तथा भाजपा नेतृत्व के समर्थन और सहारे के बावजूद शिंदे, उद्धव ठाकरे को कमज़ोर करने में असफल रहे हैं। दूसरी ओर कांग्रेस, जिसने 2019 में केवल एक सीट जीती थी, ने इस बार काफी आगे बढ़ते हुए, 13 सीटें जीती थीं।

टिकट-वितरण तथा मुख्यमंत्री पद की दावेदारी को लेकर भाजपा नेता देवेन्द्र फड़नवीस और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के बीच चल रहा तनाव पहले ही सामने आ चुका है। भाजपा और आर.एस.एस. यह सुनिश्चित करने के लिये अथक प्रयास कर रही हैं कि अगर भाजपा इन चुनावों में सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरती है, तो वह मुख्यमंत्री पद के लिये अपना प्रत्याशी आगे ला सकती है। लेकिन ऐसी संभावना दिखाई नहीं देती कि भाजपा अपने बल पर सरकार बना लेगी। चुनावों के बाद, शिंदे तथा पवार दोनों का ही भविष्य चुनाव-परिणामों पर निर्भर करेगा।

महाराष्ट्र में, भाजपा तथा शिंदे गुट ने चुनाव दो माह विलम्ब से कराने की इच्छा जाहिर की थी, ताकि "लाड़ली बहना योजना" को क्रियान्वित किया जा सके, लेकिन महायुति गठबंधन इसका पूरा लाभ लेने में विफल रहा है। हरियाणा की सफलता के बाद, भाजपा ने सीट-वितरण संबंधी वार्ताओं में शिंदे और अजित पवार पर बढ़त हासिल करने की व्यवस्था कर ली है।

महाराष्ट्र में, मराठा आरक्षण भाजपा के लिये बड़ी महत्वपूर्ण बाधा बन गया है। मनोज जरांगे पाटिल इस आंदोलन के नेता के रूप में उभरे हैं तथ कई सीटों पर उन्होंने अपने प्रत्याशी खड़े कर दिये हैं। ये प्रत्याशी दोनों ही गठबंधनों के वोट काट सकते हैं। पाटिल के समर्थकों का मानना है कि पाटिल भाजपा को हराने के लिये काम कर रहे हैं क्योंकि पूर्व मुख्यमंत्री फड़नवीस के कार्यकाल में, उनके आंदोलन को कमज़ोर करने के प्रयास किये गये थे।

'घर का जोगी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पोस्ट में लिखा था, "हान कांग की "वैजिटेरियन" मेरे बच्चे की स्कूल लाइब्रेरी में "टु बाय" (खरीदने) लिस्ट में है। हमारे बच्चे संभोग के ऐसे कामोत्तेजक वर्णन वाली किताब कैसे पढ़ सकते है?

पोस्ट लिखने वाली ने कहा कि वो स्कूल को इस संबंध में औपचारिक शिकायत करेगी। तथापि, कुछ लोगों का कहना है कि अपने बच्चों को विश्वभर में मान्यता प्राप्त किताब को पढ़ने से रोकना बेतुकी बात है। सिओल के एक हाई स्कूल के एक टीचर ने "द कोरिया हैरल्ड" को बताया "हमें गर्व होना चाहिए कि इस वर्ष का लिटरेचर का नोबल पुरस्कार दक्षिण कोरिया की लेखक को मिला है। वे साहित्य में विश्व का सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार पाने वाली इस क्षेत्र की पहली महिला हैं।"

केजरीवाल पर पद यात्रा के दौरान हमला

मुख्यमंत्री आतिशी ने भाजपा पर गुंडों द्वारा हमला कराने का आरोप लगाया

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर शुक्रवार को दिल्ली में एक रैली के दौरान हमला किया गया। आप ने आरोप लगाते हुए दावा किया कि यह हमला भाजपा ने अपने गुंडों के माध्यम से कराया था। पार्टी ने पुलिस पर भी आरोप लगाते हुए कहा कि दिल्ली पुलिस ने भाजपा के गुंडों को नहीं रोका। बता दें कि आप ने आरोप लगाया है कि भाजपा से जुड़े लोगों ने रविंद केजरीवाल पर शुक्रवार की शाम पश्चिमी दिल्ली के विकासपुरी में उनकी पदयात्रा के दौरान हमला किया।

दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर भाजपा पर आरोप लगाए। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि दिल्ली के लोगों ने देखा है कि भाजपा की गंदी राजनीति कितनी गिर सकती है। उन्होंने कहा, "अरविंद केजरीवाल पर उनकी विकासपुरी पदयात्रा के दौरान भाजपा के गुंडों ने हमला किया था। भाजपा जानती है कि वह आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल को चुनाव में नहीं हरा सकती, इसलिए उन्होंने ऐसी गंदी राजनीति का सहारा लिया है और अरविंद केजरीवाल को मारना चाहते हैं।"

आतिशी ने आगे कहा, "पिछले दो वर्षों में, भाजपा ने अरविंद केजरीवाल को परेशान करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उनके खिलाफ झूठे मामले दर्ज किए और उन्हें गिरफ्तार कर लिया। जब वह जेल में थे, तो भाजपा ने 30 साल के मधुमेह से पीड़ित एक व्यक्ति को इंसुलिन देने से इनकार कर दिया। जब आप कार्यकर्ताओं और दिल्ली के लोगों ने सड़कों पर विरोध प्रदर्शन किया तो उन्हें इंसुलिन मिला।

चूंकि भाजपा अब यह महसूस कर रही है कि अरविंद केजरीवाल को परेशान करने के उनके प्रयास सभी मोर्चों पर विफल हो गए हैं, इसीलिए उनकी पदयात्रा के दौरान उन पर जानलेवा हमले की योजना बनाई गई।

- **"आप" पार्टी का आरोप है कि शुक्रवार की शाम पश्चिम दिल्ली के विकास पुरी क्षेत्र में पद यात्रा के दौरान भाजपा के गुंडों ने अरविन्द केजरीवाल पर हमला किया तथा दिल्ली पुलिस ने गुंडों को नहीं रोका।**

विख्यात ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वकालत करती थीं। उनके शैक्षिणक प्रयास आने वाली पीढ़ि यों का मार्गदर्शन करते रहेंगे। उनके परिवार और प्रशंसकों के प्रति संवेदना। ओम शांति।"

एडिशनल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आदेश पवन कुमार की जमानत याचिका पर दिया।

अधिवक्ता रविन्द्र सिंह शेखावत ने बताया कि पिछली सुनवाई पर अदालत को बताया गया था कि उसने परिवादी पक्ष को राजीनामे के तौर पर 34 लाख रुपए एडिशनल एस.पी. सुरेश खींची की मौजूदगी में दिए थे, जबकि वे मामले में आई.ओ. भी नहीं थे। जिस पर अदालत ने एडिशनल एस.पी. खींची को उपस्थित होकर उनकी भूमिका बताने के लिए कहा था, लेकिन वे पेश नहीं हुए। उनकी जगह एस.आई. संतराम ने पेश होकर कहा कि खींची मेघालय में प्रशिक्षण हेतु व्यस्त हैं। इसके साथ ही डी.जी.पी. ऑफिस से जारी एक पत्र का हवाला देते हुए कहा कि एफ.आई.आर. गंगापुर सिटी पुलिस थाने की है और उस समय खींची का परिवादी पक्ष से परिचय था।

उनकी ओर से व्यक्तिगत हैसियत से मध्यस्थता की गई है और पदीय अधिकारों का कोई दुरुपयोग नहीं किया है। दरअसल परिवादी स्कूल संचालक ने 2022 में आरोपी स्कूल लेखाकार पर रुपए गबन करने का आरोप लगाया था। इस मामले में पुलिस ने आरोपी को जून 2024 में गिरफ्तार कर लिया और वह तब से जेल में ही है। आरोपी का कहना था कि एडिशनल एस.पी. खींची के प्रभाव के चलते यह अनुचित कार्रवाई की गई और उससे जबरन राजीनामा करवाया गया, इसलिए उसे जमानत दी जाए।

'विभागीय कार्यवाही ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

याचिका पर दिया। अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता 6 नवंबर से पहले भारत लौट आएगा और तत्काल इसकी जानकारी विभाग को देगा। इसके अलावा, वह सिंगापुर को छोड़कर किसी अन्य देश की यात्रा नहीं करेगा।

याचिका में अधिवक्ता अखिल सिमलोट ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता राजस्थान इलेक्ट्रोनिक्स एंड इंस्ट्यूमेंट्स लिमिटेड में अधिकारी है। उसने अपने सिंगापुर रहने वाले अपने बेटे से मिलने के लिए 26 सितंबर को प्रार्थना पत्र पेश कर विदेश यात्रा की अनुमति मांगी थी, लेकिन विभाग ने उसके प्रार्थना पत्र पर काई कार्रवाई नहीं की। याचिकाकर्ता की ओर से कोर्ट को बताया गया कि मामला हाईकोर्ट में आने के बाद, अदालत ने विभाग को नोटिस जारी किए। उसकी विभाग को तामील होने के बाद, उसके खिलाफ विभागीय जांच के आदेश दे दिए और अदालत को जानकारी दी कि विभागीय जांच लंबित होने के कारण उन्हें विदेश जाने की अनुमति नहीं दी है, जबकि संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत उसे विदेश में रह रहे बेटे से मिलने का मौलिक अधिकार है। इसलिए उसे विदेश जाने की मंजूरी दी जाए। याचिका पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने याचिकाकर्ता को सशर्त विदेश जाने की अनुमति दी है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908